राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 364
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 15 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 बिजली दर में बढ़ोतरी को लेकर सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों का केजरीवाल आवास पर विरोध-प्रदर्शन

पेज 5 यूपी में अलर्ट, हेलीकॉप्टर से हो रही कांवड़ यात्रा की निगरानी, नया ट्रैफिक प्लान लागू

पेज 7 ईरानी सेना आतंकी संगठन की लिस्ट में ही रहेगी, हमले का विकल्प खुला : जो बाइडेन

25 राज्यों में बारिश से अब तक 218 मौतें

गुजरात में 24 घंटों में 14 की जान गई; महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बाढ़ जैसे हालात

मुंबई/अहमदाबाद/रायपुर/भोपाल/जयपुर। महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल समेत देश के 25 राज्यों में बारिश हो रही है। गुजरात में पिछले 24 घंटों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 14 लोगों की जान चली गई। महाराष्ट्र में अब तक 84 लोग मारे गए हैं। इस तरह बाढ़ और भूस्खलन जैसे हादसों में अब तक 218 लोगों की जान जा चुकी है।

तेलंगाना में बुधवार को रिकॉर्ड 68.2 मिमी बारिश दर्ज हुई। छत्तीसगढ़ में 35.8 मिमी और महाराष्ट्र में 43 मिमी बारिश हुई। देश में अब तक औसत से 11त्न अधिक बारिश हो चुकी है।

लगातार बारिश की वजह से महाराष्ट्र के चंद्रपुर शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के सदस्य ने बताया कि चंद्रपुर का 60-70त्न इलाका बाढ़ से प्रभावित है। यहां के 250-300 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, भारी बारिश की वजह से गुरुवार को ठाणे, पालघर और नवी मुंबई के सभी स्कूल बंद रखे गए हैं। उधर, मुंबई यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को होने वाले परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। इनकी नई तारीखों का ऐलान बाद में होगा।

पूरे महाराष्ट्र में बुधवार को औसतन 43 मिमी बारिश हुई। गोंदिया में 15 श्रद्धालु उफनती वैनगंगा नदी के बीच स्थित एक मंदिर में फंस गए थे। उन्हें गुरुवार सुबह निकाल लिया गया। ये लोग गुरु पूर्णिमा पर पूजा करने पहुंचे थे। स्ठ्क्रस्न की टीम रेस्क्यू के लिए पहुंची थी। उधर, पालघर के वसई में भूस्खलन से पिता और उसकी बेटी की मौत हो गई। नवसारी जिले के ष्ठरूने बताया कि जलस्तर में बढ़ोतरी की वजह से अहमदाबाद- मुंबई नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है।

गुजरात : 5 जिले हाई अलर्ट पर, 31 हजार लोग रेस्क्यू किए

मौसम विभाग ने बताया कि गुजरात में पांच जिले वलसाड, नवसारी, डांग, जूनागढ़, गिरि और सोमनाथ हाई अलर्ट पर हैं। पूरे राज्य में अब तक 31 हजार लोगों सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 14 लोगों की मौत हुई है। इनमें से नौ लोगों की मौत डूबने के कारण हुई। इस तरह अब तक 83 लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार को सुबह छह बजे से 10 बजे के बीच चार घंटे में जूनागढ़, गिर सोमनाथ, डांग और अमरेली में 47 मिमी से 88 मिमी के बीच बारिश हुई। वलसाड और आसपास के इलाकों में भारी बारिश से ओरंगा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है।

मध्यप्रदेश : 16 जिलों में आज तेज बारिश अलर्ट, अब तक 66 लोगों की मौत

राज्य के सभी जिलों में मानसून सक्रिय है। बाढ़ और बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 66 लोगों की मौत हो चुकी है।

राज्य के ज्यादातर इलाकों में बुधवार को बारिश हुई। मौसम केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, भोपाल में अब तक 22.82 इंच बारिश हो चुकी है। यह अब तक की सामान्य बारिश से 11.26 इंच ज्यादा है। इंदौर में बीते चौबीस घंटे में करीब 3 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। बैतूल और हरदा जिले में मंगलवार शाम से हुई जोरदार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। ऐसा ही हाल नर्मदापुरम का है। यहां नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

राजस्थान : सिरोही और उदयपुर में भारी बारिश का अलर्ट

यहां बारिश का दौर लगातार जारी है। बांसवाड़ा, झालावाड़, भीलवाड़ा, अलवर में तेज बरसात हुई। प्रदेश के कई जिलों में सीजन की सबसे अधिक बारिश रिकॉर्ड हुई है। बांसवाड़ा, झालावाड़ में तो 5 इंच तक पानी बरसा। मौसम विभाग ने सिरोही और उदयपुर जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। इसी क्रम में गुरुवार दोपहर जयपुर शहर, सिरोही और उदयपुर में बादल जमकर बरसे।

अगले 24 घंटे- सिरोही और उदयपुर में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा आज चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़ और राजसमंद में भी बारिश का अनुमान जताया गया है। 15 जुलाई को अजमेर, भीलवाड़ा, बांरा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, झालावाड़, जयपुर, करौली, कोटा और सवाई माधोपुर के साथ पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर जिलों में भी बारिश की आशंका जताई है।

देश के अन्य राज्यों का हाल

तेलंगाना सरकार ने भारी बारिश को देखते हुए स्कूल, कॉलेजों की छुट्टियां 16 जुलाई तक बढ़ा दी हैं। इससे पहले 11 से 13 जुलाई तक छुट्टी की गई थी। उत्तराखंड के टिहरी जिले में उफनती गंगा नदी में चार लोग बह गए। कोटद्वार में नदी नाले उफान पर, रामनगर में बरसाती नाले में शिक्षकों की कार बही। स्थानीय लोगों ने 4 शिक्षकों को बचाया।

पटना में आतंकी निशाने पर थे पीएम मोदी: 3 आतंकी गिरफ्तार, 3 हिरासत में

25 साल में भारत को इस्लामी राष्ट्र बनाने का मंसूबा था

पटना। पटना में आतंकियों के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। अब तक 3 आतंकी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनकी निशानदेही पर 3 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। इन सभी से पूछताछ में पता चला है कि 12 जुलाई को यहां आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ये हमला करना चाहते थे। इसके लिए उन्हें 15 दिन से ट्रेनिंग दी जा रही थी।

गिरफ्तार आतंकी बीजेपी नेता नूपुर शर्मा की तरह इस्लाम के खिलाफ बयानबाजी करने वालों को मारना चाहते थे। उनके नामों की लिस्ट भी तैयार थी।

एक आतंकी झारखंड पुलिस का रिटायर्ड दरोगा

प्रधानमंत्री के दौरे से एक दिन पहले 11 जुलाई की शाम को इंटेलिजेंस ब्यूरो के इनपुट पर पुलिस ने नया टोला में छापेमारी कर मोहम्मद जलालुद्दीन और गुलिस्तां मोहल्ला से अतहर परवेज को पकड़ा था। इनकी निशानदेही पर पटना के फुलवारी शरीफ से अरमान मलिक को गिरफ्तार किया गया। जलालुद्दीन झारखंड पुलिस का रिटायर्ड दरोगा है।

अतहर के अलग-अलग बैंकों में तीन अकाउंट हैं। इनमें 83 लाख रुपए जमा हैं। पुलिस का कहना है कि तीनों अकाउंट्स को फ्रीज कराया जाएगा। ED अब इन्हें फंडिंग करने वालों की जांच करेगी। बाद में हिरासत में लिए गए तीन संदिग्धों के नामों का अभी खुलासा नहीं किया गया है।

आतंकियों के पास मिशन 2047 का दस्तावेज मिला

फुलवारी शरीफ के ASP मनीष कुमार ने बताया कि आतंकियों के पास से इंडिया 2047 नाम का 7 पेज का डॉक्यूमेंट भी मिला है। इसमें दर्ज प्लान पर काम करते हुए ये अगले 25 साल में भारत को मुस्लिम राष्ट्र बनाना चाहते थे। इसी टारगेट को पूरा करने के लिए मुस्लिम युवाओं को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी।

कुल 26 लोगों पर एफआईआर दर्ज

आतंकियों ने पटना के फुलवारी शरीफ के अहमद पैलेस की दूसरी मंजिल को ट्रेनिंग सेंटर बनाया था। इसमें बिहार के बाहर के लोग भी आ रहे थे। अतहर ने पुलिस को बताया कि इस मुहिम में 26 लोग शामिल थे। इन सभी के खिलाफ स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। सभी पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया से भी जुड़े थे।

आईएस ने ली श्रीनगर पुलिस पर हमले की जिम्मेदारी

वेबसाइट पर वीडियो भी जारी किया; विशेषज्ञ बोले- छोटे-मोटे स्लीपर सेल की मौजूदगी संभव

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पुलिस दल पर हुए हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट ने ली है। आईएसआईएस ने अपनी वेबसाइट और डार्क वेब पर हमले का वीडियो अपलोड किया है। इसे इस्लामिक स्टेट हिंद/इस्लामिक स्टेट जम्मू-कश्मीर ने जारी किया है। फुटेज से पता चलता है कि आतंकियों ने बॉडी कैमरे की मदद से घटनाक्रम रिकॉर्ड किया।

आतंकी संगठन ने दावा किया कि पुलिस पर पिस्तौल से फायरिंग की गई थी। यह भी दावा किया गया है कि आतंकियों ने एक पुलिसकर्मी की राइफल भी ले ली। अगर यह दावा सही है तो यह जम्मू-कश्मीर में ढ्ढस्ढ्ढस् हमले का पहला मामला है। हालांकि सुरक्षाबलों ने अब तक आईएसआईएस के दावे की पुष्टि नहीं की है। दरअसल, आतंकियों ने मंगलवार को श्रीनगर के बाहरी इलाके लाल बाजार में पुलिसकर्मियों पर फायरिंग की थी।

इसमें एएसआई मुश्ताक अहमद लोन शहीद हो गए इससे पहले हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी। आतंकियों ने तीसरी बार बॉडी कैमरे से हमला रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर जारी किया। 2020 में बारामूला में ऐसी ही फुटेज जारी की गई थी। पिछले साल पंपोर बाईपास पर हमले की ऐसी फुटेज सोशल मीडिया पर आई थी।

इस बीच, रक्षा विशेषज्ञों ने कहा है कि कश्मीर में आईएसआईएस के कुछ स्लीपर सेल हो सकते हैं, लेकिन वे मजबूत सुरक्षा ग्रिड के कारण बड़े पैमाने पर कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हमले को सनसनीखेज बनाने और हमलावरों को महिमामंडित करने के लिए फुटेज जारी किया गया है।

सुरक्षाबलों के लिए आतंकवाद के खतरे की नई घंटी इस खुलासे ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों के लिए नए खतरे की घंटी बजा दी है। यह युवाओं में घुल रहे कट्टरपंथ के स्तर और इसके खतरनाक परिणामों की ओर इशारा करता है। अनुच्छेद-370 रद्द करने से पहले कई युवा विरोध-प्रदर्शन में आईएसआईएस के झंडे उठाते थे।

ऐसे अधिकांश युवाओं को गिरफ्तार किया गया तो विरोध दब गया। अब प्रतिबंधों और मुठभेड़ों के बावजूद आतंकवाद बढ़ा है। इस साल 60 से अधिक युवा घरों गायब हो गए हैं। माना जा रहा है कि वे आतंकवादी संगठनों से जुड़ चुके हैं।

गैंगवार की भेंट चढ़े मूसेवाला : किसी गैंग से ताल्लुक नहीं

लेकिन लॉरेंस उनके गीतों से नाराज था; बंबीहा गैंग से नजदीकियों का शक

चंडीगढ़। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला लॉरेंस और बंबीहा गैंग की गैंगवार की भेंट चढ़ गए। मूसेवाला का खुद किसी गैंग से ताल्लुक नहीं था। फिर भी लॉरेंस गैंग मूसेवाला के गीतों से नाराज था। लॉरेंस गैंग को शक था कि मूसेवाला गैंगस्टर दविंदर बंबीहा गैंग की तारीफ करते हैं। इसके अलावा अपने गीतों में लॉरेंस गैंग को चुनौती देते हैं।

पंजाब पुलिस की पूछताछ में लॉरेंस ने यह बातें कही हैं। हालांकि, मोहाली में विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल के बाद मूसेवाला लॉरेंस गैंग की आंखों में खटकने लगे। इसके बाद 29 मई को मूसेवाला की मानसा में गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई।

वह गीत जो लॉरेंस गैंग को खटके

सिद्धू मूसेवाला के सभी गीत एग्रेसिव होते थे। हालांकि, उन्होंने एक लैजेंड गीत गाया था। जिसमें मोहाली की एक पॉश कॉलोनी का नाम लेते हुए कहा था कि वहां रहने वाले मेरा कुछ नहीं कर सकते। इस कॉलोनी में लॉरेंस के करीबियों के रहने के चर्चे होते रहे हैं। फिर मूसेवाला ने बंबीहा बोले गीत गाया था। यूं तो बंबीहा पंजाब में मशहूर पक्षी है, लेकिन लॉरेंस गैंग को गीत के बोल और वीडियो से शक था कि मूसेवाला ने साफ तौर पर बंबीहा गैंग की तारीफ की है।

बंबीहा गैंग 3 कत्ल कर चुका था, लॉरेंस गैंग वर्चस्व में पिछड़ा

गैंगस्टर लॉरेंस और उसके गुर्गों से पूछताछ में पता चला कि बंबीहा गैंग लगातार पंजाब में कत्ल कर रहा था। गैंग का अर्मीनिया बैठा सरगना लक्की पटियाल के कहने पर जालंधर में कबड्डी खिलाड़ी संदीप नंगल अंबिया, पूर्व पार्षद सुखमीत डिप्टी और विक्की मिड्डूखेड़ा का कत्ल किया।

इस दौरान लॉरेंस गैंग कोई बड़ी वारदात नहीं कर सका। जिससे बंबीहा गैंग का खौफ बढ़ता जा रहा था। लॉरेंस गैंग का दबदबा कम हो रहा था। लॉरेंस जानता था कि मूसेवाला का कत्ल हुआ तो उनकी लोकप्रियता से गैंग का नाम भी खूब उछलेगा। इसीलिए कत्ल होने के कुछ घंटे बाद गोल्डी बराड़ ने जिम्मेदारी ले ली।

मूसेवाला हत्याकांड के 3 शार्प शूटर पकड़ से बाहर

सिद्धू मूसेवाला की हत्या करने वाले 3 शार्प शूटर जगरूप रूपा, मनप्रीत मनु कुस्सा और दीपक मुंडी पकड़ से बाहर हैं।

दिल्ली पुलिस ने 3 शार्प शूटर प्रियवर्त फौजी, अंकित सेरसा और कशिश उर्फ कुलदीप को पकड़ा है। पंजाब पुलिस ने करीब 18 मददगारों को पकड़ा है लेकिन शार्पशूटर पकड़ने में पंजाब पुलिस नाकाम रही है।

बीएसएफ ने पकड़ी 18 करोड़ की हेरोइन

एजेंसी

अमृतसर। अमृतसर में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने पाकिस्तान तस्करों की तरफ से भारतीय सरहद में फेंकी गई हेरोइन को पकड़ने में सफलता हासिल की है। तस्करों ने बड़ी चालाकी से 2 किलो 600 ग्राम हेरोइन को ट्रेक्टर के ड्राबार में भरकर भारतीय सरहद में फेंक दिया था। लेकिन सतर्क क्चस्स्न के जवानों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान उसे जब्त करने में सफलता हासिल कर ली।

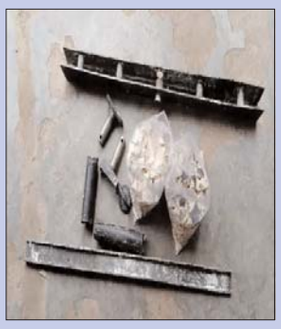

बीओपी भिंडीनैन के पास बरामद

बीएसएफ ने 2 किलो 600 ग्राम हेरोइन को अमृतसर सेक्टर में अजनाला के अंतर्गत आती BOP भिंडीनैन के समीप से बरामद की। जानकारी के अनुसार बीएसएफ के जवान भारत-पाकिस्तान सरहद पर सुरक्षा के लिए लगी कंटीली तारों के पार खेतों में सर्च कर रहे थे। इसी दौरान उनका ध्यान ट्रेक्टर की ड्राबार पर पड़ा। लावारिस पड़ी ड्राबार को क्चस्स्न के जवानों ने जब्त कर लिया। लेकिन जब उसकी जांच की गई तो उसमें हेरोइन भरी हुई थी।

ड्राबार को खोखला कर भरी गई थी हेरोइन

तस्करों ने ट्रेक्टर के ड्राबार को खोखला करके उसमें हेरोइन को भरा हुआ था।

जब हेरोइन को निकाल तोला गया तो उसका कुल भार 2 किलो 600 ग्राम निकला। जिसका अंतरराष्ट्रीय मार्किट में मूल्य तकरीबन 18 करोड़ रुपए आंका जा रहा है। फिलहाल बीएसएफ के जवानों ने हेरोइन को जब्त करके कार्रवाई शुरू कर दी है।

6 महीने बाद नए केस 19 हजार के पार: बीते 24 घंटे में 20,139 नए संक्रमित मिले

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना एक बार फिर अपना पैर पसारने लगा है। पिछले 24 घंटे में देश में 20,139 नए केस आए, जो 19 फरवरी के बाद सबसे ज्यादा है।

आउटब्रेक इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक 6 महीने बाद देश में कोरोना के नए केस 19 हजार से ज्यादा मिले। मंगलवार के मुकाबले बुधवार को नए केस में 19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। मंगलवार को 16,107 संक्रमित मिले थे।

बुधवार को कोरोना से 39 मरीजों की मौत हो गई, जबकि 16,482 मरीज ठीक हुए। नए केस आने के बाद देश में कुल पॉजिटिविटी रेट 5.10 प्रतिशत पर पहुंच गया है। कोरोना के शुरुआती दौरा से लेकर अब तक देश में एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 1 लाख 34 हजार के पार हो गई, मंगलवार को इसका आंकड़ा 1 लाख 30 हजार था। ठीक होने वालों की संख्या 16,064 दर्ज की गई है।

केरल में लगभग दोगुने मामले आए सामने

देशभर में सबसे ज्यादा मामले और मौतें केरल में हुई हैं। पिछले 24 घंटे में यहां 3,545 केस दर्ज किए गए हैं और 16 लोगों की मौत हुई है। राज्य में एक्टिव केस 25,579 हैं। ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 2,761 है और पॉजिटिविटी रेट घटकर 14.56 प्रतिशत हो गया है। मंगलवार को केरल में 2,211 मामले आए थे और पॉजिटिविटी रेट 15.69 प्रतिशत पाया गया था।

पिछले दिन के मुकाबले पश्चिम बंगाल में केस बढ़े

केरल के बाद पश्चिम बंगाल में मामले सामने आए हैं। पिछले 24 घंटे में यहां 2,979 केस दर्ज किए गए हैं। कोरोना से यहां 4 लोगों की जान गई है। राज्य में एक्टिव केस बढ़कर 27,496 हो गए हैं।

एक दिन पहले 25,880 थे। ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 1359 है और पॉजिटिविटी रेट 18.59 प्रतिशत दर्ज किया गया। मंगलवार को यहां में 2,659 मामले सामने आए थे और 5 लोगों की मौत हुई थी।

जहांगीरपुरी हिंसा 37 आरोपी अरेस्ट; दिल्ली क्राइम ब्रांच ने सीसीटीवी, कॉल रिकॉर्ड खंगाले, चश्मदीदों के बयान लिए

जहांगीरपुरी हिंसा पर 2000 पेज की चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी दंगों के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच गुरुवार को 2000 पेज की चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस केस में अब तक तीन मुख्य आरोपियों समेत कुल 37 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए मोबाइल और सीसीटीवी फुटेज के साथ फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर सिस्टम का इस्तेमाल किया है।

पुलिस ने दंगा, आगजनी और साजिश के तहत मामला दर्ज किया था

जहांगीरपुरी हिंसा में गिरफ्तार किए गए 37 लोगों पर दंगा, आगजनी, हत्या के प्रयास और आपराधिक साजिश समेत 12 मामलों में केस दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की 12 धाराओं के अलावा, जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर में आर्म्स एक्ट की धारा 25 का भी उल्लेख था।

पुलिस ने यह भी बताया कि उनके पास अरेस्ट किए गए आरोपियों के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए टेक्निकल और मैनुअल सबूत हैं। सबूतों में सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और चश्मदीदों की गवाही शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस ने मो. अंसार को बनाया मुख्य आरोपी

जहांगीपुरी हिंसा के 5 आरोपी अंसार, सलीम, इमाम शेख उर्फ सोनू, दिलशाद और अहीर पर दिल्ली पुलिस ने नेशनल सिक्योरिटी एक्ट लगाया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक जहांगीरपुरी हिंसा का मुख्य आरोपी- मोहम्मद अंसार है। जिस जगह हिंसा हुई थी, वहां से करीब 200 मीटर की दूरी पर बी ब्लॉक में अंसार का पांच मंजिला घर है।

अंसार पर मारपीट के 2 मामले दर्ज हैं, वहीं उस पर गैम्बलिंग एक्ट में 5 बार केस दर्ज किया गया है। 2009 और 2018 में वह जेल भी जा चुका है।

आरोपियों की सजा- ऑपरेशन बुलडोजर

दिल्ली के जहांगीरपुरी में हिंसा के बाद MCD और प्रशासन सख्त हो गया था। अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाया गया। प्रशासन ने इसकी पूरी तैयारी कर रखी थी। लेकिन आरोपियों ने इस कार्रवाई को रोकने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगा दी। जिसके बाद कार्रवाई रोक दी गई। इस ऑपरेशन बुलडोजर को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी हुई।

शार्ट न्यूज

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को हुआ कोरोना, अस्पताल में भर्ती

चेन्नई। कोविड पॉजिटिव पाए जाने के दो दिन बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को चेन्नई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कावेरी अस्पताल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि मुख्यमंत्री स्टालिन को कोविड संबंधी लक्षणों की जांच और निगरानी के लिए भर्ती कराया गया है। एमके स्टालिन मंगलवार को कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। एक ट्वीट में उन्होंने तब कहा था, आज थकान लग रही थी। टेस्ट कराने पर कोविड 19 की पुष्टि होने के बाद मैंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। उन्होंने कहा, आइए हम सभी मास्क पहनकर सुरक्षित रहें और टीकाकरण करवाएं। अन्य नेताओं जैसे राज्यपाल आर एन रवि और अन्नाद्रमुक के विपक्षी नेताओं ने बुधवार को स्टालिन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कुछ दिनों पिछले सरकार द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में मुख्यमंत्री बिना मास्क पहने नजर आए थे। 11 और 12 तारीख को, स्टालिन एक शादी में शामिल हुए थे और द्रविड़ कड़गम नेता के वीरमणि सहित कई लोगों से मिले थे। इसके अलावा 8 और 9 तारीख को स्टालिन ने तिरुवन्नामलाई जिले में सरकारी कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति के बावजूद बिना मास्क पहने भाग लिया था।

कश्मीर में अगवा किशोरी बरामद

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की पुलिस ने पुलवामा जिले में अपहृत एक किशोरी को कुछ घंटे में ही ढूंढ निकालने का दावा किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक नमन काकापोरा निवासी अब्दुल हमीद डार ने थाना काकापोरा में शिकायत कराई थी कि उनकी पुत्री (16) का कंदजन बडगाम के नदीम नबी वागे ने अपहरण कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोरी का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की करके जांच शुरू की गयी। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की और कड़ी मशक्कत के बाद गांव वटकालू चरारीशरीफ बडगाम से अगवा किशोरी का पता लगा लिया। उन्होंने बताया कि सभी चिकित्सकीय कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद किशोरी को उसके परिवार को सौंप दिया गया और कथित अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कश्मीर में सड़क दुर्घटना में पुलिसकर्मी की मौत

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सड़क दुर्घटना में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गयी और एक अन्य घायल हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब पुलिस कर्मी और उसका साथी ड्यूटी खत्म करने के बाद बिजबेहरा से जिरपोरा मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे, इसी दौरान एक वाहन की टक्कर लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान पुलिसकर्मी की मौत हो गयी और उसके साथी का उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि मृतक पुलिसकर्मी की पहचान वेरीनाग के तारिक अहमद अहंगेर के रूप में हुई है और घायल का नाम इश्फाक अहमद अहंगेर है जो नौपोरा दूरु निवासी है।

तेलंगाना के कई जिलों में मौसम विभाग का आरेंज अलर्ट

हैदराबाद। तेलंगाना में मौसिम विभाग ने राज्य के आठ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटे के दौरान लगातार भारी बारिश की संभावना के मद्देनजर गुरुवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला और करीमनगर जिलों में भारी बारिश होने के अनुमान हैं। इसी अवधि में राज्य के पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, सूर्यपेट, महबूबाबाद, जंगों, सिद्दीपेट, यादाद्री भुवनगिरी, कामारेड्डी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की आसार हैं। उन्होंने तेलंगाना में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी दी है। हैदराबाद में आज बादल छाए रहेंगे और शहर में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें भी पड़ेंगी। उन्होंने बताया कि दक्षिण तटीय ओडिशा और पड़ोसी राज्य पर कल का निम्न दबाव का क्षेत्र अब उत्तरी ओडिशा और पड़ोस के ऊपर मंडरा रहा है, जो चक्रवाती तूफान के साथ समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है।

ईस्ट-वेस्ट मेट्रो की सियालदह-सेक्टर वी के बीच वाणिज्यिक संचालन शुरू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ईस्ट-वेस्ट मेट्रो की सियालदह से सेक्टर-वी के बीच भूमिगत मेट्रो ट्रेन का वाणिज्यिक संचालन गुरुवार से शुरू कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि ऐतिहासिक पहला रेक सियालदह मेट्रो स्टेशन से गुरुवार सुबह करीब 06.55 बजे यात्रियों के साथ रवाना हुआ। अब सेक्टर-वी तक लगने वाला 40 मिनट का समय घटकर 20 मिनट रह गया है और किराया 20 रुपये और न्यूनतम 10 रुपये होगा। सियालदह से अंतिम ट्रेन रात 21.35 बजे तथा सेक्टर-वी से 21.40 बजे रवाना होगी। कतार में लगे एक यात्री ने कहा, यह सेवा शुरू होने के बाद दैनिक यात्रियों को सियालदह रेलवे स्टेशन से सेक्टर-वी तक आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। एशिया के सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक सियालदह सेक्शन और पश्चिम बंगाल में आईटी के मुख्य केंद्र साल्ट लेक के सेक्टर-वी के बीच लगभग 100 ट्रेनें चलेंगी जिसका न्यूनतम समय 10 मिनट और अधिकतम समय 20 मिनट होगा। मेट्रो रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि सियालदह मेट्रो स्टेशन को 1,250 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया गया था और इससे 35,000 से अधिक यात्रियों को हर दिन अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

दूसरे पी-17 ए श्रेणी के फ्रिगेट का शुभारंभ करेंगे राजनाथ

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को यहां गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियरिंग में स्वदेश निर्मित दूसरे पी 17 ए श्रेणी फ्रिगेट (यार्ड 3023) का शुभारंभ करेंगे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक इससे देश समुद्री सीमा के अन्दर जल निकायों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले इस तरह के फ्रिगेट का उद्घाटन ठीक 20 महीने पहले कोलकाता में किया गया था। रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत आने वाली भारत की प्रमुख युद्धपोत निर्माण कंपनी, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा, हम 15 जुलाई, 2022 को रक्षा मंत्रालय राजनाथ सिंह की उपस्थिति में दूसरा पी17 ए क्लास फ्रिगेट (यार्ड 3023) लॉन्च करेंगे। रक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की भारत के अग्रणी युद्धपोत निर्माता (जीआरएसई) ने यहां किद्दरपुर में दिसंबर 2020 में प्रतिष्ठित परियोजना के तहत 17 ए में तीन स्टेल्थ फ्रिगेट्स में से पहली हिमगिरी के लॉन्च के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पी 17 ए जहाज गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट हैं, जिनमें से प्रत्येक 149 मीटर लंबा है, जिसमें लगभग 6,670 टन की क्षमता और गति 28 समुद्री मील है।

हरियाणा भाजपा का प्रशिक्षण शिविर फरीदाबाद में शुक्रवार से

चंडीगढ। हरियाणा प्रदेश भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 15 जुलाई (शुक्रवार) को फरीदाबाद में शुरू होगा। राज्य के मुख्यमंत्री मनोहर लाल इस प्रशिक्षण शिविर की शुरूआत करेंगे। प्रशिक्षण शिविर में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत, कृष्णपाल गुर्जर, संगठन के वरिष्ठ नेता वी. सतीश, शिव प्रकाश, महेश चंद्र शर्मा समेत कई राष्ट्रीय पदाधिकारी तथा प्रदेशाध्यक्ष ओम प्रकाश धनकड़ शिरकत करेंगे। द्वितीय सत्र में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भी मौजूद रहेंगे। शिविर में इनके अलावा प्रदेश भाजपा के सभी मंत्री, विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री, जिलाअध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भी भाग लेंगे। शिविर के विभिन्न सत्रों की प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

संसद में भ्रष्ट से जुमलाजीवी जैसे कई शब्द बैन

प्रियंका ने कसा तंज, बोलीं- जब सरकार भ्रष्टाचार करे, तो उसे भ्रष्ट नहीं, 'मास्टरस्ट्रोक' बोला जाए

नई दिल्ली। 18 जुलाई से मानसून सत्र शुरू हो रहा है। इससे पहले लोकसभा सचिवालय ने दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के लिए कुछ शब्दों और मुहावरों की लिस्ट जारी की है। इनका प्रयोग संसद में गलत और असंसदीय माना जाएगा। विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया है। वहीं, ओम बिरला ने इस पर स्पष्टीकरण दिया है।

ओम बिरला बोले- किसी शब्द पर प्रतिबंध नहीं

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, क्या विपक्ष ने 1100 पन्नों की इस डिक्शनरी को पढ़ा है। यह 1954, 1986, 1992, 1999, 2004, 2009, 2010 में जारी किया गया है। वहीं, 2010 से हर साल जारी किया जाता है। पहले इस तरह के असंसदीय शब्दों की एक बुक जारी की जाती थी। कागज की बर्बादी से बचने के लिए हमने इसे इंटरनेट पर डाल दिया है। किसी भी शब्द पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, हमने उन शब्दों का संकलन जारी किया है जिन्हें हटा दिया गया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जिन शब्दों को हटा दिया गया है, वे विपक्ष के साथ-साथ सरकार द्वारा भी संसद में कहे किए गए हैं। केवल विपक्ष द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को नहीं हटाया गया है। किसी भी शब्द पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, उन शब्दों को हटा दिया गया है जिन पर पहले आपत्ति थी।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि जब वो भ्रष्टाचार करे, तो उसे भ्रष्ट नहीं, मास्टरस्ट्रोक बोला जाए। 2 करोड़ रोजगार, किसानों की आय दोगुनी जैसे जुमले फेंके, तो उसे जुमलाजीवी नहीं; 'थैंक यू बोला जाए। उन्होंने सवाल पूछा कि संसद में देश के अन्नदाताओं के लिए आंदोलनजीवी शब्द किसने प्रयोग किया था?

तृणमूल के डेरेक ओ%ब्रायन ने लोकसभा सचिवालय के इस फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने कहा, मैं इन शब्दों का इस्तेमाल करना जारी रखेंगे। मुझे निलंबित कर दीजिए। लोकतंत्र के लिए लड़ाई लड़ूंगा। कुछ सांसदों का कहना है कि यह सरकार की आलोचना करने की उनकी क्षमता को बाधित करेगा।

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने ट्वीट किया, आपका मतलब है कि मैं लोकसभा में खड़ी नहीं हो सकती और यह बात नहीं कर सकती कि कैसे एक अक्षम सरकार ने भारतीयों को धोखा दिया है, जिन्हें अपने पाखंड पर शर्म आनी चाहिए?

इसके अलावा शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, यह मीम याद आ गया। अगर हम करें तो करें क्यां, बोलें तो बोलें क्या? सिर्फ, वाह मोदी जी वाह!

इन शब्दों पर बैन

संसद में बहस के दौरान अगर सांसद जुमलाजीवी, बाल बुद्धि, कोविड स्प्रेडर, स्नूपगेट, शर्मिंदा, रक्तपात, खूनी, धोखा, शर्मिंदा, दुर्व्यवहार, धोखा, चमचा, चमचागिरी, बचकाना, भ्रष्ट, कायर, मगरमच्छ के आंसू, अपमान, गधा, गुंडागर्दी, पाखंड, अक्षम, झूठ, असत्य, गदर, गिरगिट, गुंडे, असत्य, अहंकार, काला दिन, दलाल, दादागिरी, दोहरा चरित्र, खरीद, फरोख्त बेचारा, लॉलीपॉप, विश्वासघाट, संवेदनहीन, मूर्ख, बहरी सरकार, यौन उत्पीड़न, चिलम लेना, कोयला चोर, ढिंढोरा पीटना, अराजकतावादी, शकुनि, तानाशाही, जयचंद, विनाश पुरुष, खालिस्तानी, बॉबकट, खून से खेती, निकम्मा, नौटंकी जैसे शब्द इस्तेमाल किए जाते हैं तो इन्हें असंसदीय माना जाएगा।

नई बुकलेट के अनुसार, अगर इन शब्दों को किसी दूसरे शब्दों के साथ जोड़ कर प्रयोग किया जाएगा, तो इसे असंसदीय नहीं माना जाएगा। वहीं, अध्यक्ष पर आरोप को लेकर भी कई वाक्यों को असंसदीय श्रेणी में रखा गया है।

अधीक्षक, पुलिस उप निरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य सतर्कता ब्यूरो ने सोनीपत उपायुक्त कार्यालय के एक अधीक्षक और एक पुलिस उप निरीक्षक को क्रमश: 20,000 रुपये और 4000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के प्रवक्ता ने आज यहां जानकारी देते हुये बताया कि पहला मामला सोनीपत जिले का है, जहां ब्यूरो की टीम ने जिला उपायुक्त कार्यालय के अधीक्षक वेद प्रकाश को जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय के कलर्क जितेंद्र सिंह से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए काबू किया। आरोपी शिकायतकर्ता का तबादला सम्बंधी फाइल आगे आगे बढ़ाने के लिये रिश्वत की मांग कर रहा था। आरोपी ने 30,000 रुपये की मांग की थी जिसमें से शिकायतकर्ता पहले ही उसे 10,000 रुपये दे चुका था। एक अन्य मामले में रेवाड़ी के जाटूसाना थाने के उप निरीक्षक अनिल कुमार को भोंडू भौतवास गांव निवासी शिकायतकर्ता राजेंद्र से 4,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ काबू किया।

कांग्रेस ने त्रिपुरा के तीन जिलों में किया 24 घंटे बंद का आह्वान

अगरतला। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को राज्य के तीन उत्तरी जिलों में उनके कार्यकर्ताओं पर हुई हिंसा के विरोध में 24 घंटे की आम हड़ताल का आह्वान किया और अगले 21 जुलाई को 15 अन्य मांगों के साथ कांग्रेस नेताओं की सुरक्षा की मांग की।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बिरजीत सिन्हा ने आरोप लगाया कि बिप्लब कुमार देब के शासन में पिछले साढ़े चार साल से अराजकता की स्थिति के कारण सत्तारूढ़ भाजपा के कार्यकर्ता नियंत्रण से बाहर हो गए है और अब भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा द्वारा हिंसक संस्कृति को रोकने की बार-बार चेतावनी देने के बावजूद उनके कार्यकर्ताओं में कोई बदलाव नहीं आया है। श्री सिन्हा ने आरोप लगाते हुए कहा, जो पार्टी दुनिया में खुद को सबसे बड़ी पार्टी के बताती है उसका अपने ही नेताओं पर कोई नियंत्रण नहीं है। यह गुंडों की एक पार्टी है और इसमें अलोकतांत्रिक तत्वों का जमावड़ा है। कांग्रेस ने अब तक सत्ताधारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के अत्याचारों के प्रति अपनी सहनशीलता दिखाई है, लेकिन उन्हें उनकी भाषा में जवाब देने का समय आ गया है।

उन्होंने कहा कांग्रेस हिंसा और हमलों में शामिल नहीं है, लेकिन पार्टी के पास अपराधियों और असामाजिक तत्वों का विरोध करने का अधिकार है और क्षमता भी है और अब से कांग्रेस भाजपा के हर हमले का जवाब देगी।

चीन से लद्दाख के कब्जे वाला क्षेत्र वापिस लेने की जरूरत : मान

फतेहगढ़ साहिब। शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष एवं सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने केंद्र सरकार पर चीन द्वारा वर्ष 2020 में लद्दाख का कथित तौर पर 900 वर्ग किलोमीटर भारतीय हिस्सा कब्जाने के प्रति प्रति कमजोर रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। श्री मान ने आज यहां जारी एक बयान में कहा, केंद्र सरकार अब कह रही है कि चीन के साथ विवादास्पद मुद्दों पर अब फिर से 17 जुलाई को बातचीत होगी। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले 2020 से लेकर अब तक सभी वार्ताएं बुरी तरह विफल रही हैं। समय आ गया है कि साम्यवादी चीन के प्रति कठोर रवैया अपना कर कब्जाये गये हिस्से को वापस लिया जाये।

किश्तवाड़ चौक में लहराया 100 फीट ऊंचा तिरंगा, शहीद स्मारक का भी उद्घाटन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ शहर के कुलीद चौक पर गुरुवार को 100 फीट ऊंचा राष्ट्रध्वज स्थापित किया गया है। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन कमांडिग ऑफिसर CIF (डेल्टा) मेजर जनरल अजय कुमार ने किया। राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना के अलावा उन्होंने किश्तवाड़ शहीद स्मारक का भी उद्घाटन किया।

सेना की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि शहीद स्मारक किश्तवाड़ के उन लोगों को समर्पित है जिन्होंने आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान कुर्बान की है। सेना ने बताया कि कश्मीर के कुछ जिलों में 100 फीट ऊंचे राष्ट्रध्वज स्थापित किए गए हैं। इसी कड़ी में किश्तवाड़ में भी यह लगाया गया है। राष्ट्रध्वज की स्थापना में 17 राष्ट्रीय राइफल (मराठा लाइट इंफेंट्री) का विशेष योगदान रहा है।

कर्नल अमेय चिपलुनकर के मार्गदर्शन में बहुत कठिन परिस्थिति होने के बावजूद मराठा जवानों ने हिम्मत और जोश के साथ कम समय में राष्ट्रध्वज स्थापित करने का काम पूरा किया। सेना ने सहयोग के लिए किश्तवाड़ के जिलाधिकारी अशोक शर्मा की भी सराहना की है।

इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में दानदाताओं कप्तान तुषार महाजन फाउंडेशन, मेजर अक्षय गिरीश ट्रस्ट, लोकमान्य ट्रस्ट बेलगाम, मंगलदास ट्रस्ट मुंबई और किश्तवाड़ हायड्रो पावर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस मौके पर ब्रिगेडियर प्रणब मिश्रा, कर्नल अमेय चिपलुनकर कमान अधिकारी, 17 राष्ट्रीय रायफल्स (मराठा लाइट इन्फेंट्री), किश्तवाड़ के डिप्टी कमिश्नर अशोक कुमार मौजूद थे।

मशहूर सिंगर दलेर मेहंदी गिरफ्तार, 18 साल पुराने केस में मिली 2 साल की सजा

नई दिल्ली। पटियाला की एक अदालत के आदेश पर पंजाब के मशहूर गायक दलेर मेहंदी को साल 2003 में उनके खिलाफ दर्ज एक मानव तस्करी मामले में जेल भेज दिया गया है। मेहंदी की ओर से गुरुवार को अदालत में सजा के खिलाफ अपील दायर की गई थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत में मौजूद मेहंदी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। दरअसल, दलेर मेहंदी और उनके भाई शमशेर सिंह पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने अपनी मंडली के सदस्यों के रूप में लोगों को अवैध रूप से विदेश भेजने के लिए मोटी रकम ली थी। 2018 में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत ने दोनों भाइयों को दोषी ठहराया था और उन्हें दो साल जेल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें जमानत दे दी गई थी और बाद में उन्होंने सत्र अदालत में अपील दायर की थी। आज अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एचएस ग्रेवाल की अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया।

क्या है मामला

2003 में सदर पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, यह आरोप लगाया गया था कि मेहंदी बंधुओं ने 1998 और 1999 में दो मंडलियां ली थीं, इस दौरान 10 लोगों को समूह के सदस्यों के रूप में अमेरिका ले जाया गया और अवैध रूप से छोड़ दिया गया। अभिनेत्री करिश्मा कपूर और उनकी मां बबीता के साथ अमेरिका की यात्रा पर गए दलेर ने कथित तौर पर सैन फ्रांसिस्को में तीन लड़कियों को छोड़ दिया था। लड़कियों की पहचान गुजरात की रहने वाली लड़कियों के रूप में हुई थी।

दोनों भाइयों ने अक्टूबर 1999 में जूही चावला, रवीना टंडन और जावेद जाफरी की कंपनी में एक और मंडली ली, जिसके दौरान न्यू जर्सी में तीन लड़कों को छोड़ दिया गया। 19 सितंबर 2003 को पटियाला पुलिस ने दलेर और शमशेर के खिलाफ एक बख्शीश सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज किया। भाइयों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप लगाते हुए 35 और शिकायतें आईं। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि दोनों भाइयों ने अवैध रूप से अमेरिका में अवैध प्रवास करने में मदद करने के लिए उनसे पैसे लिए थे, लेकिन ऐसा करने में विफल रहे। पटियाला पुलिस ने नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में दलेर मेहंदी के कार्यालयों पर भी छापा मारा था और मेहंदी बंधुओं को पैसे देने वालों की केस फाइल सहित दस्तावेज जब्त किए थे।

मिश्र एवं गहलोत ने जवान भागचंद गुर्जर की शहादत को किया नमन

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अजमेर जिले में किशनगढ़ क्षेत्र निवासी एवं सेना के जवान भागचंद गुर्जर की शहादत को नमन किया हैं। मिश्र ने नायक श्री गुर्जर की अरुणाचल प्रदेश में ड्यूटी के दौरान शहादत पर उन्हें नमन करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने एवं परिजनों को यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। गहलोत ने राजस्थान के वीर सपूत नायक भागचंद गुर्जर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना जताई और ईश्वर से उन्हें शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में हम सब उनके साथ खड़े हैं। उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश के ओरक क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान पेट्रोलिंग करते हुए वाहन के खाई में गिरने से 21वीं राजपूत रेजीमेंट में नायक भागचंद गुर्जर शहीद हो गए थे।

स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार कर रहे है मोदी : धामी

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को लोहाघाट स्थित अद्वैत मायावती आश्रम के दर्शन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वामी विवेकानंद जी के दिखाये रास्ते पर चल रहे हैं और उनके सपनों का भारत बनाने में जुटे हैं।

श्री धामी चंपावत जिले के दो दिनी दौरे पर आज लोहाघाट स्थित अद्वैत मायावती आश्रम पहुंचकर दर्शन किये। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अद्वैत आश्रम स्वामी विवेकानंद जी की कल्पना रही है। अद्वैत आश्रम देवदार, चीड़, बांज व बुरांश जैसी सघन वनराजि के नैसर्गिक सौंदर्य के मध्य मणि के समान बसा हुआ है और आंगतुंकों को निर्मल शांति प्रदान करता है। आश्रम में पुण्य आत्माओं का वास है। उन्होंने आगे कहा स्वामी विवेकानंद जी कई दिनों तक यहां रहे।

उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम की तर्ज पर बदरीनाथ धाम को भी महायोजना (मास्टर प्लान) के अनुसार नया स्वरूप दिया जा रहा है। केदारनाथ में आदि गुरू शंकराचार्य की समाधि को नया रूप दे दिया गया है।

आने वाले समय में मानसखंड मंदिर माला मिशन कोरिडोर बनाया जायेगा। इसके लिये प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इससे पहले स्वामी सहदानंद महारान ने मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान ध्यान केन्द्र एवं स्वामी विवेकानंद जी पर आधारित संग्रहालय का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने बुधवार रात को अधिकारियों के साथ कलक्ट्रेट में विकास योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों और कर्मचारियों को नयी कार्य संस्कृति विकसित करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जनपद के लिये अभिनव योजनायें बनायें और उन पर काम करें।

इस दौरान उन्होंने वन विभाग, आपदा, कृषि, औद्यानिकी, पशुपालन, उद्योग व दुग्ध विकास समेत सभी विभागों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 80 मत्स्य तालाबों का निर्माण किया जा रहा है।

जनसंख्या नियंत्रण और धर्मांतरण की बहस के बीच आरएसएस प्रमुख का बयान , मानव बने

बेंगलुरू। जनसंख्या नियंत्रण पर गरमा गरम चर्चाओं के बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरआरएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि योग्यतम की उत्तरजीविता का नियम उन जानवरों पर लागू होता है, जो खाते है पीते और आबादी बढ़ाते हैं। जब मानव की बात आती है तो योग्यतम व्यक्ति वह है जो सबसे कमजोर को जीवित रहने में मदद करता है। श्री भागवत ने बुधवार देर रात जनसंख्या विस्फोट का जिक्र किये बिना यहां कहा , सिर्फ खाना, पीना और आबादी बढाना यह काम तो जानवर भी करते हैं। है ना? जो मजबूत है वह बच जाएगा। यह जंगल का कानून है। योग्यतम की उत्तरजीविता। यह सच्चाई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह नियम जानवरों के लिए लागू है, मनुष्यों के लिए नहीं। मनुष्यों में, सबसे योग्य व्यक्ति वह है जो दूसरों को जीवित रहने देंगे। योग्यतम व्यक्ति सबसे कमजोर को जीवित रहने में मदद करेगा। यही मानवीय उत्कृष्टता का अर्थ है। श्री भागवत ने मानव उत्कृष्टता के लिए श्री सत्य साई विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में यह बयान दिया। यहां उन्होंने महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर, इसरो के पूर्व प्रमुख के कस्तूरीरंगन, भारतीय हिंदुस्तानी गायक एम वेंकटेश कुमार, परमाणु-भौतिक विज्ञानी आर चिदंबरम, पर्यावरणविद् पूर्णिमा देवी बर्मन और सी श्रीनिवास को कई लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा देने के लिए सम्मानित किया। सरसंघचालक के इस बयान को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुछ दिनों पूर्व दिये गये बयान के परिपेक्ष्य में देखा जा रहा है जिसमे उन्होंने कहा था जनसंख्या असंतुलन को जारी रखा गया तो यह अव्यवस्था और अराजकता का कारण बन सकता है। श्री भागवत ने योगी आदित्यनाथ की इसी बात को आगे बढ़ाया जो उन्होंने 'जनसंख्या नियंत्रण' पखवाड़े के आयोजन पर कही थी। उन्होंने कहा , जब हम परिवार नियोजन-जनसंख्या स्थिरीकरण के बारे में बात करते हैं, तो हमें यह ध्यान रखना होगा कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन साथ ही, जनसंख्या असंतुलन की स्थिति नहीं होने दी जानी चाहिए।

डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत गिरने के मामले में मोदी को जवाब देना चाहिए : सिन्हा

एजेंसी

भोपाल। विपक्षी दलों के राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी एवं पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत गिरने के मामले में आज चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या फिर केंद्र सरकार को इस मामले में जवाब देना चाहिए।

राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर यहां कांग्रेस विधायकों के साथ बैठक के बाद श्री सिन्हा ने पत्रकार वार्ता में सवालों के जवाब के दौरान यह बात कही। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी मौजूद थे।

श्री सिन्हा ने कहा कि वर्ष 2014 में जब श्री मोदी प्रधानमंत्री बने, तब डॉलर की कीमत 58, 44 रुपए थे, जो आज बढ़कर 79, 86 रुपए हो गयी है। उन्होंने कहा कि भारतीय मुद्रा की कीमत इससे ज्यादा कभी नहीं गिरी। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रही है।

कभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में अहम पदों पर आसीन रह चुके श्री सिन्हा ने कहा कि जब श्री मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत कम होने पर श्री मोदी स्वयं सवाल पूछते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री से जवाब की अपेक्षा रखते थे। ऐसी स्थिति में श्री मोदी को या उनकी सरकार को देश की जनता को जवाब देना चाहिए।

श्रीलंका में आर्थिक बदहाली के चलते वहां उपजे मौजूदा हालातों की भारतीय अर्थव्यवस्था के कारण यहां के हालातों से तुलना करने संबंधी सवालों के जवाब में श्री सिन्हा ने कहा कि भारत के हालात श्रीलंका जैसे नहीं होंगे। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन पर आधारित है और वहां कोविड के चलते काफी विपरीत प्रभाव पड़ा। वहीं भारत में अर्थव्यवस्था कुछ उद्योगों पर आधारित नहीं है।

श्री सिन्हा ने अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश के भी आंकड़े दिए और कहा कि यहां भी कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। मार्च 2022 की स्थिति में राज्य पर कर्ज 1, 8 लाख करोड़ रुपए के आसपास था, जो मार्च 2023 में 3, 25 लाख करोड़ हो जाने की आशंका है। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है और केंद्र सरकार भी इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रही है। राष्ट्रपति चुनाव में सत्तारुढ़ दल भाजपा की ओर से आदिवासी चेहरा श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को प्रत्याशी बनाए जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि श्रीमती मुर्मू को राष्ट्रपति की बजाए प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। तभी श्रीमती मुर्मू को कार्य करने का अवसर मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि वे यदि राष्ट्रपति का चुनाव जीत गए, तो वित्त संबंधी गलत निर्णयों पर रोक लगाने के लिए कार्य करेंगे और यदि चुनाव नहीं जीत पाए तो देश में %लोकशाही% को बचाने के लिए वे संघर्ष करेंगे और इसके लिए सड़कों पर भी उतरने से नहीं कतराएंगे।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस के कतिपय विधायकों को उन्हें भाजपा की ओर से राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रलोभन दिए जाने संबंधी आरोपों के परिप्रेक्ष्य में श्री सिन्हा ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। निर्वाचन आयोग को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे इस संबंध में औपचारिक शिकायत भी आयोग के समक्ष दर्ज कराएंगे।

शार्ट न्यूज

एलजी के खिलाफ गलतबयानी करना बंद करे आप

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विरेंद्र बब्बर ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा है कि संवैधानिक पद पर बैठे उपराज्यपाल के खिलाफ आए दिन टीका-टिप्पणी करना ठीक नहीं है। एलजी दिल्लीवासियों के अभिभावक हैं। वह दिल्ली की बेहतरी के लिए कदम उठा रहे हैं, जिसकी सराहना करनी चाहिए। बब्बर ने कहा कि राशन और डीटीसी बस के मामले में लगातार लोगों को गुमराह कर रही है। राशन स्कीम केंद्र सरकार की है। केंद्र सरकार के सहयोग से बसें खरीदी गई हैं। जिसका श्रेय दिल्ली सरकार ले रही है। उन्होंने कहा कि बिजली और पानी के मुद्दे पर सरकार में आयी आम आदमी पार्टी अब चोर दरवाजे से बिजली बिल में बढ़ोत्तरी करने जा रही है। जिसका भाजपा पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने एलजी से आग्रह किया है कि स्पोर्ट यूनिवर्सिटी के बारे में भी एक बार अवलोकन किया जाना चाहिए। स्पोर्ट यूनिवर्सिटी कागजों पर है। कुलपति तक की नियुक्ति कर दी गई है। लेकिन जमीन पर कुछ नहीं है।

दिल्ली के स्कूल में चाकूबाजी, लंच में बहस के बाद स्टूडेंट ने 3 दोस्तों को किया जख्मी

नई दिल्ली। दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में चाकूबाजी की घटना में 3 छात्र घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। दक्षिणी दिल्ली के संजय भाटी माइंस कॉलोनी में सरकारी स्कूल के अंदर यह घटना हुई है। एक छात्र ने दूसरे पर चाकू से जानलेवा हमला किया। दोस्तों ने छुड़ाने की कोशिश की उन पर भी वार कर दिया। घटना में 3 छात्र घायल हुए। दो को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, लेकिन तीसरे की हालत गंभीर है। दिल्ली ने बताया कि आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। बुधवार सुबह पुलिस को स्कूल में कुछ छात्रों के घायल होने की जानकारी मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि 12वीं क्लास में पढ़ने वाले मोहित (20) ने बहस के बाद अपनी ही क्लास में पढ़ने वाले छात्रों पर हमला किया। मोहित और अंकुश (19) के बीच लंच ब्रेक के दौरान बहस हो गई। पुलिस कमिश्नर (साउथ) बेनिता मैरी जेकर ने बताया कि बहस जल्द ही झड़प में बदल गई। मोहित ने अंकुश की छाती पर चाकू से वार कर दिया। 12वीं के बी दो स्टूडेंट्स अजय और अजीत ने बीच बचाव किया तो मोहित ने उन पर भी वार कर दिया। डीसीपी ने बताया कि घटना में तीनों छात्र घायल हो गए। घायलों को एम्स पहुंचाया गया। मैदान गढ़ी पुलिस थाने में मोहित के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

जहांगीरपुरी दंगा: दिल्ली पुलिस ने 37 आरोपियों के खिलाफ दायर की 2063 पेज की चार्जशीट

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी कोर्ट जहांगीरपुरी दंगों से संबंधित दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा द्वारा दायर आरोपपत्र पर 28 जुलाई को विचार करेगी। 16 अप्रैल को जहांगीरपुरी के सी और दूसरे ब्लॉक में हुई हिंसा में 37 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए 37 आरोपियों में से 30 मुस्लिम और सात हिंदू हैं। कुछ आरोपियों की दंगा भड़काने में अहम भूमिका थी, उनकी पहचान मोहम्मद अंसार, शेख सलीम उर्फ सलीम चिकना के रूप में हुई है। हिंसा के पीछे की साजिश का पर्दाफाश करते हुए, क्राइम ब्रांच ने कहा है कि यह पूर्वनियोजित हिंसा थी। चार्जशीट में सीसीटीवी फुटेज, बयानों और मौका ए वारदात की फोरेंसिक जांच को शामिल किया गया है। हत्या के प्रयास, दंगा, मारपीट आदि सहित आईपीसी की 12 धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। कुछ आरोपी हथियारों से लैस थे, जिन्हें फायरिंग करते देखा गया। धार्मिक जुलूस पर हमला किया गया। मोहम्मद अंसार, सलीम चिकना के अलावा जिन अन्य लोगों ने झड़पों में प्रमुख भूमिका निभाई उनमें इमाम शेख, तरबेज खान शामिल हैं। मोहम्मद अंसार सहित पांच पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पूर्व नियोजित तरीके से जुलूस को निशाना बनाया गया और हमला किया गया। आठ आरोपी अभी भी फरार हैं और उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। नाबालिगों को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया गया। प्रवर्तन निदेशालय इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रहा है। करीब 2000 पन्नों की चार्जशीट बताई जा है।

स्टेशन पर यात्रियों को ट्रेन में बैठे ही मिलेगा सामान

गुरुग्राम। रेलवे स्टेशन पर अब यात्रियों को ट्रेन से नीचे उतरकर खाने-पीने की चीजें नहीं लेनी पड़ेंगी। इसको लेकर अब रेलवे ने स्टेशन पर लगे वेंडरों को खड़ी ट्रेन में खाने-पीने की चीजें बेचने की अनुमति देने की योजना बनाई है। इसको लेकर रेलवे ने दिल्ली एनसीआर के स्टेशनों पर ट्रायल के तौर पर शुरू करने की योजना है। रेलवे की इस योजना से यात्रियों को ट्रेन में बैठे-बैठे ही खाने-पीने की चीजें मिल जाएंगी। इसके लिए वेंडरों को अलग से लाइसेंस लेने की जरुरत पड़ेगी। रेलवे की इस योजना से स्टेशन पर वेंडर लाइसेंस लेने वालों को काफी फायदा मिल सकता है। रेलवे स्टेशनों पर लगे वेंडरों को रेलवे की तरफ से सिर्फ एक जगह खड़े होकर सामान बेचने की अनुमति थी। अगर कोई वेंडर खड़ी ट्रेनों में सामान बेचता तो यह गैरकानूनी था और दोषी पाए जाने पर छह माह की सजा होती थी। रेल मंत्रालय द्वारा अब दिल्ली एनसीआर के स्टेशनों को अधिकार दे दिया है कि वे स्टॉल मालिकों को ट्रेन में सामान बेचने की अनुमति दे सकते हैं। इस फैसले से रेलवे एक्ट की धारा 144 की पकड़ ढीली होगी, लेकिन आय बढ़ेगी और अवैध वेंडरों पर शिकंजा कसेगा।

कमरे में बंधक बना युवती से छेड़छाड़

गुरुग्राम। शहर में एक युवती से उसके साथी युवकों ने नौकरी दिलाने के नाम पर एक कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ छेड़छाड़ व मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिसस ने मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मूलरूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली युवती ने बताया कि वह क्लब डांसर है। वह काफी समय से सहारा मॉल में स्थित क्लब में डांस करती है। इस दौरान उसकी दोस्ती अजय नाम के लड़के साथ हो गई। तीन माह पहले किसी कारणवस उसकी नौकरी चली गई थी। इस दौरान अजय ने उसे नौकरी दिलाने के नाम पर सेक्टर-46 में एक होटल के कमरे में बुलाया था। कमरे पर पहले से अजय का दोस्त पावन ने उसे नौकरी दिलाने की बात कही। इसके बाद उन्होंने उसे नशीला पदार्थ पीला दिया। जिसके बाद उन्होंने उसके साथ छेड़छाड़ की। इस बात का विरोध किया तो उन्होंने उसे कमरे में बंद कर उसके साथ मारपीट की। इसके बाद वह उनसे बचकर बाहर निकली तो उन्होंने फिर से उसे बंधक बना लिया। जब वह उस वैन में वापस होटल के कमरे में ले जाने लगे तो वहां मौके पर पुलिस आ गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

सोहना रोड से अवैध विज्ञापन हटाए

गुरुग्राम। नगर निगम के दायरे में अवैध रूप सैंकड़ों की संख्या में अवैध विज्ञापन लगे हुए हैं। इसको लेकर निगम की टीम ने बुधवार को अतिरिक्त निगमायुक्त अमरदीप सिंह के नेतृत्व में काफी जगहों से अवैध विज्ञापनों को वहां से हटा दिया है। निगम द्वारा इन अब ऐसे विज्ञापनों पर कार्रवाई की जा रही है जो निगम को हर माह लाखों रुपयों के राजस्व का नुकसान कर रहे थे। निगम की टीमों ने सोहना रोड़, सेक्टर-70 समेत काफी जगहों से जेसीबी की मदद से अवैध विज्ञापनों पर कार्रवाई की। नगर निगम के अतिरिक्त निगमायुक्त अमरदीप सिंह ने बताया कि शहर में अवैध विज्ञापन लगाने वाली एजेंसियां व कंपनियां निगम से बिना अनुमति के ही विज्ञापन प्रदर्शित कर रही थी। इसको लेकर कई शिकायतें उनके पास आ चुकी हैं। उन शिकायतों के आधार इन विज्ञापन लगाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि एक बार विज्ञापन फाड़ने के बाद अगर कोई अवैध विज्ञापन लगाता है तो उस पर जुर्माना लगाने के साथ-साथ पुलिस में मुकदमा भी दर्ज करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर में बड़े-बड़े ब्रांड की कंपनियां अवैध विज्ञापन लगाकर निगम के राजस्व को नुकसान कर रही थी। इन विज्ञापनों पर आज तक किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की।

एमसीडी की हरदयाल लाइब्रेरी की सेक्रेटरी पूनम पाराशर ने सभी नियमों के विरुद्ध पति को बनाया लाइब्रेरी का सदस्य, बेटे को दी लगभग 40 हजार की नौकरी

पिछले 18 महीनों से नहीं मिली लाइब्रेरी कर्मचारियों को तनख्वाह, फंड नहीं होने का कारण दे रही एमसीडी

प्रफुल्ल राय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी दिल्ली की हरदयाल लाइब्रेरी में बहुत बड़ा भ्रष्टाचार कर रही है। लाइब्रेरी की सेक्रेटरी पूनम पाराशर ने सभी नियमों के विरुद्ध पति को लाइब्रेरी का सदस्य बनाया और बेटे को लगभग 40 हजार की नौकरी दी। पूनम पाराशर भाजपा की पूर्व पार्षद हैं और पति अनिल झा किराड़ी के पूर्व विधायक हैं। जबकी दूसरी ओर लाइब्रेरी के कर्मचारियों को पिछले 18 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। एमसीडी यहां भी फंड नहीं होने का कारण दे रही है। इसके बावजूद पूनम पाराशर ने 10 नई भर्तियां कराईं और तीन महीने के भीतर ही उन्हें पक्का भी कर दिया। स्पष्ट है कि पूरे मामले में गड़बड़ी है। उन्होंने कहा कि कल एलजी को सबूतों के साथ पत्र सौंपकर पूरे मामले की जानकारी दूंगा। आम आदमी पार्टी ने एलजी से मामले की जांच के बाद सेक्रेटरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। और केंद्र सरकार से सभी कर्मचारियों की लंबित तनख्वाह तुरंत जारी करने की भी मांग की है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता, राजेंद्र नगर से विधायक एवं

एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्तवपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में हरदयाल नाम की एक बहुत ही नामी लाइब्रेरी है। भारतीय जनता पार्टी शासित एमसीडी ने वहां के कर्मचारियों को पिछले 18 महीनों से तनख्वाह नहीं दी है। यहां भी एमसीडी फंड नहीं होने की बात कह रही है। भाजपा के नेता कह रहे थे कि अब फंड की बिल्कुल किल्लत नहीं होगी क्योंकि सारा पैसा केंद्र सरकार से आएगा। यहां सबसे पहला प्रश्न यह उठता है कि केंद्र हरदयाल लाइब्रेरी के कर्मचारियों को तनख्वाह क्यों नहीं दे रही है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने हर बार यह बताया है कि निगम कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिलने का सबसे बड़ा कारण भाजपा का भ्रष्टाचार है। इस लाइब्रेरी को चलाने की जिम्मेदारी जिस कमेटी की होती है उसका चेयरमैन खुद एमसीडी का मेयर होता है और उसका सेक्रेटरी पार्षद होता है। चयनित सेक्रेटरी ही लाइब्रेरी की रोजमर्रा की चीजों का ध्यान रखता है। इस लाइब्रेरी की सेक्रेटरी भाजपा की पूर्व पार्षद पूनम पाराशर जी हैं। उनके पति अनिल झा किराड़ी से विधायक रह चुके हैं और वर्तमान में भाजपा में कई पदों पर हैं। दिलचस्पी की बात यह है कि पूनम पाराशर जी ने अपने पति को लाइब्रेरी के मैनेजमेंट कमेटी का आजीवन सदस्य बना दिया। यहां तक कि अपने बेटे को भी नौकरी पर रखा जिसको 38 हजार से अधिक सैलरी मिल रही है।

आईटीआई में रोजगार मेला 18 को लगेगा

गुरुग्राम। सेक्टर-14 स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में 18 जुलाई को रोजगार मेले का आयोजन होगा। मेले में जिले की छह प्रमुख कंपनियां भाग लेंगी। इस दौरान करीब 171 आईटीआई पास छात्रों का नौकरी के लिए चयन किया जाएगा। आईटीआई के प्राचार्य जयदीप सिंह कादियान ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के निदेशक द्वारा जारी निर्देशानुसार 18 जुलाई को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में सनबीम लाइटवेटिंग सॉल्यूशन, एसएमके उद्योग, कंसल इंडस्ट्रीज, नगर निगम गुरुग्राम, हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन सहित नगर पालिका हेलीमंडी विभिन्न ट्रेडों के के 171 छात्रों का चयन करेंगी।

पीएम को चिंता है अंतिम पायदान के व्यक्ति की : एस राहुल

विवेक राय

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री व सोशल मीडिया प्रभारी एस राहुल ने मोदी सरकार के द्वारा सभी वयस्कों को कोरोनारोधी बूस्टर टीका को मुफ्त लगाने की घोषणा का स्वागत किया है। इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया है।

एस राहुल ने कहा कि देश में 18 से अधिक आयु वर्ग के सभी लोगों को सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर कोरोना का बूस्टर डोज 15 जुलाई से मुफ्त लगाई जाएगी और इसके लिए 15 जुलाई से विशेष अभियान की शुरुआत भी हो रही है। नरेंद्र मोदी देश के प्रधान सेवक के रूप में 135 करोड़ देशवासियों के सपनों को पूरा करने में सतत निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कहा कि मोदी है तो मुमकिन है। जब पूरा विश्व कोरोना संकट में जूझ रहा था तो भारत को इस संकट से उबारने में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व का परिणाम रहा है। इतनी बड़ी आबादी को मुफ्त कोरोनरोधी टीका लगवाना और अब बूस्टर डोज मुफ्त देना उनके विशाल ह्रदय को दर्शाता है।

प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कहा कि मोदी सरकार ने विगत 8 सालों में सेवा, सुशाशन और गरीब कल्याण के कार्यों में लगी हुई है। अंतिम पायदान पर बैठे समाज के व्यक्ति की चिंता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वंय करते हैं। और उसी को केंद्र बिंदु मानकर सरकार की योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियावयन करवाते हैं । इसी का परिणाम है कि देश नई ऊंचाइयों को छूते हुए निरन्तर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है ।

सरकार की जनकल्याण योजनाओं का ही परिणाम है कि विभिन्न राज्यों में भारतीय जनता पार्टी अपना परचम लहराते जा रही है।

बिजली दर में बढ़ोत्तरी को लेकर सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों का केजरीवाल आवास पर विरोध-प्रदर्शन

नई दिल्ली। आज दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में दक्षिणी दिल्ली क्षेत्रवासियों ने दिल्ली में बिजली दरों में बढ़ोतरी को लेकर केजरीवाल आवास पर सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रोष प्रकट किया।

इस दौरान सांसद रमेश बिधूड़ी ने केजरीवाल की नीतियों के विषय में बताया कि दिल्ली में मुफ्त बिजली देने के नाम पर लोगों के साथ धोखा किया जा रहा है। केजरीवाल जी ने कहा था कि ये बिजली कंपनियां चोर हैं, शीला दीक्षित से मिली हुई हैं, मैं उन्हें जेल भेजूंगा। वहीं आज उन बिजली कंपनियों के संरक्षक बने हुए है तथा बिजली कंपनियों के साथ मिलकर दिल्ली की जनता को लूट रहे हैं। और कहा था हम नई कंपनियां लेकर आएंगे जिससे प्रतिस्पर्धा में उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिलेगी परंतु आज तक कोई नई कंपनी नहीं आई। दिल्ली को पावर सफिशिएंट मैन्युफैक्चरर स्टेट बनाएंगे। बताओ कहां नया पावर प्लांट लगाया है, लेकिन सच्चाई यह है 2015 के बाद से कई चार्जेस जैसे पेंशन चार्ज, इलेक्ट्रिसिटी चार्ज टैक्स, फिक्स चार्ज के नाम पर अरबों रुपए वसूले गए हैं।

बिधूड़ी ने आगे बताया कि 2015 से 2021 - आर.ए चार्ज- 9,195 करोड़, इलेक्ट्रिसिटी चार्ज-5,222 करोड़, एपीएसी चार्ज- 3,900 करोड़, फिक्स चार्ज- 16,233 करोड़ और सबसिड़ि -12,408 करोड़, जिन कंपनियों का विरोध करते थे अब उन्हीं कंपनियों से केवल 2021 तक 49,636 करोड रुपये वसूल लिए है। अब पावर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट के नाम पर कहने को तो 6: बिजली दामों पर बढ़ोतरी दिखाई गई परंतु बढ़ोतरी 12: कर दी गई। 6 प्रतिशत भी अनुचित है। आपने कहा था दिल्ली में शीला दीक्षित की मिलीभगत से 40: बिजली चोरी होती है।

यह चोरी रोक कर मैं ईमानदार हूँ, पढ़ा लिखा हूँ बार-बार यह कहता था, दिल्ली वालों को सस्ती बिजली दूंगा परंतु एक वर्ग बहुल्य विधान सभाओं ओखला, सीलमपुर, मटिया महल, बल्लीमारान, मुस्तफाबाद में 70.80: बिजली चोरी हो रही है आप क्यों नहीं रोक रहे हो ? उल्टा सत्ता का लाभ उठाकर कंपनियों द्वारा दबिस से चोरी रोकी जाती है तो उस वर्ग के लोगों को 70.85: अमाउंट को बीआरपीएल द्वारा ऑफर देकर लोक अदालत में छूट दिलवाई गई। 18 लाख का- 3 लाख में 85:ए 2.25 लाख का- 57 हजार में 80:, 13 लाख का- 5 लाख में 70:, 10 लाख का- 1.5 लाख में 85:, 10 लाख का- 2 लाख में 80:, केजरीवाल जी बताएं उनके अलावा दिल्ली भर में कहां चोरी करने वालों को 70.85: अमाउंट में छूट दिलवाई है। दिल्ली में दो प्रकार की सरकारें चल रही है। एक 80: आबादी को लूटने की दूसरी 20: आबादी को परितोष देने की। यह 100-200 यूनिट तो शीला सरकार भी मुफ्त बांटकर धोखा दे रही थी। आप और कांग्रेस एक ही प्रकार के भ्रष्टाचारी हो। आपने सिर्फ चतुराई बदली है तथा कांग्रेसी भ्रष्टाचार फार्मूले को अपनाया है। वही नई बोतल में पुरानी शराब डालने जैसा काम किया है।

उपराज्यपाल द्वारा दिल्ली के यातायात प्रबंधन की समीक्षा

इनफोर्समेंट और चालान के मामलों में कम से कम मैन्युअल हस्तक्षेप के निर्देश

आनंद राय

नई दिल्ली। उपराज्यपाल श्री वी.के. सक्सेना ने पुलिस आयुक्त और अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली में यातायात प्रबंधन की समीक्षा की। दिल्ली पुलिस द्वारा टैक्नालाजी और आटोमेशन की सहायता से यातायात को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री सक्सेना ने शहर में निर्बाध यातायात प्रवाह के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इनफोर्समेंट और चालान के मामलों में कम से कम मैन्युअल हस्तक्षेप हो। उन्होंने आगे कहा कि इस कदम से न केवल वाहन चालक परेशानियों से बचेंगे बल्कि इससे भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा, साथ ही यह उन जगहों पर जहां वाहनों को अचानक चेकिंग और चालान लिए रोका जाता है वहां लगने वाले जाम को कम करेगा।

अभियोजन के बजाय यातायात को नियमानुसार संचालित करने पर अधिक ध्यान देने के प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताते हुए उपराज्यपाल ने ट्रैफिक प्वाइंट्स पर कर्मियों की तैनाती के लिए ई-चिट्ठा पहल के अलावा यह निर्देश दिये कि उनकी तैनाती की सूचना पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाए ताकि यात्रियों और नागरिकों को यह भी पता चल सके कि किस दिन कौन-कौन से ट्रैफिक प्वांइट्स पर किन यातायात कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने यह सुझाव दिया कि तैनात किए गए यातायात कर्मियों की सूचना, नाम और सम्पर्क नम्बरों को सूचीबद्ध किया जाए, जैसा कि हाल ही में दिल्ली नगर निगम ने स्वच्छता कर्मचारियों की तैनाती के संबंध में किया था, और तैयार की गई सूची नागरिकों एवं वाहन चालकों की सुविधा के लिए दिल्ली पुलिस के यातायात पोर्टल पर जल्द से जल्द पोस्ट किया जाए। उपराज्यपाल ने इसी तर्ज पर बीट स्टाफ सूची को भी दिल्ली पुलिस के पोर्टल पर उपलब्ध कराने को कहा ताकि लोगों की पहुंच इन तक आसानी से हो सके।

उपराज्यपाल ने शहर के सभी ट्रैफिक सिग्नलों को टाइमर डिस्प्ले से लैस करने को कहा और निर्देश दिये कि गति सीमा आदि को दर्शाने वाली इलेक्ट्रानिक साइनेज की संख्या बढ़ाकर इन्हें पूरे शहर में लगाया जाए। श्री सक्सेना ने भारी मोटर वाहनों पर लेन अनुशासन को सख्ती से लागू करने पर भी जोर देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिती में यह बाएं लेन के अंतिम छोर में ही चलें। इस तरह की कवायद उन राजमार्गों पर अधिक प्रासंगिक और महत्वपूर्ण होगी जहां देर रात और सुबह के समय ट्रकों के संचालन की अनुमति दी जाती है। श्री सक्सेना ने पुलिस को बस स्टाप पर आटो और ई-रिक्शा द्वारा होने वाली भीड़भाड़ की समस्या का समाधान करने के लिए भी कहा।

गाजियाबाद में तेज रफ्तार कार सवार नाबालिग ने कांस्टेबल को मारी टक्कर, बोनट पर घसीट कर एक किमी तक घुमाया

गाजियाबाद। पुलिस ने एक साइकिल चालक और एक ट्रैफिक कांस्टेबल को कथित तौर पर टक्कर मारने के आरोप में एक कार चालक को गिरफ्तार किया है। यह घटना मंगलवार की है जब गाजियाबाद के सिहानी गेट इलाके में 17 वर्षीय युवक अपने दोस्तों के साथ कार चला रहा था। तेज रफ्तार में कार चला रहे एक नाबालिग ने साइकल सवार एक छात्र को टक्कर मार दी। इसके बाद वह भागने लगा। इस बीच चौराहे पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने जब कार सवार नाबालिग को रोकने की कोशिश की तो उसने कार रोकने की जगह पुलिसकर्मी को भी रौंदने की कोशिश की। इस टक्कर से पुलिसकर्मी उछलकर कार की बोनट पर आ गिरा। इसके बाद भी आरोपी नाबालिग कार रोकने की जगह भगाता रहा। वहीं इस दौरान पुलिसकर्मी बोनट पर लटक कर किसी तरह खुद को बचाता रहा। बाद में पुलिस की कई टीमों ने करीब किलोमीटर तक पीछा कर कार को घेर कर रोका। एक निजी स्कूल के 11वीं कक्षा के छात्र 17 वर्षीय को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी छात्र के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे बाल सुधार गृह भेज दिया है। दुबे ने कहा, घटना के समय कार में सवार अन्य दो लोगों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 269 (रैश ड्राइविंग), 353 , 307 (हत्या का प्रयास) और 427 (नुकसान पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पूरी दिल्ली में 30 जगह लगाए गए 'विस्फोटक', 12 को तलाश पाई पुलिस

नई दिल्ली। राजधानी में पुलिस विभागों की तैयारियों की जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पिछले एक महीने में हाई फुटफॉल (ज्यादा जोखिम) वाले स्थानों में 30 डमी इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाईं। इसमें से सार्वजनिक, निजी सुरक्षा गार्ड और स्थानीय पुलिस केवल 12 का ही पता लगा पाई। भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा द्वारा एक चेतावनी जारी करने के बाद डमी आईईडी प्लांट करने का फैसला लिया गया था।

आतंकी संगठन ने बीजेपी की निलंबित नेता नुपूर शर्मा के विवादित बयान को लेकर दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश और गुजरात में आत्मघाती बम विस्फोट करने की चेतावनी दी है। हाल ही में एक अपराध समीक्षा बैठक के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल) हरगोबिंदर सिंह धालीवाल ने पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना के सामने इस तरह के नकली घुसपैठ अभ्यास करने को लेकर प्रजेंटेशन दी थी।

जनता ने ढूंढी दो आईईडी

रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 15 डमी आईईडी का पहला बैच 12 जून को दिल्ली के जिलों में लगाया गया था, और उनमें से 10 का पता चला था। दक्षिणपूर्व और उत्तरी जिलों में 10 में से दो का पता जनता ने, तीन का दक्षिण, रोहिणी और बाहरी जिलों के मॉल के सुरक्षा गार्डों ने और पांच का उत्तर, पूर्वोत्तर, पूर्व, उत्तर-पश्चिम और बाहरी उत्तर जिलों की स्थानीय पुलिस ने लगाया था।

धालीवाल ने पुलिस प्रमुख को यह भी बताया कि 28 जून को फिर से सभी जिलों में 15 डमी आईईडी का एक और बैच लगाया गया था, लेकिन इस बार 13 का पता नहीं चल सका। जिन दो का पता चला था उन्हें उत्तरी सीमा में लगाया गया था।

एक अधिकारी ने कहा, स्पेशल सेल द्वारा खुले तौर पर आईईडी लगाए गए थे। एक फूलदान में, एक मॉल में कूड़ेदान के पास और एक पालिका बाजार के गेट के बाहर।

एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और मेट्रो पर चलेगा अभियान

प्रजेंटेशन के बाद अस्थाना ने धालीवाल को पुलिस की सतर्कता की जांच और सतर्कता सुनिश्चित करने के लिए आईजीआई हवाई अड्डे, रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर इसी तरह का अभियान चलाने के लिए कहा। शुरुआत में स्पेशल सेल ने महीने में दो बार इस तरह का अभियान चलाने का फैसला किया था, लेकिन अब वे इसे हर महीने एक बार आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

दिल्ली के चुनाव एटीवीसी सदस्यों का एमसीडी मुख्यालय पर धरना

नई दिल्ली। होकर ज्वाइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले आज 100 से अधिक अधिकारिक तौर पर चुने हुए टी वी सी के सदस्य सदस्यों ने दिल्ली नगर निगम मुख्यालय पर अपनी मांगों के साथ प्रदर्शन किया गौरतलब है कि 2018 में दिल्ली नगर निगम ने रेहड़ी पटरी वालों के बीच चुनाव का आयोजन किया था जिसमें पूरी दिल्ली से रेहड़ी पटरी वालों अधिकृत नेता चुनकर आए थे इन सभी को लेकर संबंधित सरकारी विभागों और गैर सरकारी संगठनों को मिलाकर टाउन वेंडिंग कमेटी का गठन किया गया था पथ विक्रेता आजीविका संरक्षण एवं नियमन कानून 2014 ने सभी शहरों में टाउन वेंडिंग कमेटी बनाने का प्रावधान किया है इस केंद्रीय कानून के अनुसार पथ विक्रेता के सभी मामलों की सुनवाई और निर्णय का अंतिम अधिकार टाउन वेंडिंग कमेटी को दिया गया है।

होकर ज्वाइंट एक्शन कमिटी के वरिष्ठ नेता अश्वनी बागड़ी जी ने बताया कि टाउन वेंडिंग कमेटी का पहला काम सभी स्ट्रीट वेंडर्स को सर्वे कराना था टी वीसी को बने हुए 4 साल हो गए लेकिन सर्वे का काम अभी भी पूरा नहीं हुआ है अब तक दिल्ली में मात्र 70000 के करीब स्ट्रीट वेंडर्स का सर्वे सरकार द्वारा किया गया है सर्वे में आधार कार्ड बैंक का अकाउंट चालान जैसे कागजात की अनिवार्यता की वजह से अधिकांश स्ट्रीट वेंडर्स का सर्वे नहीं किया जा रहा है।

होकर ज्वाइंट एक्शन कमेटी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री एच एस रावत ने बताया कि सर्वे करने के बाद एमसीडी द्वारा रेहड़ी पटरी वालों को विक्रय प्रमाण पत्र दिया गया है रेडी पटरी कानून 2014 के अनुसार जिसके पास विक्रय प्रमाण पत्र है वह रेहड़ी पटरी लगा सकता है गौरतलब है कि एमसीडी लगातार COV धारक रेहड़ी पटरी वालों का उजारकरण कर रही है जिससे पटरी वालों में व्यापक असंतोष है।

हां कर ज्वाइंट एक्शन कमेटी की राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी श्रीमती सुषमा ने बताया कि क्रोना काल में टी वीसी सदस्यों से सर्वे का काम करवाया गया इस दौरान हमारे एक टीवीसी मेंबर की कोरोना से मौत भी हुई जिसके परिवार को अभी तक सरकार से कोई मुआवजा नहीं दिया गया सर्वे की इस प्रक्रिया में सभी डीवीसी सदस्य अपनी आजीविका का काम छोड़कर अपने जान को जोखिम में डालकर अपने अपने जोन में रेहड़ी पटरी वालों के सर्वे कराने में लगे रहे रेडी पटरी वाले पहले से ही स्वरोजगार करते हैं और आर्थिक रुप से कमजोर हैं ऐसे में एमसीडी ने करो ना काल में सर्वे की प्रक्रिया में उनका पूरा इस्तेमाल किया और उन्हें क्रोना से बचाव के लिए सेफ्टी वियर तक उपलब्ध नहीं कराए गए corona से बचाव के लिए उन्होंने खुद के पैसे से भी जरूरी सुरक्षा उपाय किए अभी तक टी वीसी को किसी की भी तरह का कोई भत्ता नहीं दिया गया जबकि रेहड़ी पटरी कानून 2014 के अंतर्गत भत्ते का प्रावधान है।

कोर्ट जाते वक्त महिला अधिवक्ता से लूट

ट्रांस हिंडन। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-1 की रहने वाली महिला अधिवक्ता के साथ सीमा चौकी के पास दिलशाद गार्डन क्षेत्र में ई-रिक्शा में पहले से ही सवार अज्ञात बदमाशों ने नशीला पदार्थ सुंघाकर लूट की घटना को अंजाम दिया, जिसके बाद आरोपियों ने उसे दूसरे रिक्शे में बैठाकर घर छोड़ने के लिए चालक को बोलकर मौके से फरार हो गए। सुबह के वक्त शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-1 में रहने वाली महिला अधिवक्ता प्रज्ञा वर्मा ई-रिक्शा से तीस हजारी कोर्ट जा रही थी।

दिल्ली की जेलों में बंद केवल 603 कैदियों ने ली कोविड-19 रोधी टीके की तीसरी खुराक

नई दिल्ली। दिल्ली की जेलों में बंद 19 हजार से अधिक कैदियों में से लगभग 600 ने ही कोविड-19 रोधी टीके की तीसरी खुराक ली है।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने तीसरा टीका लगवाने वाले कैदियों की संख्या कम होने का कारण अनिच्छा और पात्र न होने को बताया। आंकड़ों में पता चला है कि तिहाड़, मंडोली और रोहिणी परिसरों में स्थित सभी 16 केंद्रीय कारागार में कुल 28,902 कैदियों को कोविड-19 रोधी टीके लगाए गए हैं। आंकड़ों में पता चला है कि 19,120 कैदियों ने कोविड-19 रोधी टीके की पहली 9,179 ने दूसरी खुराक जबकि केवल 603 ने ही ऐहतियाती खुराक ली।

कैदियों को कोविड-19 रोधी टीके की तीसरी खुराक देने के सत्र की शुरुआत एक फरवरी को हुई थी और एक जुलाई तक केवल 603 कैदियों ने ही खुराक ली। एक वरिष्ठ कारागृह अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 टीकों की ऐहतियाती खुराक लेने के पात्र कैदियों की सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है क्योंकि वे जमानत, पैरोल या सजा पूरी होने पर जेल आते जाते रहते हैं। जेल अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली की जेलों में आधिकारिक रूप से 10,026 कैदियों को रखा जा सकता है, लेकिन फिलहाल केंद्रीय जेलों में 19,504 कैदी हैं।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश में चल रहा है कनवर्जन का कुचक्र !

एक ओर एक समुदाय लवजेहाद की साजिश को अंजाम देकर हिन्दू लड़कियों का बलात धर्मांतरण कर रहा है तो दूसरी ओर ईसाई मिशनरी चुपचाप गोपनीय ढंग से दलित व गरीब लोगों को रोजगार व आर्थिक मदद का सब्जबाग दिखा कर कनवर्जन को अंजाम दे रहीं हैं। इस तरह प्रदेश के धर्म वर्ग संतुलन को बिगाड़ने की साजिश चल रही है। यह सब काम भूमिगत तरीके से अंजाम दिया जा रहा है जब लोग इस के शिकार बनकर अपनी पूजा पद्धति बदलने लगते हैं तो आसपास के लोगों को इस धर्म की लूट का पता चलता है।

हालही में मथुरा राय बरेली आज़मगढ़ फतेहपुर समेत एक दर्जन जिलों में धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित किए जाने की सूचनाएं मिली हैं। खुफ़िया एजेंसी इनकी पड़ताल कर रही है कि कहीं यह किसी बड़े षडयंत्र का तो हिस्सा तो नही है। ताजा घटनाक्रम के तहत रायबरेली के ब्लॉक क्षेत्र खैरहनी गांव में एक मकान में बंद कमरे में कराए जा रहे धर्म परिवर्तन की जानकारी ग्रामीणों को हुई। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी बजरंग दल को दे दी। सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने धर्म परिवर्तन कराने आए पांच लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार लखनऊ के रहने वाले तीन ईसाई समुदाय के युवक और युवतियों द्वारा गांव में एक मकान के अंदर बंद कमरे में कुछ लोगों का धर्म परिवर्तन करा रहे थे। ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई तो वह विरोध जताने लगे। धर्म परिवर्तन कराने आए युवक भी विरोध करने वाले लोगों को समझाने लगे। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और सूचना बजरंग दल के संयोजक रणवीर सिंह और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सुनील द्विवेदी, श्रीश चौधरी, नीरज चौरसिया को दे दी।

मौके पर पहुंचने पर देखा कि एक बंद कमरे में सैकड़ों लोगों को इकठ्ठा करके उन्हें धर्म परिवर्तन करने के लिए समझाया जा रहा है और परेशान व गरीब ग्रामीणों को गरीबी व परेशानी बीमारी से निजात दिलाने के नाम पर धर्म परिवर्तन कर अपराध कराया जा रहा है। वहीं धर्म परिवर्तन कराने आए युवक और युवतियां और मकान मालिक द्वारा धार्मिक प्रतिमाओं पर अभद्र टिप्पणी भी कर रहे थे। गांव में कराए जा रहे धर्म परिवर्तन की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बंद कमरे में धर्म परिवर्तन कराने आए विक्रम कश्यप, गजराज कश्यप और नेहा कश्यप निवासी 279/ 8 पानदरीबा चारबाग लखनऊ, व मकान मालिक लवकुश जायसवाल व दुर्गेश पुत्र रजलाल निवासी खैरहनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए युवकों के पास से पुलिस टीम ने चार बाइबल अन्य ईसाई समुदाय की पुस्तकें, रजिस्टर व अन्य साजो-सामान भी बरामद किए है। इंस्पेक्टर जगदीश यादवकेअनुसारकि बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद की ओर से उन्हें लिखित तहरीर मिली है। उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर पांच लोगों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए अभियुक्तों से पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। हाल ही मेंउत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में धर्मांतरण के नाम पर तेजी से हिंदुओं को ईसाई धर्म में परिवर्तन कराने के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं. जिले में लगातार लालच देकर धर्मांतरण कराये जाने का खेल चल रहा है. पुलिस और हिंदू संगठन दोनों मिलकर इसे रोकने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हमेशा विफल ही रहते हैं क्योंकि जनपद में ऐसी घटनाएं आम हो चुकी हैं. ताजा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के हरबंशपुर स्थित शाही पुल के समीप मड़या जयरामपुर मोहल्ले का है. यहां पर एक बंद कमरे में 100 से अधिक हिंदुओं को भूत प्रेत और गरीबी से मुक्ति दिलाने के लिए धर्म परिवर्तन कराने का खेल चल रहाथा। मकान के अंदर धर्मांतरण कराये जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है. विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने धर्मांतरण की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

बुनियादी सुविधाओं से जूझते सरकारी स्कूल

(निजी स्कूलों का बढ़ता कारोबार और बंद होते सरकारी स्कूल देश में एक समान शिक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है, उदाहरण के लिए हरियाणा जैसे विकसित राज्य की सरकार अभी सरकारी स्कूली शिक्षा को खत्म करने की चिराग योजना लाई है. अगर आप सरकारी स्कूलों में बच्चे पढ़ाएंगे तो 500 ? आपको भरने हैं, प्राइवेट में पढ़ाएंगे तो 1100 ? सरकार आपके बच्चे की फीस के भरेगी. ये किसे प्रमोट किया जा रहा है ? सरकारी स्कूली शिक्षा को या प्राइवेट को ?)

सत्यवान 'सौरभ'

पिछले तीन दशकों में, भारत ने हर गांव में एक स्कूल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। किसी भी समुदाय में चलो, चाहे वह कितना भी दूरस्थ क्यों न हो, और यह संभव है कि आप एक सरकारी स्कूल देखेंगे। करीब 11 लाख प्राथमिक विद्यालयों के साथ, हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी सरकारी स्कूल प्रणाली है। लिंग, जाति या धर्म के बावजूद, स्कूल नामांकन सार्वभौमिक के करीब है। हमारे जैसे विशाल देश में और इसके जटिल भौगोलिक क्षेत्रों के साथ, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

अक्सर, शिक्षक और छात्र स्कूल आते हैं, और शिक्षा के लिए एक वास्तविक प्रयास होता है। स्कूलों में आमतौर पर पर्याप्त कक्षाएं, पीने योग्य पानी, लड़कों और लड़कियों के लिए शौचालय होते हैं - हालाँकि अपर्याप्त रखरखाव बजट को देखते हुए रखरखाव एक चुनौती है। मानव संसाधन विकास (एचआरडी) पर संसदीय स्थायी समिति ने हाल ही में राज्यसभा को स्कूली शिक्षा के लिए अनुदान की की मांग पर अपनी रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में, समिति ने भारत में सरकारी स्कूलों की स्थिति पर विभिन्न टिप्पणियां की हैं। सरकारी स्कूलों की स्थिति क्या है ? आइये जानते है.

देश के लगभग आधे सरकारी स्कूलों में बिजली या खेल के मैदान नहीं हैं। उनमें से अधिकांश के पास क्लास रूम, ब्लैक बोर्ड, पेयजल, शौचालय और स्वच्छता सुविधाओं जैसी उचित बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। स्कूल का माहौल इतना घुटन भरा है कि छात्रों को कक्षाओं में जाने से मना किया जाता है, यही वजह है कि ड्रॉपआउट दर भी अधिक है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किए गए प्रस्तावों से बजटीय आवंटन में कटौती देखी गई। सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों को मजबूत करने के लिए कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों के निर्माण में धीमी प्रगति हो रही है।

भारत महत्वपूर्ण शिक्षक रिक्तियों के परिदृश्य से भी निपट रहा है, जो कुछ राज्यों में लगभग 60-70 प्रतिशत है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का व्यावसायिक विकास बहुत कमजोर क्षेत्र है। लगभग आधे नियमित शिक्षक रिक्तियां अतिथि या तदर्थ शिक्षकों द्वारा भरी जाती हैं। लगभग 95त्न शिक्षक शिक्षा निजी हाथों में है और उनमें से अधिकांश घटिया है। इन विद्यालयों में शिक्षकों की अनुपस्थिति काफी अधिक है। भले ही उन्हें निजी स्कूलों के शिक्षकों की तुलना में बहुत अधिक वेतन दिया जाता है, लेकिन वे सरकार को धोखा देते हैं और शिक्षक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहते हैं। और दुख की बात है कि इसे रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

बमुश्किल 15त्न स्कूलों को आरटीई का अनुपालन करने वाला कहा जा सकता है। आरटीआई की धारा 29 बताती है कि हर बच्चे को किस तरह की शिक्षा का अधिकार है। कोई भी सरकारी स्कूल नहीं है जो इसका अनुपालन कर रहा है, जिसमें कुलीन स्कूल भी शामिल हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी, %प्रबंधित% होने के कारण, स्कूलों की कार्य स्थितियों के बारे में झूठी रिपोर्ट दर्ज करते हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप और संरक्षण भ्रष्ट और अक्षम को ढाल देता है। लोगों को लगता है कि सरकारी स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, या स्कूल नियमित रूप से काम नहीं कर रहे हैं। वे एक ब्रांडेड निजी स्कूल की धारणाओं में बह जाते हैं, भले ही उसके पास अच्छे शिक्षक न हों। साथ ही, निजी स्कूल खुद को अंग्रेजी माध्यम के रूप में ब्रांड करते हैं और यह बच्चों की शिक्षा के लिए सबसे जरूरी है।

निजी स्कूलों का बढ़ता कारोबार और बंद होते सरकारी स्कूल देश में एक समान शिक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है, उदाहरण के लिए हरियाणा जैसे विकसित राज्य में देश की दो बड़ी राजनीतिक पार्टियां भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पिछले 20 सालों में लगभग सामान रूप से सरकारें बना चुकी हैं, लेकिन राज्य के सरकारी स्कूल आज भी बुनियादी सुविधाओं से कोसो दूर हैं। यहाँ की सरकार अभी सरकारी स्कूली शिक्षा को खत्म करने की चिराग योजना लाई है. अगर आप सरकारी स्कूलों में बच्चे पढ़ाएंगे तो 500 ? आपको भरने हैं, प्राइवेट में पढ़ाएंगे तो 1100 ? सरकार आपके बच्चे की फीस के भरेगी.

ये किसे प्रमोट किया जा रहा है ? सरकारी स्कूली शिक्षा को या प्राइवेट को ? इसका सीधा-सा मतलब सरकार मानती है कि वे अच्छी शिक्षा नहीं दे पा रहे और प्राइवेट वाले उनसे बेहतर हैं ? लेकिन चुनाव के समय अच्छी शिक्षा के लिए जनता से वादे तो किये जाते हैं लेकिन राज्य के विद्यालयों की स्थिति के आंकड़े दिखाते हैं कि सरकारी स्कूलों पर कुछ ख़ास ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते विद्यार्थिओं का नामांकन कम हो रहा है, और अंत में कम नामांकन के चलते स्कूल बंद कर दिया जाता है।

प्रथम की रिपोर्ट के अनुसार, माता-पिता लड़कों की शिक्षा के लिए निजी स्कूलों को पसंद करते हैं जबकि लड़कियों को प्राथमिक रूप से बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने के लिए सरकारी स्कूलों में भेजा जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब अपने बच्चों के लिए स्कूलों के चयन की बात आती है तो माता-पिता एक अद्वितीय पूर्वाग्रह प्रदर्शित करते हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि लड़कों के लिए स्कूल का चयन करते समय माता-पिता एक निजी स्कूल को चुनने की अधिक संभावना रखते हैं, जबकि सरकारी स्कूल लड़कियों की शिक्षा के मामले में माता-पिता की प्राथमिक पसंद होते हैं।

सीखने का संकट इस तथ्य से स्पष्ट है कि ग्रामीण भारत में ग्रेड 5 के लगभग आधे बच्चे दो अंकों की साधारण घटाव की समस्या को हल नहीं कर सकते हैं, जबकि पब्लिक स्कूलों में कक्षा 8 के 67 प्रतिशत बच्चे गणित में आधारित आकलन योग्यता में 50 प्रतिशत से कम स्कोर करते हैं। बहुत लंबे समय से, देश में शिक्षा के दो प्रकार के मॉडल रहे हैं-एक वर्ग के लिए और दूसरा आम जनता के लिए। दिल्ली में आप सरकार ने इस अंतर को पाटने की कोशिश की।

इसका दृष्टिकोण इस विश्वास से उपजा है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक आवश्यकता है, विलासिता नहीं। इसलिए, इसने एक मॉडल बनाया जिसमें अनिवार्य रूप से पांच प्रमुख घटक हैं और यह राज्य के बजट के लगभग 25त्न द्वारा समर्थित है। मॉडल के मुख्य घटक है; स्कूल के बुनियादी ढांचे का परिवर्तन, शिक्षकों और प्राचार्यों का प्रशिक्षण, स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) का पुनर्गठन करके समुदाय के साथ जुड़ना, शिक्षण अधिगम में पाठ्यचर्या सुधार, निजी स्कूलों में फीस वृद्धि नहीं।

सरकारी स्कूलों में नामांकन का बढ़ता स्तर केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकारों के लिए छात्रों के प्रतिधारण को सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान करता है। स्कूलों को उन बच्चों की पहचान करनी चाहिए जो पिछड़ रहे हैं और उनके पढ़ने, लिखने, अंकगणित और समझने के कौशल को अपनी गति से मजबूत करने के लिए बुनियादी संशोधन और ब्रिज कार्यक्रम चलाएं। निपुण भारत पहल इस दिशा में एक आश्वस्त करने वाला कदम है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यान देने के साथ, स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार समय की आवश्यकता है। भारत में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। इन स्कूलों में निर्धारित छात्र-शिक्षक अनुपात को बनाए रखने के लिए इस अंतर को भरने की जरूरत है। छात्रों के एक बड़े वर्ग को शिक्षा तक पहुंच प्रदान करने के लिए स्कूलों, शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग से अकादमिक समय सारिणी का लचीला पुनर्निर्धारण और विकल्प तलाशना। कम सुविधा वाले छात्रों को प्राथमिकता देना जिनकी ई-लर्निंग तक पहुंच नहीं है।

सरकारी स्कूलों में बदलाव शिक्षा प्रदान करने में राज्य की भूमिका के बारे में लोगों की अपेक्षाओं का स्पष्ट संकेत देता है। भारत में राज्य द्वारा संचालित स्कूली शिक्षा प्रणालियों के साथ-साथ विशेषकर माता-पिता और बच्चों की धारणाओं को सुधारने के लिए राज्य और केंद्र स्तर पर शिक्षा के प्रभारी सभी सरकारों की ओर से अधिक प्रयास की आवश्यकता है।

कंकरीट के शहर में खोया ठहाकों का एक जंगल

पुखराज प्राज
छत्तीसगढ़

पारिवारिक संरचना से लेकर सामाजिक परिवेश तक मानवीय व्यवहार कौशल में प्रत्यास्थता का बोध होने लगा है। जो जटिल है और अपरिभाषित भी है। जैसे नगरीकरण पर चोट करती एक पंक्ति कहती है कि, अब तो सिर्फ इस शहर में मकान बसते है। और कंकरीटों में क्या इन्सानियत ढूढ़ रहा है। जिन्दा भी है की नहीं क्या पता, शहर में बस परेशान बसते हैं। जिन्दगी की आपाधापी और पूंजीवाद के बिखेरे सुख भोगने के पीछे भागते इंसान की हालत उस श्वान से कम नहीं जो हड्डी की लालच में चमार के सायकल में लटकते जानवरों के अस्थि-पंजर के पीछे दौड़ता है। मिलने के लिए तो सिर्फ डाट और डंडा ही है। लेकिन क्या पता कुछ टूट कर गिर जाये। इसी मरीचिका के फिराक में दौड़ता इंसान अपनी इंसानियत से हाथ धोकर गिरगिट के खोल ओढ़ने लगा है।

व्यवहार शैली जहाँ पहले अपनत्व प्रधान थी। वर्तमान में प्रोफेशनल हो गई है। जैसे आवश्यकता अनुसार गिरगिट के रंग बदलते हैं। ठीक वैसे ही हवा के रूख बदलते देखते हैं, तो लोगों में रंग बदलने की परम्परा का निर्वाह करना तो जैसे निर्बंध कार्य हो। स्वाभाविक है की व्यवहार प्रत्यास्थता के पीछे भी कुछ वजह हों। जैसे पूंजी, ऐश्वर्य और अपने स्तर में परिवर्तन को सर्वश्रेष्ठ और सर्वोच्च मानना होता है। पहले जहाँ लोगों में आपसी अपनत्व और सामाजिक बंधुता प्रमुख था। लेकिन आधुनिकता के इस पावन बेला में समाज के प्राणियों का अपग्रेडेड वर्जन इतना भारी है की बतायें क्या ? अभी की वर्तमान जनरेशन, अनुभव से ज्यादा तो उदाहरणों को प्रासंगिक मानने लगी है। जो प्रदर्शन और दूसरे लोगों को ईर्ष्यालु प्रवृत्ति से जलाने की रहगुज़र पर निकल पड़े हैं।

नगरीकरण के गोद में पूंजीवाद का लालन-पालन हुआ। जो लोगों में बौधिक की अपेक्षा भौतिक सुख के लिए प्रेरित करने पर आमादा है। इसके लिए चाहे मनुष्य छली, जालसाज़ी, भ्रष्ट और अमानवीयता की ओर जाना क्यों पड़े कोई गुरेज़ नहीं है की प्रकृति के साधक बन बैठा है। शहर की हवा में जहाँ एक ओर प्रदुषण तो दूसरी ओर मानवता में संबंधों में आवश्यकता की प्रधानता, और व्यावहारिकता का गौण होना भी सामाजिक पारिस्थितिकी के लिए हानिकारक प्रदुषित वातावरण के समान है। कठोर और काम चलाऊ प्रकृति के संबंधों के चलते जीवनकाल में मनुष्य नाम,मित्र और स्नेह के बजाय आपसी वैमनस्य बनाए फिरता है। जो उसके भावी कल के समय में केवल शुन्यता के काल कोठरी में भूलने वालें यादों की तरह रखकर भूला दिये जायेंगे।

हास-परिहास तो छोड़िये जनाब, नगरीकरण के इस कठोर दलदल में कंकरीट के सड़कें, मकान और ईमारतें तो काबिज हो गए हैं। लेकिन इन्सानियत का बसाहट अभी कोसो दूर है। निर्जल सीमेंट के मरूथल में लोग रहते तो है। लेकिन सिर्फ अपनी जिंदगी के सुगमता और जीवन में भौतिकता के लोभी बनकर, अपनों से पराये होने लगे हैं। यहाँ पड़ोसी को इस बात की चिंता नहीं की मेरा पड़ोस कैसा है ? क्या उनके घर में खैरियत है की नहीं ? अपितु वह चिंता इस बात से है की उसके घर का उपस्कर मेरे घर से ज्यादा अच्छा, ऊँचा और महंगा तो नहीं है। लोगों में एक दूसरे को दिखाने के लिए हास्य विनोद की बातें तो जैसे बचकानी हरकतों से कम नहीं लगते हैं। बहरहाल, नगरीकरण के अप्रकृति सौंदर्य के दर्शन में आप सभी का स्वागत है क्योंकि नगरों की ओर तो हर परेशान व्यक्ति अपनी हल खोजने की तलाश में माइग्रेट हो जाता है। इसके पश्चात नगर का होकर, मानवता को ठूंठ बनाने में देर नहीं करता है।

शिंजो आबे की मृत्यु संपूर्ण विश्व के लिए क्षति

अवधेश कुमार

जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या से विश्व स्तब्ध है। भारतीय समय के अनुसार सुबह 8 बजे के आसपास जब वह नारा शहर में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे तभी हमलावर ने नजदीक आकर पीछे से गोली मार दी। नारा पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और प्रसिद्ध ओसाका शहर से सड़क मार्ग से 1 घंटे की दूरी पर स्थित है। हमलावर ने 2 गोलियां मारी थी। इसमें एक गोली पीछे से सीने तक आ गई और उसी समय लग गया था कि उनका बचना मुश्किल है। बताने की आवश्यकता नहीं कि जापान जैसे विकसित देश में चिकित्सा की प्रणाली उन्नत है और पूरी कोशिश उनको बचाने की की गई। हालांकि जापान में कोई यह कल्पना नहीं कर सकता कि ऐसी घटना भी हो सकती है। जो दृश्य हमने देखा और जितनी खबरें हैं उनके अनुसार एक छोटी सी जगह पर सड़क पर लगे रैलिंगों के बीच में रविवार को होने वाले उच्च सदन के चुनाव के लिए भाषण दे रहे थे और करीब एक सौ लोग उनके आसपास धा। उनकी सुरक्षा में केवल चार सुरक्षा गार्ड थे। जाहिर है, सुरक्षा गार्ड भी निश्चिंत रहे होंगे क्योंकि इस तरह की घटना जापान में जो मौत हुई ही नहीं तो ज्यादा सतर्क और चौकन्ना होने की आवश्यकता है कोई महसूस भी नहीं करता। हमलावर ने इसी का लाभ उठाया और जापान के इस समय के सर्वाधिक लोकप्रिय तथा पूरे इतिहास के सफलतम प्रधानमंत्रियों में से एक को मौत की नींद सुला दिया।

जापान के वर्तमान प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने इसे बर्बर बताते हुए कहा है कि सहन नहीं किया जाएगा। दुनिया में जिन नेताओं के जीवन पर गंभीर खतरे की आशंका थी उनमें शिंजो आबे शामिल नहीं थे। गोली मारने वाला 41 साल का यामागामी तेत्सुया पूर्व नौसैनिक है। वह मैरिटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स का सदस्य था। हमलावर के हाथ का बंदूक कैमरे की तरह लग रहा था क्योंकि उसने उस काले कपड़े में लपेट रखा था। इस कारण लोगों ने उसे पत्रकार समझा और उसने नृशंसता कर दी।

जापान में हथियार खरीदने या रखने के इतने कड़े नियम हैं कि सामान्य आदमी उसे नहीं ले सकता। हमलावर ने घर में बनाए हुए हथियार का उपयोग किया। साफ है कि उसने काफी पहले से इसकी तैयारी की होगी। कहा जाता है कि वह उनकी सुरक्षा संबंधी नीतियों के विरुद्ध था। लेकिन कोई नीतियों से इतना विरोधी हो जाए और गोली मार दे यह सामान्यत: गले के नीचे नहीं उतरता। लेकिन अभी तक की सूचना इतनी है तो तत्काल यही मानकर चलना होगा।

वास्तव में शिंजो आबे की मृत्यु केवल जापान ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए क्षति है और भारत के लिए तो यह बहुत बड़ी क्षति है। भारत ने शिंजो आबे के निधन पर एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया। अपना सबसे बड़ा नागरिक सम्मान पद्म विभूषण प्रदान कर भारत ने शिंजो आबे के दोनों देशों के द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय रिश्तो में योगदान को स्वीकार किया था। शिंजो आबे ने अगर जापान में सबसे लंबे समय यानी 9 साल तक प्रधानमंत्री पर रहने का रिकॉर्ड बनाया तो साफ सै कि वे कोई सामान्य व्यक्ति नहीं थे। 67 साल के शिंजो आबे ने अपनी पार्टी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को विखंडन से उबारते हुए जापान की सबसे शक्तिशाली और प्रमुख पार्टी के रूप में परिणित किया। 1993 में पहली बार सांसद बनने से लेकर वे लगातार राजनीति में सक्रिय रहे। 2006 में 52 साल की उम्र में वह देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने लेकिन उनका कार्यकाल लंबा नहीं रहा और 2007 में इस्तीफा देना पड़ा। 2012 में पार्टी का अध्यक्ष चुने जाने के बाद वे उसी वर्ष दोबारा प्रधानमंत्री बने और फिर लगातार बने रहे। अपने पेट की बीमारी, जिसे उन्होंने अल्सरेटिव कोलाइटिस बताया था, के कारण पद से इस्तीफा दिया। उस समय उन्होंने लिखा कि इस बीमारी के कारण उनके लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कठिन हो गया है।

इंटरनेट और सोशल मीडिया का जमाना

इंटरनेट और सोशल मीडिया ने दुनिया में दूरगामी बदलाव लाए हैं। इसके प्रयोग से जहां व्यापार और व्यापार करने के तौर-तरीकों में बड़े बदलाव हुए हैं, वहीं विचारों की अभिव्यक्ति में भी आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र के कई विशेषज्ञों के अनुसार, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने विचारों की अभिव्यक्ति के क्षेत्र में लोकतंत्र लाया है जिसके कारण प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता मिली है। विचारों की अभिव्यक्ति के क्षेत्र में कुछ अन्य विशेषज्ञों के अनुसारलोकतंत्र नहीं, अराजकता बढ़ी है। भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लाखों यूजर्स हैं। व्हाट्सएप सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है और लगभग 54 करोड़ भारतीय इसका इस्तेमाल करते हैं। लगभग 500 मिलियन लोग Instagram का उपयोग करते हैं और 490 मिलियन लोग Facebook का उपयोग करते हैं। इसी तरह, लगभग 320 मिलियन लोग फेसबुक मैसेंजर का व्यापक रूप से उपयोग करते हैं। लगभग 60 करोड़ लोग इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के यूजर्स रोजाना दो घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया और इंटरनेट पर बिताते हैंमें जिंदा हूँ जहां इंटरनेट और सोशल मीडिया के माध्यम से ज्ञान और सूचना के स्रोत बढ़े हैं, वहीं नफरत फैलाने और असहिष्णुता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों का उपयोग किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी फेक न्यूज देखने को मिल रही है। विभिन्न धर्मों के चरमपंथी धार्मिक कटुता को बढ़ावा देने वाली खबरें फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। इस तरह की हरकतों से हिंसा भी होती है। जानकार और व्यावहारिक जानकारी आमतौर पर भावनात्मक सामग्री के तहत दबा दी जाती है। हाल ही में नूपुर शर्मा औरमोहम्मद जुबैर से जुड़े मामलों में, सोशल मीडिया की सेना लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाती रही है। हालांकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने नफरत भरी खबरों और टिप्पणियों को ब्लॉक करने के लिए कई तरह के सॉफ्टवेयर विकसित किए हैं और प्लेटफॉर्म से कई पोस्ट हटा दिए गए हैं, भाषा की दुनिया इतनी विशाल है कि सभी नफरत भरे भाषणों का पता लगाना संभव नहीं है।

कौशलता विकास संकट मोचक बौद्धिक अस्त्र

कौशलता विकास परिवर्तन के वाहक युवाओं की समृद्धि के विकास का मूल मंत्र हैं

कौशलता विकास, सामाजिक आर्थिक सुधारों, बढ़ती असमानता, बेरोजगारी जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा - एड किशन भावनानी

गोंदिया - सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है। बस!! जरूरत है उसे पहचान कर निखारने की! जिसके बलपर सफलताओं की हदें पार की जा सकती है! खास करके हर मानव में अपने अपने स्तरपर अलग-अलग कौशलता समाई हुई है, बस इसे पहचान कर उसका विकास करना है जिसे हम कौशलता विकास दिवस के नाम से मनातें हैं। इसे 2014 से संयुक्त राष्ट्र ने 15 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसे प्रथम बार 15 जुलाई 2015 को मनाया गया था और हर साल नई थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2022 की थीम भविष्य के लिए युवा कौशल को बदलना रखा गया है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से कौशलता विकास पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम विश्व युवा कौशल दिवस 2022 की करें तो, विश्व युवा कौशल दिवस 2022 कोविड-19 महामारी से सामाजिक-आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस प्रयासों के बीच हुआ है जो जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, निरंतर गरीबी, बढ़ती असमानता, तेजी से तकनीकी परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और अन्य जैसी चुनौतियों से जुड़े हुए हैं। युवा महिलाओं और लड़कियों, विकलांग युवाओं, गरीब परिवारों के युवाओं, ग्रामीण समुदायों, स्वदेशी लोगों और अल्पसंख्यक समूहों के साथ-साथ हिंसक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता के परिणाम भुगतने वाले लोगों को कई कारकों के संयोजन के कारण बाहर रखा जाता है,इसके अलावा संकट ने काम की दुनिया में पहले से ही कई बदलावों को तेज कर दिया है, जो उन कौशल और दक्षताओं के बारे में अनिश्चितता की परतें जोड़ते हैं जो महामारी पर काबू पाने के बाद मांग में होंगे। संयुक्त राष्ट्र और इसकी एजेंसियां, जैसे कि यूनेस्को यूएनईवीओसी, काम की दुनिया में पहुंच बाधाओं को कम करके इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्राप्त कौशल को मान्यता प्राप्त और प्रमाणित किया जाता है, और बाहर के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। स्कूली युवा और जो रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (एनईईटी) में नहीं हैं। 2030 एजेंडा के लिए कार्रवाई के इस दशक के दौरान, सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार उत्पन्न करने के लिए वैश्विक प्रक्रियाओं में युवाओं की पूर्ण भागीदारी महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम कौशलता विकास में भारत की करें तो यह हमारे माननीय पीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। भारत ने इसके लिए एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है जो उचित प्रशिक्षण प्रदान करने, अच्छे काम रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशलता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है और अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर कौशलता विकास के महत्व पर जन जागरण करता है।

साथियों बात अगर हम युवा कौशलता के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों की करें तो, युवाओं की स्किल डेवलपमेंट के लिए उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (आईटीआई)= वर्ष 1950 में परिकल्पित, का उद्देश्य भारत में मौजूदा दीर्घकालिक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और आधुनिकीकरण करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना (पीएमकेवीवाई)=2015 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य भारत के युवाओं को मुफ्त स्किल्स प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना 3.0= यह भारत के युवाओं को 300 से अधिक स्किल्स पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर रोजगार योग्य स्किल्स के साथ सशक्त बनाने के लिए 2021 की शुरुआत की गई है। राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना= इसके साथ पंजीकृत नौकरी चाहने वालों के लिए अपनी राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के माध्यम से मुफ्त ऑनलाइन कैरियर स्किल्स प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 2015 में शुरू की गई ।कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केंद्रों का प्रत्यायन (स्मार्ट)= यह एकल खिड़की आईटी अनुप्रयोग प्रदान करता है जो स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) की मान्यता, ग्रेडिंग, संबद्धता और निरंतर निगरानी पर केंद्रित है। आजीविका के लिए स्किल्स अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता (संकल्प)= इसका ध्यानअभिसरण और समन्वय के माध्यम से जिला-स्तरीय स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र पर है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे विश्व बैंक के साथ सहयोग किया गया है। औद्योगिक मूल्य वृद्धि के लिए स्किल्स सुदृढ़ीकरण= स्ट्राइव योजना आईटीआई और शिक्षुता के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले स्किल्स प्रशिक्षण की प्रासंगिकता और दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से विश्व बैंक की सहायता प्राप्त भारत सरकार की परियोजना है। पीएम युवा योजना (युवा उद्यमिता विकास अभियान)= वर्ष 2016 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता विकास के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है; समर्थन और उद्यमिता समर्थन नेटवर्क तक आसान पहुंच और समावेशी विकास के लिए सामाजिक उद्यमों को बढ़ावा देना। यंग, अपकमिंग एंड वर्सेटाइल ऑथर्स योजना, युवा लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक मेंटरशिप प्रोग्राम है। कौशलाचार्य पुरस्कार= स्किल्स प्रशिक्षकों द्वारा किए गए योगदान को पहचानने और अधिक प्रशिक्षकों को स्किल्स भारत मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए शुरू किया गया। शिक्षुता और स्किल्स में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजना= यह योजना राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना के माध्यम से अप्रैल 2019 में बाहर निकलने वाले सामान्य स्नातकों को उद्योग शिक्षुता अवसर प्रदान करने के लिए है।

कितना सच

कितना सच ये कि,
ये जो मैं हूँ, मेरा वजूद वो है ?,
या है भी के नहीं
जो दिखता है आईने में हू ब हू मेरे जैसा,
छाया है मेरी या आईने के अंदर मैं हूँ ?
ये दुनियां जो दिखती है इन नजरों से,
वो है यहाँ ?,
या प्रतिछाया है बस मेरे मन की क्यों कैद है ये दुनिया,
चारदीवारी जब दिखती नहीं
जो दिखती है ये नजरें, क्यों अक्सर ये सच नहीं यहाँ
क्यों झूठलाती है ये नजरें, जो वाकई सच है यहाँ
एहसास क्यों नहीं सच का इस दुनियां को, क्यों भ्रमित है सब यहाँ
सिर यहाँ क्यों झुके हुए है, जब बोझ नहीं है सिर पर
एहसास जिनसे छल रहे है खुद को,
वो झूठ है इस दुनियाँ का
एहसास जिनका ये सच मानते है,
उनमे सच्चाई कितनी है ?
रिश्तों की कमी नहीं यहाँ, पर उनमे गहराई कितनी है ?
कितनी सच है ये दुनियां और कितनी नहीं,
मैं अभी हूँ भी यहाँ, के कभी था भी या नहीं

शार्ट न्यूज

आजम खां को राहतः सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश के अनुपालन पर सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के विधायक आजम खान की जमानत से जुड़ी शर्त पर रोक के अपने आदेश के अनुपालन पर उत्तर प्रदेश सरकार से गुरुवार को जवाब मांगा। मामला आजम खान की जमानत से जुड़ी इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शर्त पर उच्चतम न्यायालय की रोक से जुड़ा है। खान ने आरोप लगाया है कि स्थगन आदेश के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार ने जौहर विश्वविद्यालय परिसर से कांटेदार तार की बाड़ नहीं हटाई। इससे उसके संचालन में परेशानियां आ रही हैं। खान ने अपनी याचिका में दावा किया था कि उक्त शर्त उनके जौहर विश्वविद्यालय के एक हिस्से को ढहाने से संबंधित है, जिसे कथित तौर पर शत्रु संपत्ति पर कब्जा करके बनाया गया था। जमानत संबंधी शर्त में जौहर विश्वविद्यालय परिसर से सटी भूमि को कुर्क करने के आदेश दिए गए थे। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की एक पीठ ने कहा कि राज्य सरकार 19 जुलाई तक मामले में अपना जवाब दाखिल करे। इसके बाद पीठ ने याचिका को 22 जुलाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने कहा कि यह शीर्ष अदालत द्वारा 27 मई को पारित एक तरफा आदेश था और उस समय पहले से ही कांटेदार तार की एक बाड़ लगाई गई थी।

तकनीकी आधार पर बरी सम्मानजनक दोषमुक्ति नहीं, सुरक्षा बल भर्ती में फ्रॉड पर नियुक्ति नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि अभियोजन के संदेह से परे गंभीर आरोप सिद्ध न कर पाने से तकनीकी आधार पर बरी होने को सम्मानजनक निर्दोष साबित होना नहीं माना जा सकता। ऐसे में नियोजक को सुसंगत तथ्यों पर विचार कर उचित निर्णय लेने का पूरा अधिकार है। इसी के साथ कोर्ट ने सुरक्षा बल भर्ती में तीन अपराधों में लिप्तता के कारण नियुक्ति से इनकार करने को सही करार दिया है और मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने गोविंद यादव की याचिका पर दिया है। याची का कहना था कि उसके खिलाफ लूट व मारपीट के तीन आपराधिक केस दर्ज थे। जिनमें से दो में अभियोजन पक्ष संदेह से परे आरोप साबित नहीं कर सका। इस पर कोर्ट ने उसे बरी कर दिया है। एक अन्य मामला हल्के आरोप का है, जो विचाराधीन है। ऐसे में अवतार सिंह केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार उसकी नियुक्ति पर विचार किया जाना चाहिए। दूसरी ओर सरकारी वकील का कहना था कि लूट का अपराध गंभीर है और इसमें याची को सम्मानजनक निर्दोष करार नहीं दिया गया है। उसे तकनीकी आधार पर बरी किया गया है। कोर्ट ने तकनीकी आधार पर अपराध से बरी होने को सम्मानजनक बरी होना नहीं माना और याचिका खारिज कर दी।

आगरा दीवानी से गैंगस्टर को फरार करवाने की पुलिसकर्मी ने रची थी साजिश, खुद को जख्मी किया था कांस्टेबल ने

आगरा। आगरा दीवानी परिसर से बुधवार को गैंगस्टर विनय श्रोत्रिय हेड कांस्टेबिल अनुज प्रताप के लालच के कारण भागा था। पुलिस कर्मी पर हमला गैंगस्टर के साथियों ने नहीं बोला था। अपने बचाव में पुलिस कर्मी ने खुद को जख्मी कराया था। जख्मी करने वाला कोई और मोबाइल लूट की सूचना देने वाला टूंडला का सोनू कुमार था। जांच में पुलिस को घटना से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। लाइनपार फिरोजाबाद निवासी विनय श्रोत्रिय बुधवार की दोपहर दीवानी से फरार हुआ था। हेड कांस्टेबिल अनुज प्रताप ने सवा एक घंटा देरी से सूचना दी थी। बताया था कि तीन बदमाशों ने उस पर हमला बोला। सिर पर ईंट मारकर जख्मी कर दिया। गैंगस्टर विनय को छुड़ा दे गए। इस दौरान टूंडला निवासी सोनू कुमार भी पुलिस के सामने आया। बताया कि बदमाशों ने भागने से पहले उसका मोबाइल लूटा था। सीसीटीवी फुटेज में पुलिस कर्मी पर हमले की घटना नहीं मिली। पुलिस सूत्रों की मानें तो पुलिस कर्मी के लालच के कारण वारदात हुई। पुलिस कर्मी पेश पर ले जाने से पहले गैंगस्टर को उसके अधिवक्ता के पास ले गया। वहां गैंगस्टर ने सोनू कुमार के मोबाइल से करीब बीस मिनट तक बातचीत की। उसके बाद उसके तीन साथी और आ गया। नाटकीय अंदाज में गैंगस्टर साथियों के साथ फरार हो गया। दीवानी के गेट नंबर चार से बाइक पर बैठकर बाहर निकला। गैंगस्टर के भागने के पुलिस कर्मी घबरा गया। पहले उसने अपने सिर पर खुद ईंट मारी। जब जख्मी नहीं हुआ तो सोनू कुमार से ईंट से प्रहार कराया। प्रारंभिक छानबीन में पुलिस को सोनू कुमार ने यह जानकारी दी थी। न्यू आगरा थाने में पुलिस कर्मी, गैंगस्टर और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा लिखा जा रहा है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद और सांसद रवि किशन ने रामगढ़झील में लिया कयाकिंग का मजा

गोरखपुर। रामगढ़झील में वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियां बढ़ने लगी हैं। झील में गुरुवार की सुबह कयाकिंग का औपचारिक शुभारंभ हो गया। अब शहर के लोगों के साथ बाहर से आने वाले सैलानी कयाकिंग का भी मजा ले सकेंगे। लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और सांसद रवि किशन शुक्ला की मौजूदगी में इसका शुभारंभ किया। मंत्री और सांसद ने खुद इसे चलाकर आनंद लिया। गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने इसके लिए पांच कयाक मंगाया गया है। कयाक एक तरह की नाव, जिसमें एक या दो लोग बैठकर तेजी से उसे चला सकते हैं। करीब 30 हजार रुपये की एक कयाक पर एक साथ दो लोग बैठ सकेंगे। इसके साथ सुरक्षा से जुड़े उपकरण भी होंगे। इस सेवा के शुरू हो जाने के बाद नौकायन के शौकीन लोग इसका लुत्फ उठा सकेंगे। इसे स्वयं भी चलाया जा सकेगा। ताल में छोटी-छोटी प्रतियोगिताएं भी हो सकती हैं। नौकायन को लेकर होने वाली भीड़ को देखते हुए जीडीए लगातार नाव की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है। नावों का संचालन करने वाली फर्मों से और नाव मंगाने को कहा गया है। रामगढ़झील में आने वाले पर्यटकों के लिए नौकायन सर्वाधिक आकर्षण है। डबल डेकर नाव से लेकर स्पीड बोट तक में लाइन लगी होती है। मोटर से चलने वाली इन नावों पर लोग खूब आनंद उठाते हैं। जीडीए उपाध्यक्ष प्रेम रंजन सिंह ने बताया कि पहली बार रामगढ़झील में कयाक चलाई गई। इससे झील की खूबसूरती और बढ़ेगी और पर्यटकों का रोमांच भी बढ़ेगा। इस दौरान एडीजी अखिल कुमार, राष्ट्रीय तैराक संतोष श्रीवास्तव, कृष्ण चंद पाठक आदि मौजूद रहे।

बलूचिस्तान को पाकिस्तान से आजाद कराने के लिए भारत का समर्थन जरूरी - डा बलूच

मथुरा। बलूचिस्तान की निर्वासित सरकार की प्रधानमंत्री डा नाइला कादरी बलूच ने अपने मुल्क को पाकिस्तान से आजाद कराने के लिए भारत से समर्थन एवं सहयोग मांगा है। डा बलूच ने बुधवार को अखिल भारत हिन्दू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यश्री चौधरी के साथ यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत आजादी की लड़ाई बहुत अच्छे तरीके से लड़कर आजाद हुआ, इसीलिए वह भारत सरकार से बलूचिस्तान की लड़ाई में सहयोग मांगने आई हैं। इससे पहले डा बलूच ने चौधरी के साथ मथुरा में मंदिरों के दर्शन किये। उन्होंने कहा कि वह भगवान श्रीकृष्ण की उस पावन भूमि पर आई हैं, जिन्होंने असुरों का संहार किया। उन्होंने कहा कि यहां पर विभिन्न मन्दिरों के दर्शन कर बलूचिस्तान के स्वाधीन होने की कामना भी की। डा बलूच ने यह घोषणा भी कर दी कि उनके मुल्क को आजादी मिलने के बाद बलूचिस्तान में स्थित माता हिंगलाज मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भारतीयों को बिना वीज़ा के यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इस दौरान चौधरी ने पाकिस्तान को आतंकवाद का गढ़ बताते कहा कि बलूचिस्तान को पाकिस्तान से आजाद कराने के लिए भारत और भारतवासियों का नैतिक समर्थन जरूरी है। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोग अपने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। उनका कहना था कि जिस दिन बलूचिस्तान आजाद हो जाएगा उस दिन सारी दुनिया से आतंकवाद खत्म हो जाएगा। चौधरी ने कहा कि वहां की निर्वासित प्रधानमंत्री, भारत सरकार और भारतवासियों से इस लड़ाई में नैतिक समर्थन मांगने के लिए आई है।

कानपुर हिंसा : पत्थरबाजी करने वालों को 1000 रुपये, बम फेंकने वालों को 5000 रुपये मिले थे, फंडिंग...

एजेंसी

कानपुर। कानपुर हिंसा की जांच कर रही एसआईटी ने बड़ा खुलासा करते हुए कोर्ट को बताया है कि नुपूर शर्मा के बयान के खिलाफ भड़की हिंसा में हर पत्थरबाज को हजार रुपये और पेट्रोल बम फेंकने वाले को 5000 रुपए प्रति व्यक्ति दिया गया था। एसआईटी ने कहा है कि नई सड़क हिंसा का मुख्य उद्देश्य चन्द्रेश्वर हाता खाली कराना था। इसके लिए बिल्डर हाजी मोहम्मद वसी ने मुख्य आरोपित हयात जफर हाशमी के संगठन को 10 लाख रुपये दिए थे। हाता खाली होने के बाद 90 लाख रुपये और दिए जाने थे। यह खुलासा वसी ने एसआईटी की पूछताछ में किया है। 3 जून को हुई हिंसा की एसआईटी ने कोर्ट में केस डायरी दाखिल की है। उसमें बताया गया कि पत्थरबाजों को हजार रुपए व पेट्रोल बम वालों को 5000 रुपए दिया गया। उपद्रवियों को हिंसा फैलाने के लिए पैसे दिए गए थे। केस डायरी पब्लिक प्रोसिक्यूटर दिनेश अग्रवाल ने दायर की है। वहीं वसी, जफर समेत हिंसा से जुड़े लोगों की एसआईटी डिटेल खंगाल रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बिल्डर वसी से ने पूछताछ में बताया कि चन्द्रेश्वर हाता की जमीन पर उसकी लंबे समय से नजर थी। वह वहां पर अपार्टमेंट के साथ एक मार्केट भी बनवाना चाहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात हयात जफर हाशमी से हुई। हयात ने बताया कि वह भाजपा नेत्री के आपत्तिजनक बयान पर बंदी कराने वाला है। वसी ने पुलिस को बताया कि यह बात सुनकर उसने हाता खाली कराने की योजना बनाई। इसके लिए उसने हयात से एक करोड़ रुपये में सौदा किया। 10 लाख उसे नकद दे दिए। बाकी रकम भी हाता खाली होने के बाद नकद ही दी जानी थी।

कहां- क्या सौदा किया

वसी ने हिंसा के लिए एक दिन में 34 लाख रुपए की दो प्रापर्टी बेची। इसे पहले उसने तीन प्रापर्टी अप्रैल, फरवरी और दिसंबर बेची। जिसकी कीमत 35 लाख, 17 लाख और 75 लाख थी। वहीं हाशमी ने मई, दिसंबर और जनवरी में प्रापर्टियां बेची जिसमें 14 लाख, 10 लाख और 7 लाख मिले।

कहां से आना था और कैसे आना था होगी जांच

डीसीपी प्रमोद कुमार ने बताया कि बिल्डर वसी से पूछताछ में चन्द्रेश्वर हाता खाली कराने के लिए पैसे के लेन-देन की बात सामने आई है। यह पैसा कहां से आना था और कैसे आना था, इसकी जांच की जाएगी। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

यूपी में अलर्ट, हेलीकॉप्टर से हो रही कांवड़ यात्रा की निगरानी, नया ट्रैफिक प्लान लागू

हरिद्वार/लखनऊ। कांवड़ यात्रा गुरुवार से विधिवत शुरू हो जाएगी। विभिन्न प्रदेशों से हरिद्वार पहुंचने वाले करोड़ों कांवड़ियों के स्वागत के लिए धर्मनगरी तैयार है। काफी संख्या में कांवड़िए हरिद्वार पहुंच भी चुके हैं। इस बीच कांवड़ यात्रा को लेकर यूपी में अलर्ट किया गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासतौर पर कड़ी निगरानी की जा रही है। कांवड़ यात्रा के तीन मार्गों पर हेलीकॉप्टर से नजर रखी जाएगी। कांवड़ यात्रा के साथ ही सावन महीने की भी शुरुआत हो रही है। गुरुवार रात से ट्रैफिक प्लान भी लागू कर दिया जाएगा। हाईवे पर भारी वाहन दिन के समय बंद कर दिए जाएंगे। कांवड़ यात्रा का समापन 26 जुलाई को होगा। डीआईजी डॉ. योगेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 14 से 19 जुलाई तक भारी वाहन बंद रात 12 बजे से सुबह 5 बजे के बीच ही चल सकेंगे। 20 से मेला समाप्ति तक हरिद्वार, दिल्ली, हरिद्वार देहरादून हाईवे पर पूरी तरह से भारी वाहन बंद कर दिए जाएंगे। वहीं कई इलाकों में सावन के महीने में होने वाली कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले 14 से 26 जुलाई तक यात्रा मार्ग के किनारे शराब और मांस बेचने वाली सभी अवैध दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया गया है।

कांवड़ यात्रा इस साल 14 जुलाई से 26 जुलाई के बीच आयोजित की जाएगी। यह गंगा जल लाने के लिए उत्तराखंड में हरिद्वार, गौमुख और गंगोत्री के लिए कांवड़ियों के नाम से जाने जाने वाले शिव भक्तों की वार्षिक तीर्थयात्रा है, जिसे वे फिर अपने क्षेत्रों में सावन के दौरान मंदिरों में शिवलिंग पर अभिषेक करने के लिए ले जाते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही त्योहारों जैसे ईद-उल-अधा (बकरीद), मुहर्रम, कांवर यात्रा और नागपंचमी को देखते हुए लखनऊ में धारा 144 लागू कर चुकी है। इसमें विधानसभा के आसपास एक किलोमीटर के दायरे में ट्रैक्टर, घोड़ागाड़ी, बैलगाड़ी, गैस सिलेंडर, ज्वलनशील सामग्री और किसी भी तरह के हथियार पर प्रतिबंध है।

मऊ में पुल से दो युवतियों ने घाघरा में लगाई छलांग, पीएसी जवानों ने एक को बचाया

एजेंसी

दोहरीघाट (मऊ)। मऊ में दोहरीघाट में पुल से दो युवतियों ने घाघरा में छलांग लगा दी। मातेश्वरी धाम मंदिर के पास बाढ़ में तैनात पीएसी के जवानों ने एक युवती को बचा लिया और दूसरी युवती गहरे पानी में चली गई। उसकी तलाश जारी है।

पीएसी के लांस नायक मानवेन्द्र प्रताप सिंह अपनी टीम के साथ घाघरा में बाढ़ के मद्देनजर मातेश्वरी धाम मंदिर के पास पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी नदी में छलांग लगाने के बाद बह रही दो युवतियों को देखा। युवतियों को बचाने के लिए पीएसी के जवान नाव लेकर मौके पर पहुंचे। एक युवती को जवानों ने बचा लिया। जबकि दूसरी युवती को बचाने का प्रयास जवान ने किया लेकिन वह गहरे पानी मे डूब गई।

पीएसी के जवानों ने उसको खोजने के लिए पूरी रात सर्च ऑपरेशन चलाया लेकिन वह नही मिली। बचाई गई युवती को पीएसी के जवानों ने दोहरीघाट थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह को सौंप दिया।

युवती की पहचान अम्बेडकर नगर जिले के ग्राम राजेसुल्तानपुर निवासी सरिता सोनकर पुत्री तुलसीराम सोनकर के रूप में हुई। उसे थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने दोहरीघाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचाया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

दूसरी कूदी युवती की तलाश जारी है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि नदी में छलांग लगाई दो युवतियों में से एक को बचा लिया गया है। जबकि दूसरी युवती की खोज की जा रही है।

दिल्ली पुलिस की कस्टडी से भागे दो अपराधी, ट्रेन में सोते रह गए सिपाही

प्रयागराज। प्रयागराज में आज दो कुख्यात अपराधी पुलिस की कस्टडी से भाग गए। ये अपराधी दिल्ली पुलिस की कस्टडी से भागे हैं। पुलिस कर्मी अपराधियों को ट्रेन से ले जा रही थी और बीच में प्रयागराज में ही ये अपराधी फरार हो गए। दिल्ली पुलिस की कस्टडी से भागे दोनों अपनाधी कुख्यात हैं। हैरानी की बात है कि दिल्ली पुलिस की मुस्तैद सोती आखों के नीचे से बिहार के कुख्यात बदमाश भाग निकले। दिल्ली पुलिस इन अपराधियों को दिल्ली ले जा रही थी। दिल्ली में कई मामलों में ये अपराधी वांछित हैं। इन्हें पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार किया था और वहां से ट्रेन के जरिए इन्हें डिब्रूगढ़ राजधानी से दिल्ली ले जा रहे थे। प्रयागराज जंक्शन के निकलने के बाद जब दिल्ली पुलिस के सोते हुए सिपाहियों की आंख खुली तो उन्हें पता चला कि अपराधी तो फरार हो गए। संभावना जताई जा रही है कि प्रयागराज जंक्शन पर मौका देखकर और सिपाहियों को सोता देखकर वो अपराधी वहीं उतरकर फरार हो गए। नींद से जागने के बाद से दिल्ली पुलिस प्रयागराज और उसके आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी कर रही है। इसकी जानकारी स्टेशन पर मौजूद रेलवे पुलिस के साथ प्रयागराज पुलिस को भी दे दी गई है। जानकारी के मुताबिक जिन अपराधियों को पुलिस ट्रेन से दिल्ली ले जा रही थी ये कई बड़े मामलों के मास्टरमाइंड है।

देवरिया : छोटी बहन ने बड़ी बहन की चाकू मारकर की हत्या

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के लार कस्बा में मामूली विवाद को लेकर छोटी बहन ने अपनी बड़ी बहन की चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी महिला को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने गुरुवार को बताया कि लार कस्बा के फतेहाबाद वार्ड निवासी इम्तियाज अहमद की शादीशुदा पुत्री नीलोफर शाहीन (45 वर्ष) अपने पिता के घर रहती थी। बताया जाता है कि निलोफर और उसकी छोटी बहन गजाला तबस्सुम के बीच बुधवार की देर शाम किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई। इसी बीच गुरूवार की तड़के छोटी तबस्सुम ने नीलोफर शाहीन को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

मिर्जापुरः खेत के बगल में पानी भरे गड्ढे में मिली मासूम की लाश, हत्या की आशंका

मिर्जापुर। मिर्जापुर में हलिया थाना क्षेत्र के बरबसा गहरवार गांव में खेत के बगल में पानी भरे गड्ढे में आठ वर्षीय बालक का शव उतराया मिलने से सनसनी फैल गई।

परिजनों ने बालक की हत्या की आशंका जताई है। लाश मिलने की की जानकारी मिलने पर सीओ लालगंज उमाशंकर सिंह, थानाध्यक्ष हलिया अनिल कुमार सिंह डाग स्क्वायड टीम के साथ पहुंचे और जांच पड़ताल में जुट गए।

बरबसा गहरवार गांव निवासी राकेश कुमार का आठ वर्षीय इकलौता बेटा शिवदत्त गांव के अन्य बच्चों के साथ

घर से दो सौ मीटर दूर खेत की तरफ खेलने गया हुआ था। जब वह देर शाम तक घर वापस नही लौटा तो परिजों ने खोजबीन शुरू कर दी।

पिता राकेश कुमार बच्चे को खोजते हुए दो सौ मीटर दूर खेत के पास पहुंचे तो पानी भरे गड्ढे में शव उतराया देख सन्न रह गए। परिजनों ने घटना की तत्काल सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

बालक के पिता राकेश कुमार ने बेटे के चेहरे पर चोट को देखते हुए हत्या कर शव को फेंकने की आशंका जताई है। बालक के चाचा उमेश कुमार ने बताया कि भतीजा शिवदत्त के हाथ और मुंह में कट का निशान है। गड्ढे के किनारे एक फीट पानी में उसका शव पाया गया है। आशंका जताई कि उसकी किसी ने हत्या कर शव को वहां फेंक दिया। इकलौते बेटे की मौत से मां सुशीला देवी का रो-रो कर बुरा हाल है।

गोंडा में कांग्रेस जिलाध्यक्ष और पत्नी पर मुकदमा

शिक्षिका पर शादी का दबाव बनाने और बदनाम करने का आरोप

गोंडा। गोंडा के धानेपुर थाने में कांग्रेस जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पटेल और उनकी पत्नी के खिलाफ एक शिक्षिका ने शादी का दबाव बनाने व मानहानि करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं वीरेंद्र पटेल ने भी शिक्षिका के खिलाफ एक शिकायती पत्र दिया है। जिले के एक बेसिक स्कूल में कार्यरत अनुसूचित जाति की शिक्षिका ने धानेपुर थाने में तहरीर दी है। इसके मुताबिक उसने कांग्रेस जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार पटेल के घर में किराए पर कमरा लिया था। वहां रहने के दौरान उसकी वीरेंद्र की पत्नी और बच्चों से मेलजोल हो गया।

आरोप है कि बाद में वीरेंद्र पटेल उसपर गलत नीयत रखने लगे और शादी दबाव बनाना शुरू कर दिया। बीते एक अप्रैल को बात न मानने वह आग-बबूला हो गए और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपशब्द कहा। उन्होंने धमकी दी कि बाथरूम नहाते समय कई फोटो और वीडियो भी बना लिया है, इसे वायरल कर दूंगा। शिक्षिका सूचना पर परिजन पहुंचे तो उनसे भी वीरेंद्र ने अभद्रता की। इसके बाद शिक्षिका उनका घर छोड़कर इटियाथोक में रहने लगी। वहां पहुंचकर वीरेंद्र भी उसे परेशान करने लगे। शिक्षिका का आरोप है कि उसे बदनाम करने में उनकी पत्नी संगीता वर्मा ने भी सहयोग किया है।

प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि बताया कि शिक्षिका की तहरीर पर आरोपी कांग्रेस जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पटेल और उनकी पत्नी पर एससी/एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच सीओ सदर करेंगे। उनके पास मामला भेज दिया गया है। उधर कांग्रेस जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पटेल ने फोन पर बताया कि कमरा खाली कराने पर शिक्षिका ने निराधार आरोप लगाए हैं। मैंने धानेपुर थाने पर शिकायत भी की थी। आज पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाया था। जब मैं थाने पहुंच तो पुलिस ने मेरी एक नहीं सुनी। पार्टी के ही कुछ लोगों के दबाव के चलते प्रभारी निरीक्षक ने आरोप लगाने वाली शिक्षिका से आमना सामना नहीं कराया, उन्हें वहां से भगा दिया गया।

कार और बस की भिड़ंत में एक मरा 13 घायल

बहराइच। दिल्ली से यात्रियों को लेकर उत्तर प्रदेश के बहराइच आ रही एक बस और कार की गुरुवार को सुबह भिड़ंत होने के बाद बस सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को बस और कार से निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित केशवपुर सब्जी मंडी से डबल डेकर बस यात्रियों को लेकर बहराइच के लिए कल रात रवाना हुई। यह बस गुरुवार को सुबह जनपद के जरवल रोड थाना क्षेत्र में घाघरघाट हाइवे मार्ग पर पानी टंकी के पास पहुंची। तभी बहराइच की ओर से आ रही एक कार से बस की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद डबल डेकर बस खड्ड में जा गिरी। सूचना पाकर थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। हादसे में कार सवार अशोक कुमार (30) पुत्र प्रकाश यादव की मौत हो गई। जबकि जितेंद्र कुमार चौधरी पुत्र जसवंत निवासी बदनपुर गणेशपुर बाराबंकी और बस के यात्रियों समेत 13 लोग घायल हो गए। इनमें दो घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। पुलिस के मुताबिक बस में 60 से 70 यात्री सवार थे।

लखनऊ के लुलु मॉल में नमाज पढ़ने को लेकर विवाद

हिंदू महासभा ने दी मॉल में सुंदरकांड का पाठ करने की चेतावनी

लखनऊ। लखनऊ के लुलु मॉल में नमाज पढ़ने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मॉल में नमाज पढ़ने की वीडियो वायरल होने के बाद हिंदू महासभा ने कहा है कि अगर दोबारा ऐसा हुआ कार्यकर्ता मॉल के भीतर सुंदरकांड का पाठ करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो में आधा दर्जन लोग मॉल के भीतर नमाज पढ़ते नजर आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि ये वीडियो लखनऊ के लुलु मॉल का है जिसे उत्तर भारत का सबसे बड़ा मॉल कहा जाता है। इस मॉल का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ही किया था। मॉल में नमाज पढ़ने को लेकर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि सार्वजनिक जगहों पर नमाज पढ़ने की मनाही है। इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि मॉल में एक खास धर्म के लोगों को ही नौकरी दी जा रही है। शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो मॉल में सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा।

मॉल में नमाज पढ़ने की वीडियो वायरल होने के बाद मॉल के अधिकारियों ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि मॉल में किसी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं है। गौरतलब है कि लखनऊ का लुलु मॉल को सोमवार से आम जनता के लिए शुरू कर दिया गया है। 2 हजार करोड़ की लागत से बने इस विशाल मॉल में ढाई लाख स्क्वेयर फीट में हाइपरमार्केट बनी है। 22 लाख वर्ग क्षेत्र में फैले इस मॉल में कई अंतराष्ट्रीय और स्वदेशी ब्रांड मौजूद हैं।

इस तरह का अनोखा मॉल अभी तक भारत में नहीं बना है। मॉल में 22 मीटर का कॉरिडोर भी है। मॉल में सात हजार स्क्वेयर फीट की पार्किंग दी गई है जिसमें एक समय पर तीन हजार गाड़ियां आराम से आ सकती है।

ऑल्ट न्यूज़ के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

हाथरस। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस की एक अदालत ने गुरुवार को ऑनलाइन पोर्टल 'ऑल्ट न्यूज़' के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सांप्रदायिक तनाव फैलाने एवं दूसरों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने सहित अन्य आपराधिक धाराओं में दर्ज मुकदमे में जुबैर को अदालत में पेश किया गया था। हाथरस के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने हाल ही में तथ्य-जांचकर्ता के खिलाफ वारंट जारी किया था। बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सीतापुर, लखीमपुर खीरी, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर और हाथरस में जुबैर के खिलाफ दर्ज छह मामलों की जांच के लिए आईजी डॉ प्रीतिंदर सिंह की अध्यक्षता में दो सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में सीतापुर जिले में जुबैर के खिलाफ दर्ज एक मामले में उसकी अंतरिम जमानत अगले आदेश तक बढ़ा दी थी।

बाराबंकी सपा विधायक धर्मराज यादव के भाई का मकान कुर्क, भतीजे अर्जुन पर है गैंगस्टर

बाराबंकी। बाराबंकी सदर के सपा विधायक धर्मराज यादव के भाई के मकान की कुर्की की गई है। भतीजे अर्जुन यादव पर गैंगस्टर का केस सतरिख थाना में दर्ज है। इसके कारण नगर कोतवाली के मुनेश्वर विहार कालोनी स्थित में स्थित आरोपी के पिता धर्मेन्द्र यादव के मकान को पुलिस प्रशासन ने कुर्क कर लिया। इस मकान का बाजार मूल्य करीब सवा करोड़ बताया जा रहा है। पुलिस व प्रशासन का कहना है कि यह मकान आरोपी द्वारा अर्जित की गई अवैध संपत्ति से बना है। कार्रवाई के दौरान वहां पर मुनादी कराई गई व नोटिस चस्पा कर मकान को सील कर दिया गया।

पुलिस व प्रशासन को सतरिख क्षेत्र में मिट्टी के अवैध खनन की सूचनाएं लगातार मिल रही थी। इस पर डीएम और तत्कालीन एसपी ने मौका मुआयना किया था। वहां के हालात देख कर दोनों अधिकारी हतप्रभ थे। दूर तक काफी गहरे व बड़े गड्ढे बन गए थे।

इस पर एसपी ने कार्रवाई के आदेश दिए थे। इसके आधार पर 8 अक्टूबर 2020 को खनन माफिया विनोद यादव, अर्जुन यादव, पंकज वर्मा, पंकज यादव व रामकुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई भी की थी। अर्जुन यादव के पिता धर्मेंद्र यादव बाराबंकी सदर के विधायक के भाई हैं।

कुर्क कर लिया गया मकान

आरोपी अर्जुन का मकान नगर कोतवाली के मुनेश्वर विहार कालोनी में है। मकान की जमीन आरोपी अर्जुन के पिता धर्मेंद्र के नाम है। पुलिस व प्रशासन का मानना है कि मकान का निर्माण आरोपी अर्जुन यादव द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई कमाई से हुआ है। इस पर जिलाधिकारी ने इस मकान की कुर्की के आदेश दिए थे। बुधवार की शाम को तहसील प्रशासन के अधिकारी सीओ सदर नवीन सिंह, सतरिख व नगर कोतवाली पुलिस के साथ मुनेश्वर विहार कालोनी पहुंचे। यहां मुनादी कराई गई। इसके बाद अर्जुन के आपराध के विषय में बताया गया। इसके बाद पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की। मकान को सील कर दिया और नोटिस चस्पा कर दिया। पीडब्लूडी द्वारा मकान की कीमत 96,46,950 निर्धारित की गई थी जबकि इसका बाजार मूल्य सवा करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

वाणिज्यिक निर्यात जून में 23 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार घाटा उछलकर 26.18 अरब डॉलर हुआ

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक सामान, टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के साथ भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात जून 2022 में 23.52 प्रतिशत बढ़कर 40.13 अरब डॉलर रहा। जून 2021 में यह 32.49 अरब डॉलर था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जून में वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात 66.31 अरब डॉलर रहा जो पिछले वर्ष के इसी माह के 42.09 अरब डॉलर से 57.55 प्रतिशत अधिक है। जून 2022 में तेज वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 26.18 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया जो जून 2021 में 9.60 अरब डॉलर था। जून माह में गैर-पेट्रोलियम तथा गैर-रत्न आभूषणों का निर्यात 8.65 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 27.94 अरब डॉलर रहा जो पिछले वर्ष जून में 25.71 अरब डॉलर था। सरकारी आंकड़ों में बताया गया है कि जून में पेट्रोलियम और रत्न एवं आभूषणों को छोड़कर अन्य वस्तुओं का आयात 38.53 अरब डॉलर रहा जो एक वर्ष पहले की तुलना में 38.30 प्रतिशत अधिक है। जून 2021 में इन वस्तुओं का आयात 27.86 अरब डॉलर था। देश का जून माह में वस्तु एवं सेवाओं सहित कुल निर्यात 64.91 अरब डॉलर रहा जो इससे पिछले वर्ष की समान अवधि से 22.95 प्रतिशत अधिक है। जून 2022 का कुल आयात जून 2021 के मुकाबले 55.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

Honda Motorcycle & Scooter India ने Kyndryl को प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में नियुक्त किया

समझौता बेहतर सुरक्षा और डेटा उपलब्धता के लिए कंपनी के आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को उन्नत करने के लिए है

नई दिल्ली। Honda Motorcycle and Scooter India (HMSI) ने कंपनी के सभी विनिर्माण संयंत्रों में अपनी आईटी और सुरक्षा बदलाव यात्रा को गति देने के लिए दुनिया की सबसे बड़ी आईटी अवसंरचना सेवा प्रदाता, Kyndryl (NYSE: KD) के साथ अपने विशेष गठजोड़ की घोषणा हाल ही में की।

वर्तमान में, Kyndryl सभी डीलरों के लिए संयंत्र उत्पादन एप्लीकेशंस, उद्यम और डीलर प्रबंधन प्रणालियों के लिए बुनियादी ढांचा सेवाओं का प्रबंधन करती है।

Kyndryl के साथ कंपनी का यह नया गठबंधन चुस्त व बेहतर ग्राहक सेवा अनुभव के साथ परिचालन दक्षता लाते हुए, बेहतर ऑटोमेशन से बुनियादी ढांचे की प्रबंधन क्षमता और अपटाइम बढ़ाएगा। साथ ही साथ कंपनी की साइबर सुरक्षा और रीजीलियेंसी बढ़ेगी।

HMSI के व्यावसायिक एप्लीकेशंस और आईटी सिस्टम की उपलब्धता को और बढ़ाते हुए, नई साझेदारी HMSI के प्राथमिक डेटा केंद्र को प्रभावित करने वाले संकट के दौरान न्यूनतम आउटेज और उत्पादन हानि के लिए ऑन-डिमांड डिजास्टर रिकवरी-एज-ए-सर्विस सेट-अप को एकीकृत करेगी। इस साझेदारी की बात करते हुए, मि. अत्सुशी ओगाता - प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष व सीईओ, Honda Motorcycle & Scooter India ने कहा, "HMSI में, हमें Kyndryl India के साथ अपनी विशेष तकनीकी साझेदारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। जटिल आईटी प्रणालियों पर आधारित HMSIके कारोबारी परिचालन की उनकी गहरी समझ ही उन्हें भारत में हमारे परिचालन के लिए विश्वसनीय सलाहकार बनाती है। यह नई साझेदारी, आगे चलकर हमारे ग्राहकों और भागीदारों को बेहतर सेवा प्रदान करने वाला अधिक चुस्त आईटी वातावरण प्रदान करेगी और हमें बेहतर व्यावसायिक उपलब्धता और संचालन पूर्वानुमेयता में सक्षम करेगी।

साझेदारी पर अपने विचार रखते हुए, मि. लिंगराजू सावकर, प्रेसिडेंट, Kyndryl India ने कहा, अधिक प्रतिस्पर्धी होते पारिस्थितिकी तंत्र में आगे बने रहना और व्यापार व परिचालन चुनौतियों का अनुमान लगाना सर्वोपरि है। बुनियादी ढांचे के प्रबंधन, स्वचालन व क्लाउड रूपांतरण में Kyndryl की सिद्ध विशेषज्ञता और HMSI के महत्वपूर्ण परिचालन की गहरी समझ से, हमें भविष्य के लिए लचीले और चुस्त फ्रेमवर्क का अनुमान लगाने व बनाने का अवसर मिलता है। हम HMSI के साथ अपने सहयोग को और बढ़ाने को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि वे अपने भारतीय परिचालन के भीतर वास्तविक डिजिटल परिवर्तन की क्षमता को और अनलॉक करते हैं। किसी आपदा के समय, Kyndryl का क्लाउड रेजिलिएण्शन ऑर्केस्ट्रेशन टूल HMSI के प्राथमिक डेटा सेंटर को कुछ ही सेकंड में पूरी तरह से चालू स्थिति में लाएगा, और इसका रेजीलेंसी आर्किटेक्चर ग्राहक की मांग में वृद्धि के दौरान सिस्टम में अतिरिक्त लचीलेपन के लिए सेसमिक जोन का विस्तार करेगा। इसके अतिरिक्त, Kyndryl HMSI के डिलीवरी और आईटी ढांचे के ऑटोमेशन को सक्षम करेगी ताकि आईटी विस्तार के साथ आने वाली प्रक्रिया और अनुपालन चुनौतियों का समाधान किया जा सके। यह एकीकरण मौजूदा आईटी अवसंरचना प्रणाली की निगरानी के लिए एकल स्वचालित एक्जीक्यूटिव डैशबोर्ड प्रदान करेगा, साथ ही पैचिंग, बैकअप स्थिति और प्रोविजनिंग जैसी स्वास्थ्य जांच भी करेगा।

एनएचपीसी ने केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह और कारगिल जिले में 'पायलट ग्रीन हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज' के विकास के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। श्री ए.के. सिंह, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी के ऊर्जस्वी नेतृत्व में और विद्युत क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के देश के संकल्प के अनुरूप, एनएचपीसी ने 14 जुलाई, 2022 को केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह और कारगिल जिले में पायलट ग्रीन हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज के विकास के लिए दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री आर.के. माथुर जी की गरिमामयी उपस्थिति में इन

समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए ।

लेह जिले के लिए हस्ताक्षरित एमओयू के अनुसार, एनएचपीसी परिसर के भीतर निम्मो बाजगो पावर स्टेशन (लेह) में एनएचपीसी गेस्ट हाउस की विद्युत आवश्यकता को पूरा करने के लिए एनएचपीसी हाइड्रोजन उत्पादन सहित पायलट ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित माइक्रोग्रिड के विकास पर विचार करेगी ।

कारगिल जिले के लिए हस्ताक्षरित एमओयू के अनुसार, कारगिल में उत्पन्न हाइड्रोजन का उपयोग मोबिलिटी के लिए फ्यूल सेल्स में किया जाएगा जो कारगिल के स्थानीय क्षेत्र में 8 घंटे तक दो बसें चलाने में सक्षम होगी ।

एनएचपीसी मोबिलिटी, परिवहन, हीटिंग, माइक्रो-ग्रिड जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लद्दाख क्षेत्र की हाइड्रोजन आवश्यकता की आपूर्ति के लिए वाणिज्यिक स्तर पर हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ाएगी और इसके बाद समझौता ज्ञापन पर अलग से हस्ताक्षर किए जाएंगे।

ये दोनो पायलट परियोजनाएं हरित हाइड्रोजन के भावी विकास और परिवहन/हीटिंग क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी के लिए रोडमैप तैयार करेंगी और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के युवाओं के लिए विभिन्न राजस्व स्रोतों और रोजगार के अवसरों को सृजित करते हुए हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करेंगी ।

भारतीय कॉर्पोरेट विधि सेवा प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

नयी दिल्ली। आईबीबीआई ने भारतीय कॉरपोरेट विधि सेवा (आईसीएलएस) के 2020 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कंपनी मामलों के मंत्रालय ने आज यहां जारी बयान में जानकारी देते हुये कहा कि कल संपन्न इस कार्यक्रम के दौरान कई सत्रों का आयोजन किया गया । सत्रों में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (संहिता), दिवाला सेवाओं के व्यावसायीकरण का व्यापक अवलोकन और नियामक की भूमिका का अवलोकन शामिल था। इसमें संहिता के तहत विभिन्न प्रक्रियाओं से संबंधित व्यावहारिक केस स्टडीज के माध्यम से विधिवत पूरक अवधारणाओं को भी शामिल किया गया है, अर्थात् कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया, परिसमापन प्रक्रिया, स्वैच्छिक परिसमापन, फास्ट ट्रैक समाधान प्रक्रिया, व्यक्तिगत दिवाला और व्यक्तिगत दिवालियापन। प्रशिक्षुओं को बोर्ड के शिकायत निवारण और अनुशासनात्मक तंत्र की कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया।

इसके अलावा, प्रतिभागियों को आईबीसी पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न घटकों, अर्थात् निर्णायक प्राधिकरण, दिवाला पेशेवर, दिवाला पेशेवर एजेंसियों, सूचना उपयोगिता, वित्तीय लेनदारों, परिचालन लेनदारों, पंजीकृत मूल्यांकनकर्ताओं और वित्तीय सेवा प्रदाताओं से परिचित कराया गया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भी गिरावट दर्ज की गयी। बाजार में आज सुबह तेजी के साथ शुरुआत हुई पर इसके बाद बिकवाली हावी होने से इसमें गिरावट आने लगी। एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से भी बाजार नीचे आया। आईटी एवं बैंकिंग शेयरों में जोरदार बिकवाली से दोनों प्रमुख सूचकांकों ने शुरुआती बढ़त गंवा दी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 98.00 अंक करीब 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ ही 53,416.15 अंकों पर बंद हुआ है, जबकि पचास शेयरों वाला निफ्टी 28.00 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी नीचे आकर 15,938.65 अंकों पर बंद हुआ है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से एक्सिस बैंक के शेयरों को सर्वाधिक 1.74 फीसदी का नुकसान हुआ। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एसबीआई, टेक महिंद्रा, टीसीएस, विप्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईटीसी के शेयर भी गिरे। वहीं सन फार्मा, डॉ रेड्डीज लैब, मारुति सुजुकी इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त पर रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में चीन के शंघाई कंपोजिट, हांगकांग के हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट दर्ज की गई जबकि जापान का निक्की लाभ के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार दोपहर के सत्र में नुकसान के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिका के बाजारों में गिरावट रही थी। जानकारों के अनुसार अमेरिका में महंगाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने और दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों से बाजार इस हाल में पहुंच जबकि कारोबारी सत्र की शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही लाभ के साथ ही हरे निशान पर खुले। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

भारत-चीन व्यापार लगातार दूसरे वर्ष बनाएगा 100 अरब डॉलर का रिकार्ड!

बीजिंग । भारत-चीन व्यापार लगातार दूसरे वर्ष 100 अरब डॉलर को पार करने की ओर अग्रसर है। भारत और चीन के बीच कारोबार के आधिकारिक आंकड़ों के सामने आने के बाद यह जानकारी मिली। चीन के उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के बीच वर्ष की पहली छमाही में भारत-चीन व्यापार 67.08 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। चीन के सीमा शुल्क सामान्य प्रशासन विभाग (जीएसी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत को चीन का निर्यात पिछले साल की तुलना में 34.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 57.51 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। जबकि चीन को भारतीय निर्यात 9.57 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है और इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 35.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

बिल गेट्स ने अपने फाउंडेशन को दिया 20 अरब डॉलर दान

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर कारोबो रियों में से एक बिल गेट्स ने कोविड-19 महामारी एवं अन्य वैश्विक आघातों से बेहाल लोगों की मदद के लिए अपने फाउंडेशन को 20 अरब डॉलर का दान देने की घोषणा की। इस दान के साथ ही बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के पास करीब 70 अरब डॉलर का कोष इकट्ठा हो चुका है। इसके साथ ही यह दुनिया के सबसे बड़े हितकारी संगठनों में से एक बन चुका है। बर्कशायर हैथवे के प्रमुख वॉरेन बफे ने भी पिछले महीने गेट्स के फाउंडेशन को 3.1 अरब डॉलर देने की घोषणा की थी। गेट्स ने फाउंडेशन की वेबसाइट पर प्रकाशित एक लेख में उम्मीद जताई कि अन्य धनवान लोग भी दान के इस सिलसिले में शामिल होंगे। गेट्स फाउंडेशन ने वर्ष 2026 तक अपने सालाना बजट में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी की योजना बनाई है। फाउंडेशन को उम्मीद है कि बढ़े हुए खर्च का इस्तेमाल शिक्षा सुविधाएं देने, गरीबी हटाने और रोगों पर काबू पाकर एवं स्त्री-पुरुष समानता लाकर वैश्विक प्रगति को प्रशस्त करने में किया जाएगा।

महाराष्ट्र में 5 रुपए सस्ता होगा पेट्रोल, डीजल पर भी घटाया वैट

मुंबई ।

महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर की कटौती करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा डीजल के दाम में भी 3 रुपये लीटर की कमी होगी। सीएम एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को मुंबई में अपनी सरकार के इस फैसले का ऐलान किया। सीएम बनने के तुरंत बाद ही एकनाथ शिंदे ने पेट्रोल और डीजल पर वैट में कटौती का ऐलान किया था, जिस पर अब अमल किया गया है। कैबिनेट बैठक के बाद एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडनवीस के साथ मीडिया से बातचीत में फैसले का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से महाराष्ट्र सरकार के खजाने पर 6,000 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। शिंदे ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ऐसे फैसले लेगी जिससे भविष्य में लोगों को राहत मिले। एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज की बैठक में सरकार ने जनहित में कुछ फैसले लिए हैं। हम समाज के सभी वर्गों के साथ न्याय करते रहेंगे। हमने कैबिनेट की पहली बैठक में इसकी शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि आज हमने पेट्रोल और डीजल पर टैक्स कम करने का फैसला किया है। केंद्र सरकार ने 4 नवंबर, 2021 और 22 मई, 2022 को दो बार ईंधन पर टैक्स घटाया था। दोनों बार केंद्र ने कहा था कि राज्य सरकार को भी टैक्स कम करना चाहिए, लेकिन तत्काली उद्धव ठाकरे सरकार की ओर से इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया था। यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, मध्य प्रदेश समेत कई भाजपा शासित राज्यों की ओर से उसी दौरान पेट्रोल और डीजल पर वैट में कटौती का ऐलान किया था। वहीं विपक्षी राज्यों का कहना था कि केंद्र सरकार ने जो इजाफा किया था, उसे ही वापस लिया है और कोई अलग से राहत आम लोगों को नहीं दी है।

'राईटडाटा' ने उद्योग के दिग्गजों को अपनी टीम में शामिल किया

अटलांटा। आधुनिक डेटा एकीकरण और विश्वसनीय डेटा गुणवत्ता और अवलोकन क्षमता के लिए जानी जाने वाली उच्च-विकास स्टार्टअप 'राईटडाटा' ने अपनी कार्यकारी टीम में दो उद्योग लीडर्स को जोड़ा। इन डेटा दिग्गजों का उद्देश्य सॉफ्टवेयर विकास में उत्कृष्टता प्रदान करना और डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर सॉफ्टवेयर के लिए अपने प्रबुद्ध विचारों का प्रचार करना है। यह बाजार के लिए 'राईटडाटा' की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है और इसकी हालिया Series A investment from Level Equity का लाभ उठाता है।

सिवा कोलीसेट्टी हैदराबाद, भारत में स्थित 'राईटडाटा' के डिजिटल सेंटर के उपाध्यक्ष और प्रमुख के रूप में शामिल हुए। इस भूमिका में, वह अत्याधुनिक डेटा लेकहाउस और डेटा गुणवत्ता सॉफ्टवेयर पहलों को डिजाइन और क्रियान्वित करने में इंजीनियरिंग को निर्देशित करेंगे। सिवा हेल्थकेयर, फार्मास्युटिकल्स और परामर्श जैसे क्षेत्रों में तकनीकी नेतृत्व में प्रमुख पदों पर काम कर चुके हैं।

डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करने वाले सिवा का अनुभव, उनकी बेहतर परामर्श पृष्ठभूमि के साथ, उन्हें आज 'राईटडाटा' की जरूरत के लिए एकदम फिट बनाता है। हम अपने विकास को आधुनिक डेटा भविष्य में गहराई से लाने के लिए सिवा पर निर्भर रहेंगे, 'राईटडाटा' के सीईओ वासु संतनपल्ली ने कहा।

रामा रयाली कस्टमर इवेंजलिज्म एंड स्ट्रेटेजी (ग्राहक सुसमाचार प्रचार और रणनीति) के उपाध्यक्ष के रूप में शामिल हुए, यह एक महत्वपूर्ण भूमिका है जो सुनिश्चित करती है कि 'राईटडाटा' बाजार के अनुरूप रहता है और आधुनिक डेटा के लिए अगली पीढ़ी के विचार अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति बढ़ाता है। अपने पूरे करियर में, डेटा प्रबंधन और कार्यान्वयन के लिए समर्पित, रामा ने CTO के रूप में कार्य किया और मल्टी मिलियन डॉलर के डेटा प्रबंधन पहल का निर्देशन किया।

संतनपल्ली ने कहा, रामा ने CTO की कंपनी और हमारे प्रमुख ग्राहकों में से एक के CTO के रूप में सॉफ्टवेयर दृष्टिकोण दोनों में विश्वास दिखाया। हमें खुशी है कि वह केंद्रित संदेश और रणनीति को मिश्रण में लाने के लिए कार्यकारी टीम में शामिल हुए हैं।

जैसे-जैसे सरल, आसान, तेज डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता एक अरब-डॉलर की तरफ बढ़ रही है, 'राईटडाटा' नए डेटा और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण के लिए चुस्त सॉफ्टवेयर के साथ उद्यम और मिड-मार्केट में अधिक महत्वपूर्ण विकास के लिए खुद को पूरी तरह से तैयार पाता है। 'राईटडाटा' डेटा वैज्ञानिकों और व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए नो-कोड प्लेटफॉर्म पर विश्वसनीय डेटा के मूल्य को एकीकृत कर रहा है।

'राईटडाटा' के बारे में 'राईटडाटा' एक विश्वसनीय सम्पूर्ण सॉफ्टवेयर कंपनी है जो आधुनिक डेटा लेकहाउस और डेटा मेश फ्रेमवर्क का उपयोग करके आधुनिक डेटा, एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग की जरूरतों के लिए एंड-टू-एंड क्षमताओं को सशक्त बनाती है। डेटा एकीकरण के लिए De&trus सॉफ्टवेयर और डेटा गुणवत्ता और अवलोकन के लिए RDt का संयोजन एक व्यापक DataOps दृष्टिकोण प्रदान करता है।

बर्कशायर हैथवे इंक ने किया ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम का 19.2 फीसदी अधिग्रहण

मुंबई । शेयर बाजार के दुनिया के सबसे बड़े दिग्गज वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक ने इस सप्ताह ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प के 4.3 मिलियन और शेयर खरीदे हैं जिसके बाद कंपनी में बर्कशायर हैथवे इंक की हिस्सेदारी 19.2 फीसदी हो गई है। एक खबर के मुताबिक वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर ने बताया है कि कंपनी ने 250 मिलियन डॉलर खर्च कर 179.4 मिलियन ऑक्सिडेंटल आम शेयरों की खरीद की है। जिसकी कीमत करीब 10.4 बिलियन डॉलर है। इससे पहले वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक ने ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प की 17.4 फीसदी हिस्सेदारी की खरीद की थी। वॉरेन बफेट की कंपनी ने ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प के 9.9 मिलियन शेयरों की खरीद की थी। 17.4 फीसदी हिस्सेदारी की खरीद के लिए 582 मिलियन डॉलर का भुगतान किया गया था लेकिन अब इस नई खरीद के बाद बफेट बर्कशायर के पास ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम का 19.2 फीसदी हिस्सा आ गया है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में ऑक्सिडेंटल कंपनी खासा ग्रोथ करेगा। विश्लेषकों का कहना है कि इस साल ऑक्सिडेंटल की आय 10 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा होगी। ऐसे में इस तेल कंपनी पर निवेश करने वाले निवेशकों को भी अच्छा मुनाफा हो सकता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद ऑक्सिडेंटल के शेयर भाव में तेजी दिखाई दे रही है। इस साल ऑक्सिडेंटल के शेयर के भाव दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। ऐसे में कई दिग्गज निवेशक इसमें पूंजी लगा रहे हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे चढ़कर 79.74 पर

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 7 पैसे चढ़कर 79.74 पर खुला। घरेलू शेयर बाजार में तेजी से रुपए को बल मिला। हालांकि कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण रुपए की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 79.72 पर खुला, फिर शुरुआती सौदों में यह कुछ गिरावट के साथ 79.74 पर आया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 7 पैसे की बढ़त दर्शाता है। पिछले सत्र में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 79.81 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। शुरुआती सौदों में रुपया 79.71 से 79.74 के सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 108.30 पर आ गया। वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.57 प्रतिशत चढ़कर 100.14 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 2,839.52 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम13 सीरीज की लांच, मध्यम श्रेणी में 5जी फोन पेश किया

मोबाइल फोन में पहली बार ऑटो डाटा स्विचिंग फीचर

भोपाल ।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम13 सीरीज को गुरुवार को भोपाल में लांच किया है, जिसमें गैलैक्सी एम13 5जी और गैलेक्सी एम 13 को पेश किया गया है। इसमें कई खास फीचर्स दिए हैं, जिसमें 6 जीबी तक की रैम, 11 5जी बैंड्स, इस सेगमेंट का पहला ऑटो डाटा स्विचिंग फीचर, 6000एमएएच, 50 मैगापिक्सल कैमरा जैसे फीचर्स शामिल हैं। इनकी कीमत 11,999 रुपये से शुरू होती है। यह जानकारी सैमसंग इंडिया के महाप्रबंधक अक्षय गुप्ता ने एक प्रेसवार्ता में दी। गुप्ता ने बताया कि गैलैक्सी एम13 5जी की कीमत 13,999 रुपये से शुरू होती है। यह इसके 4 जीबी रैम और 64 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत है। वहीं, फोन के 6 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 15,999 रुपये है। भारत में गैलेक्सी एम 13 के 4जी वेरियंट की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये है। यह इसके 4 जीबी रैम और 64 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत है। वहीं, फोन के 6 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 13,999 रुपये है। दोनों ही वेरिएंट को सैमसंग डॉट कॉम, अमेजन और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स के जरिए 23 जुलाई से खरीदा जा सकेगा। इन्हें एक्वा ग्रीन, मिडनाइट ब्लू और स्टारडस्ट ब्राउन कलर ऑप्शन में उपलब्ध कराया जाएगा। यह ड्यूल-सिम को सपोर्ट करता है। यह फोन एंड्रॉइड 12 पर काम करता है। इसमें 6.5 इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है। इसका रिफ्रेश रेट 90 हर्ट्ज का है। यह फोन मीडियाटेक डायमेंसिटी 700 प्रोसेसर से लैस है। इसमें 6 जीबी तक की रैम दी गई है जिसे रैम प्लस फीचर के जरिए 12 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। फोन में ड्यूल रियर कैमरा दिया गया है। इसका पहला सेंसर 50 मेगापिक्सल का है। दूसरा 2 मेगापिक्सल का सेंसर है। फोन में 5 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया गया है। इसके अलावा 128 जीबी की स्टोरेज दी गई है, जिसे 1 टीबी तक माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए खरीदा जा सकेगा। इसमें 11 5जी बैंड्स दिए गए हैं। यह फोन 5000 एमएएच बैटरी से लैस है जो 15 वॉट चार्जिंग को सपोर्ट करता है।वहीं गुप्ता ने गैलैक्सी एम13 के फीचर्स के बारे में बताया कि तब यह ड्यूल-सिम को सपोर्ट करता है। यह फोन एंड्रॉइड 12 पर काम करता है। इसमें 6.6 इंच का एचडी प्लस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। इसका रिफ्रेश रेट 90 हर्ट्ज का है। यह फोन एक्सिनोस 850 प्रोसेसर से लैस है। इसमें 6 जीबी तक की रैम दी गई है जिसे रैम प्लस फीचर के जरिए 12 जीबी तक बढ़ाया जा

सकता है। फोन में ट्रिपल रियर कैमरा दिया गया है। इसका पहला सेंसर 50 मेगापिक्सल का है। दूसरा 5 मेगापिक्सल का अल्ट्रा वाइड एंगल लेंस है। तीसरा 2 मेगापिक्सल का डेप्थ सेंसर है। फोन में 8 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया गया है। इसके अलावा 128 जीबी की स्टोरेज दी गई है जिसे 1 टीबी तक माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए खरीदा जा सकेगा। यह फोन 6000 एमएएच बैटरी से लैस है जो 15 वाट चार्जिंग को सपोर्ट करता है।

शार्ट न्यूज

मणिपुर में खुलेंगे 16 खेलो इंडिया केंद्र : एन बीरेन

इम्फाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारतीय खेल प्राधीकरण (एसएआई) और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने राज्य के सभी 16 जिलों में जिलास्तरीय खेलो इंडिया केंद्र खोलने को मंजूरी दे दी है। श्री बीरेन ने राज्य के जिला युवा मामले और खेल अधिकारियों को खेलो इंडिया केंद्र के संचालन के लिये पांच लाख रुपये वितरित करते हुए कहा कि भारत सरकार ने देश भर में खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत 1000 केंद्र खोलने की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया केंद्रों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, साइकिलिंग, फेंसिंग, हॉकी, जूडो, नौकायन, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन, कुश्ती, फुटबॉल और पारंपरिक खेलों को खेल विषयों के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इम्फाल के खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तीरंदाजी, हॉकी और भारोत्तोलन सहित तीन खेलों के लिये खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र भी खेल मंत्रालय के मार्गदर्शन में बहुत जल्द शुरू होगा। श्री बीरेन को उम्मीद है कि युवाओं को खेल के क्षेत्र में आकर्षित करने से उन्हें ड्रग्स से दूर रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात के मद्देनज़र खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत खेल क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सरकार की पहल में खेल को बढ़ावा देने वाले सभी खिलाड़ियों और अन्य हितधारकों का समर्थन मांगा।

गुरूग्राम में होगी क्लासिक गोल्फ प्रीमियर लीग की शुरूआत

नयी दिल्ली। भारत के पहले डिज़ाइनर गोल्फ कोर्स क्लासिक गोल्फ एण्ड कंट्री क्लब ने गुरुवार को क्लासिक गोल्फ प्रीमियर लीग (सीजीपीएल) के लॉन्च की घोषणा की। सीजीपीएल के पहले संस्करण की शुरूआत शुक्रवार 22 जुलाई को होगी। इसे स्ट्रोकप्ले और मैचप्ले राउण्ड्स के अनूठे मिश्रण के रूप में छह हफ्तों के दौरान खेला जाएगा। पहले आयोजन में 12 टीमें हर शुक्रवार और रविवार को पांच क्लासिफिकेशन राउण्ड्स में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इसके बाद टॉप आठ टीमें नॉक आउट स्टेज में पहुंचेंगी, जिसे फोरबॉल बैटर बॉल मैचप्ले फोर्मेट में खेला जाएगा। यह लीग स्पोर्ट्स, फूड एवं मनोरंजन का बेजोड़ अनुभव होगी। इसमें विभिन्न पेशों से ताल्लुक रखने वाले 120 लीग खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें उद्योगपतियों से लेकर सीएक्सओ तक शामिल होंगे। सीजीपीएल के टूर्नामेंट निदेशक ब्रांडन डीसूज़ा ने कहा, आज देश में गोल्फ तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है। व्यक्तिगत खेल के अलावा गोल्फ टीम चैम्पियनशिप्स क्लब गोल्फरों को खूब लुभा रही हैं। कोलकाता, हैदराबाद, लखनऊ, बेंगलुरू और मुंबई सहित देश भर में यही रूझान सामने आए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य लीग की सभी टीमों के सदस्यों के बीच संपर्क सुनिश्चित करना है। सीजीपीएल के दौरान ग्रांट थोर्नटन आधिकारिक स्कोरकीपर होंगे, जबकि आटुम इसका ई-मोबिलिटी पार्टनर होगा। टाटा हाउसिंग इस लीग का को-स्पॉन्सर होगा जबकि टोरो इसका एसोसिएट स्पॉन्सर होगा।

प्रीमियर लीग : उद्घाटन मुकाबला वाटिका और हिंदुस्तान के बीच

नयी दिल्ली। पहली प्रीमियर फुटबाल लीग का उद्घाटन मैच शुक्रवार 15 जुलाई को राजधानी के अंबेडकर स्टेडियम में हिंदुस्तान एफसी और वाटिका फुटबाल क्लब की टीमों के बीच 4ः15 बजे से खेला जाएगा। हिंदुस्तान एफसी डीएसए लीग की उपविजेता है, जबकि वाटिका क्लब पहली बार दिल्ली लीग में खेल रहा है। फुटबाल प्रेमियों के लिए वाटिका एफसी कौतूहल का विषय है, क्योंकि इस क्लब ने पहले कभी दिल्ली लीग में भाग नहीं लिया। उसे बिडिंग के आधार पर प्रीमियर लीग में खेलने का मौका मिला है। टूर्नामेंट में कुल 11 टीमें भाग ले रही हैं, जोकि दो-दो बार एक दूसरे के विरुद्ध खेलेंगी। राउंड रोबिन लीग आधार पर कुल 110 मैच खेले जाएंगे और सात लाख रुपए की पुरस्कार राशि दांव पर होगी।

मेहदी, नासम की बदौलत बांग्लादेश ने विंडीज को रौंदा

गयाना। बांग्लादेश ने टेस्ट और टी20 श्रंखला हारने के बाद मेहदी हसन (आठ ओवर, 29 रन, चार विकेट) और नासम अहमद (10 ओवर, 19 रन, तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत वेस्ट इंडीज को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में नौ विकेट से हराकर सीरीज़ में अजेय बढ़त हासिल की। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर वेस्ट इंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और मेज़बान टीम को 35 ओवर में ही 108 रन पर ऑल-आउट कर दिया। कप्तान तमीम इकबाल (50 नाबाद) के अर्द्धशतक की बदौलत बांग्ला टाइगर्स ने 109 रन का न्यून लक्ष्य 21 ओवर में ही हासिल कर लिया और तीन मैचों की श्रंखला में 2-0 की बढ़त दर्ज की। विंडीज एक बार फिर स्पिन के सामने जूझती नज़र आयी। नासम अहमद ने अपना पहला एकदिवसीय विकेट लेते हुए कैरिबियाई इमारत की पहली ईंट निकाली, और देखते ही देखते वह इमारत ध्वस्त हो गयी। मोसद्देक ने सबसे पहले सलामी बल्लेबाज काइल मेयर्स (17) के रूप में मैच का अपना एकलौता विकेट लिया, जिसके बाद नासम ने शाई होप (18) को मोसद्देक हुसैन के हाथों कैच आउट करवाया। वेस्ट इंडीज़ के लिये कीमो पॉल 24 गेंदों पर चार चौकों की मदद से सर्वाधिक 25 रन बनाकर नाबाद रहे, मगर किसी अन्य बल्लेबाज ने इनका साथ नहीं दिया। बांग्लादेश की ओर से मेहदी ने आठ ओवर में 29 रन देकर चार विकेट लिये, और एक मेडन ओवर भी डाला।

विम्बलडन 2023 में भी लग सकता है रूसी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध

मॉस्को। विम्बलडन अधिकारी यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान के समाप्त न होने की स्थिति में रूसी खिलाड़ियों को 2023 चैंपियनशिप से प्रतिबंधित करने पर विचार कर रहे हैं। ब्रिटेन के मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। डेली मेल नामक अखबार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की रूसी एथलीटों को 2024 क्वालीफायर से प्रतिबंधित करने की योजना ने ऑल इंग्लैंड क्लब और लॉन टेनिस एसोसिएशन के इरादों को और मज़बूत किया है। ऑल इंग्लैंड क्लब और लॉन टेनिस एसोसिएशन ने विम्बलडन 2022 में भी रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया था, जिसके कारण पुरुषों के टेनिस संगठन एटीपी और महिलाओं के डब्ल्यूटीपी ने इस साल के आयोजन से विश्व रैंकिंग पॉइंट हटा लिये थे। डब्ल्यूटीए ने दोनों आयोजकों पर संयुक्त 10 लाख डॉलर का जुर्माना भी लगाया था। अगले साल होने वाले टूर्नामेंट में प्रतिबंध पर फैसला मार्च से पहले नहीं आयेगा।

आईएसएसएफ विश्व कप चांगवोन : भारत ने चौथे दिन चार और पदक जीते

चांगवोन। भारतीय निशानेबाज़ी टीम ने गुरुवार को आईएसएसएफ निशानेबाज़ी विश्व कप में एक स्वर्ण और तीन रजत सहित चार पदक हासिल किये। अर्जुन बबुता, शाहू तुषार माने और पार्थ मखीजा की पुरुष टीम ने फाइनल में मेजबान कोरिया को 17-15 से हराकर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। रमिता, टोक्यो ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन और मेहुली घोष की एयर राइफल महिला टीम ने कोरिया से स्वर्ण पदक मैच 10-16 से हारकर रजत पदक प्राप्त किया। दोनों पुरुष और महिला राइफल टीम ने क्रमशः 629.7 और 631.5 अंकों के साथ आठ-टीम योग्यता में शीर्ष स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक मैच के लिए क्वालीफाई किया था। साथ ही शिव नरवाल नवीन और सागर डांगी की जोड़ी ने एयर पिस्टल पुरुष टीम स्पर्धा में इटली से 15-17 से हारने के बाद रजत पदक जीता। रिदम सांगवान, पलक और युविका तोमर की एयर पिस्टल टीम ने भी फाइनल में कोरिया के खिलाफ 12-16 से हारकर रजत पदक जीता। पुरुष और महिला पिस्टल टीमों ने क्वालीफिकेशन में 581-22× और 571-20× के साथ क्रमशः इटली और कोरिया के खिलाफ गोल्ड फ़ाइनल में प्रवेश किया है। कुल मिलाकर, भारत ने आठ पदक (तीन स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य) जीते और वर्तमान में पदक तालिका में शीर्ष पर है।

अर्जुन-ध्रुव, साइना ने बनायी शीर्ष-8 में जगह

एजेंसी

कलांग। एम आर अर्जुन एवं ध्रुव कपिला की युवा पुरुष युगल जोड़ी और अनुभवी शटलर साइना नेहवाल ने गुरुवार को अपने अपने शीर्ष-16 मुकाबले जीतकर यहां सिंगापुर ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

अर्जुन और ध्रुव ने उलटफेर करते हुए गोह से फी और नूर इज़ुद्दीन की मलेशियाई जोड़ी को 18-21, 22-20, 21-18 से हराया। दूसरी ओर, साइना ने विश्व की नौवें नंबर की चीन की ही बिंग जिओ को 21-19, 11-21, 21-17 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।

क्वार्टरफाइनल में भारतीय पुरुष जोड़ी का सामना इंडोनेशिया के मोहम्मद अहसान और हेंडर सेतियावान की अनुभवी जोड़ी से होगा जबकि साइना सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए जापान की आया ओहोरी से भिड़ेंगी।

इसी बीच, सातवीं सीड बुसानन ओंगबामरुंगफान पर बुधवार को दमदार जीत दर्ज करने वाली अश्मिता चालिहा दूसरे दौर में चीन की हॉन यू से 9-21, 13-21 से हारकर बाहर हो गईं।

पूजा डांडू और आरती सारा की महिला युगल जोड़ी को चीन की डू यू और ली वेन मेई से 12-21, 6-21 से शिकस्त मिली, जबकि नितिन वी और पूर्विशा राम की मिश्रित जोड़ी को जर्मनी के मार्क लैम्सफस और इसाबेल लोहाउ के हाथों 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इससे पहले, भारत के स्टार शटलर

एचएस प्रणय और पीवी सिंधु अपने अपने राउंड-ऑफ-16 मुकाबले जीतकर सिंगापुर ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये थे।

थॉमस कप विजेता प्रणय ने पुरुष एकल मुकाबले में विश्व के नंबर चार खिलाड़ी चीनी तापेई के चाउ टीएन चेन को 14-21, 22-20, 21-18 से मात दी।

पहला गेम हारने के बाद प्रणय ने दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए मैच को निर्णायक मुकाबले में धकेला, जहां उन्होंने चीनी खिलाड़ी को 21-18 से मात दी।

निर्णायक मुकाबले में ब्रेक तक 6-11 से पिछड़े प्रणय ने अगले 11 में से आठ पॉइंट हासिल कर गेम को 14-14 पर ला खड़ा किया।

इसके बाद प्रणय ने गियर बदलते हुए टीएन चेन को कोई मौका नहीं दिया और अपने लगातार चौथे क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी।

दूसरी ओर, सिंधु ने वियतनाम की थुए लिन नुएन को 19-21, 21-19, 21-18 से शिकस्त दी। अपने से निचली रैंकिंग की प्रतिद्वंदी के सामने सिंधु पहले गेम में लयहीन नज़र आयीं। वह दूसरे गेम में भी एक समय पर 17-19 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने सीधे चार पॉइंट स्कोर करते हुए मैच को निर्णायक गेम में पहुंचाया।

फाइनल गेम में सिंधु ने मैच का रुख बदलते हुए शुरुआत में ही 9-3 की बढ़त हासिल कर ली, हालांकि नुएन ने ब्रेक से पहले सिंधु की बढ़त को घटाकर 11-10 कर दिया। पाले बदलते के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच करीबी मुकाबला हुआ, जिसमें सिंधु ने विजय हासिल कर सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में कदम रखा।

इसी बीच, विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत को हराकर शीर्ष-16 में पहुंचे भारत के मिथुन मंजूनाथ आयरलैंड के न्हाट नुएन से 10-21, 21-18, 16-21 से हाकर बाहर हो गये।

वेस्ट इंडीज़ टी 20 श्रंखला से बाहर रहेंगे कोहली

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को वेस्ट इंडीज दौरे पर होने वाली टी20 श्रंखला के लिये भारतीय टीम की घोषणा की जिसमें विराट कोहली का नाम शामिल नहीं किया गया। विराट कोहली के अलावा जसप्रीत बुमराह को भी श्रंखला से आराम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार कोहली ने बोर्ड से अनुरोध किया था कि उन्हें वेस्ट इंडीज दौरे पर आराम दिया जाए। दिग्गज ऑफ़-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टीम में वापसी की है जबकि संजू सैमसन को एक बार फिर स्क्वाड से बाहर रखा गया है। सैमसन को हाल ही में हुई आयरलैंड टी20 श्रंखला के लिये स्क्वाड में शामिल किया गया था जहां खेले गये एकलौते मैच में उन्होंने 42 गेंदों पर 77 रन बनाये थे। रोहित शर्मा की कप्तानी में केएल राहुल और कुलदीप यादव को भी टीम में जगह दी गयी है, हालांकि दोनों का खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार, अवेश खान, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

वेस्टइंडीज़ टी20 सीरीज़ के लिए कुलदीप और अश्विन की वापसी

मुंबई। बीसीसीआई ने गुरुवार को इस महीने के अंत में कैरेबियन में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम की घोषणा की, जिसमें विराट कोहली, युज़वेंद्र चहल और जसप्रीत बुमराह का नाम शामिल नहीं हैं। 18 सदस्यीय भारतीय दल की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे। केएल राहुल को दल में जगह दी गई है लेकिन इससे पहले उन्हें अपनी फ़िटनेस साबित करनी होगी। पिछले साल नवंबर में न्यूज़ीलैंड के विरुद्ध आख़िरी बार टी20 टीम का हिस्सा रहे रविचंद्रन अश्विन की इस प्रारूप में वापसी हुई है। उनके अलावा स्पिन गेंदबाज़ी का भार कुलदीप यादव (फ़िटनेस साबित करने के बाद), रवि बिश्नोई, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा के कंधों पर होगा। वनडे सीरीज़ से आराम मिलने के बाद हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबले खेलेंगे।

अपनी तेज़ गति से सभी को प्रभावित करने वाले उमरान मलिक को इस टीम में जगह नहीं मिल पाई है। चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह को तरजीह दी है जो भुवनेश्वर कुमार, आवेश ख़ान और हर्षल पटेल के साथ तेज़ गेंदबाज़ी की ज़िम्मेदारी संभालेंगे।

आयरलैंड में अपना टी20 डेब्यू करने वाले उमरान इंग्लैंड के ख़िलाफ़ हुई टी20 सीरीज़ में भारतीय टीम का हिस्सा थे। नॉटिंघम में खेले अपने इकलौते मैच में उन्होंने 56 रन देकर एक विकेट झटका था, वहीं अर्शदीप ने सीरीज़ के पहले मैच में पदार्पण करते हुए अपनी लेट स्विंग से बल्लेबाज़ों को तंग किया और 18 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। बुमराह को इस सीरीज़ के लिए आराम दिया गया है। साथ ही कोहली आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा हैं। इंग्लैंड सीरीज़ से पहले रोहित ने ख़राब फ़ॉर्म से जूझ रहे कोहली का समर्थन किया था। विशेषज्ञों द्वारा कोहली को टीम से बाहर करने की बातों पर रोहित ने कहा था, मैं नहीं जानता ये विशेषज्ञ हैं कौन। मुझे तो यह भी नहीं पता कि उन्हें विशेषज्ञ क्यों कहा जाता है। वह बाहर से सब कुछ देख रहे हैं, उन्हें नहीं पता अंदर क्या चल रहा है। हम एक टीम गठित कर रहे हैं जिसमें बहुत सोच-विचार की आवश्यकता होती है। खिलाड़ियों का समर्थन किया जाता है और उन्हें मौक़े दिए जाते हैं। बाहर वाले लोगों को यह सब नहीं पता और बाहर चल रही बाते मायने नहीं रखती।

ईशान किशन को बैकअप ओपनर और बैकअप विकेटकीपर की तरह चुना गया है। जून में जर्मनी जाकर स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाने के बाद राहुल फ़िलहाल बेंगलुरु में स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं।

राहुल जून महीने की शुरुआत से टीम से बाहर हैं। दक्षिण अफ़्रीका के विरुद्ध टी20 सीरीज़ से बाहर रहने के बाद उन्हें एजबेस्टन टेस्ट के लिए चुना गया था, हालांकि चोट ठीक नहीं होने के कारण उन्हें मैच से बाहर रहना पड़ा और उनकी सर्जरी हुई।

इससे पहले राहुल अपनी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स को आईपीएल 2022 के प्लेऑफ़ तक लेकर गए थे। 15 मैचों में उन्होंने 51.33 की औसत और 135.38 के स्ट्राइक रेट से 616 रन बनाए थे। आईपीएल 2022 में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में केवल जॉस बटलर उनसे आगे थे।

आयरलैंड के विरुद्ध अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने वाले दीपक हुड्डा को कोहली की अनुपस्थिति में टीम में बरक़रार रखा गया है।

श्रीलंका: सेना के कब्जे में राष्ट्रपति भवन, प्रदर्शनकारियों को दी खुली चेतावनी

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में गंभीर राजनीतिक और आर्थिक हालात के बीच सेना ने बयान जारी करके कहा है कि उसके जवान अपनी जान देकर भी कानून व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सेना ने कहा है कि जब से देश आजाद हुआ है तब से ही अखंडता और अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा की गई है। संविधान के अनुसार लोगों के फ्री मूवमेंट को भी तवज्जो दी गई है। मई में जब से जनता ने प्रदर्शन करना शुरू किया है, तब भी सेना ने सहयोग किया है।

बता दें कि राष्ट्रपति भवन को प्रदर्शनकारियों से खाली करवाया गया है। सेना ने राष्ट्रपति भवन पर टैंक तैनात कर दिए हैं। यहां प्रदर्शनकारियों ने

कब्जा कर लिया था। इससे पहले जब कार्यवाहक राष्ट्रपति ने सेना ने बल प्रयोग करने को कहा था तब सेना ने जनता का विरोध न करने का फैसला किया था और कम बल प्रयोग करने पर ही सहमत हुई थी।

सेना ने कहा कुछ छोटी-मोटी घटनाओं के अलावा बड़े प्रदर्शन के बावजूद जनता और सेना के बीच कोई भिड़ंत नहीं हुई है और न ही सेना को किसी की जान को नुकसान पहुंचाया है। सेना ने कड़े शब्दों में कहा है कि लोग हिंसा के रास्ते से हट जाएं वरना सेना को मजबूर होकर कार्रवाई करनी पड़ेगी।

श्रीलंका की सेना की तरफ से कहा गया है कि अगर सार्वजनिक संपत्ति और लोगों के हित के लिए उसे बड़ा कदम उठाना पड़ा तो वह पीछे नहीं हटेगी। सेना ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति और स्पीकर से चर्चा के बाद यही निष्कर्ष निकाला गया है कि संवैधानिक तरीके से इस राजनीतिक अस्थिरता का हल निकाला जाएगा। पहले शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर बल प्रयोग न करने का फैसला किया गया था। हालांकि कुछ जगहों पर जहां हिंसा हुई वहां हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

सेना ने कहा कि बहुत प्रयास के बावजूद कई जगहों पर देखा गया कि प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए। वे कानून का उल्लंघन करने लगे। संसद भवन और स्पीकर के आवास पर भी प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर लिया और पुलिस बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद सेना ने आपातकाल स्थिति से निपटने के लिए कोलंबो की गलियों में हथिया तैनात कर दिए हैं।

राजपक्षे त्यागपत्र में देरी से श्रीलंका में आपातकाल जैसे हालात

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे का इस्तीफा गुरुवार को भी नही आने से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं और देशभर में सत्ता के खिलाफ जारी जबरदस्त विरोध प्रदर्शनों के कारण आपातकाल जैसे हालात पैदा हो गये हैं। देश में लगातार बिगड़ते हालात के बीच अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने कानूनी सलाह पर विचार कर रहे है कि क्या बिना त्यागपत्र के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के पद को रिक्त कराया जा सकता है। महानायके थेरास ने अध्यक्ष को तत्काल समन भेजकर संसद बुलाने और कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बहाल करने के लिए कहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार निजी विमान से गोटबाया राजपक्षे सिंगापुर के लिए मालदीव के लिए निकल चुके है। कुछ का कहना है कि एक दिन बाद उनका आखिरी गतंव्य संयुक्त अरब अमीरात हो सकता है।

ईरानी सेना आतंकी संगठन की लिस्ट में ही रहेगी, हमले का विकल्प खुला : जो बाइडेन

तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का कहना है कि ईरान के खिलाफ सेना का इस्तेमाल करने का विकल्प खुला हुआ है। उन्होंने कहा कि ईरान यदि न्यूक्लियर हथियारों की जिद छोड़ने को राजी नहीं होता है तो फिर आखिरी विकल्प के तौर पर सेना का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। बुधवार को इजरायल और सऊदी अरब की यात्रा से पहले जो बाइडेन ने एक टीवी इंटरव्यू में यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिकी की ओर से ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड को वह आतंकी संगठनों की सूची में बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर पावर बनने की कोशिश में जुटे ईरान को रोकने की जरूरत है।

जो बाइडेन बुधवार को इजरायल पहुंच गए हैं। इसके बाद वह सऊदी अरब भी जाएंगे, जहां वह खाड़ी देशों की एक समिट में हिस्सा लेंगे। उन्होंने

अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने ईरान के साथ डील को तोड़कर गलती की थी। आज वह पहले से खतरनाक देश के तौर पर हमारे सामने है। उन्होंने कहा कि ईरान अब न्यूक्लियर हथियार हासिल करने की रेस में पहले से ज्यादा आगे निकल चुका है। यह हमारे लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए ही एक बड़े संकट की तरह है, जिससे निपटना जरूरी होगा।

जो बाइडेन के एक ही राउंड में इजरायल से लेकर सऊदी अरब तक जाने को कट्टर प्रतिद्वंद्वी देशों को करीब लाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि बीते कुछ सालों में यूएई, बहरीन, सऊदी अरब समेत कई देशों से इजरायल के रिश्ते बेहतर हुए हैं। जो बाइडेन ने कहा कि मैं तो मध्य पूर्व में हालात बेहतर करना चाहता हूं। यहां स्थिरता और शांति के लिए ही प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका के भी हित में होगा कि यहां शांति बनी रहे।

इजरायल और सऊदी अरब के रिश्तों पर भी बोले

उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि अमेरिकी मिडल ईस्ट से दूर हो जाएगा तो चीन और रूस के लिए जगह बन जाएगी, वे गलत साबित होंगे। हम ऐसा कुछ भी मौका नहीं देने वाले। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सऊदी अरब और इजरायल के रिश्ते सामान्य होने में अभी और वक्त लगेगा।

श्रीलंका सेना ने हिंसक प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी

कोलंबो। श्रीलंका सेना ने कोलंबो में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों को गुरुवार को पहली चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह सभी तरीके की हिंसा से तत्काल दूर रहें या फिर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। सशस्त्र बलों ने अपने बयान में कहा, सार्वजनिक संपत्ति, प्रमुख प्रतिष्ठानों, संवेदनशील बिंदुओं और मानव जीवन की सुरक्षा उनकी जिम्मेदारी है, यदि स्थिति हाथ से निकलते हुए दिखेगी तो बल प्रयोग करने से पीछे नहीं हटेंगे। हिंसक प्रदर्शनकारियों के कोलंबो में प्रधानमंत्री कार्यालय पर कब्जा करने तथा संसद भवन पर इसी तरह के प्रयास के बाद सेना का यह बयान सामने आया है। ऐसी भी खबरें सामने आयी है कि अज्ञात प्रदर्शनकारियों ने दो जवानों पर हमला कर उन्हें गंभीर रुप से घायल कर दिया और उनकी टी-56 असाल्ट राइफल लूट ली। बयान में कहा गया है कि सशस्त्र बलों ने उस हफ्ते सरकार विरोधी प्रदर्शनों में हस्तक्षेप नहीं किया था जिसमें 9 जुलाई को जब भीड़ ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को भागने के लिए मजबूर कर दिया। श्री राजपक्षे ने आज पत्नी के साथ मालदीव से सिंगापुर के लिए उड़ान भरी। बयान के अनुसार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, सेना के तीनों कमांडरों और पुलिस महानिरीक्षक ने तीन से अधिक मौकों पर विरोध करने वाले समूहों से सार्वजनिक रूप से मुद्दों का संवैधानिक हल निकालने की अपील की थी।

श्रीलंका में एक प्रदर्शनकारी की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में गुरुवार को प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई जबकि दो जवान गंभीर रुप से घायल हो गये। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट और अधिकारियों ने दी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस के प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस छोड़े, जिससे एक 26 वर्षीय युवक की सांस लेने में हुई कठिनाई के कारण उसकी मौत हो गई। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के बुधवार अल सुबह देश छोड़ने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। श्री विक्रमसिंघे ने कोलंबो सहित पश्चिमी प्रांत में कर्फ्यू लगाने की घोषणा कर सुरक्षा बलों को उपद्रवियों से निपटने का आदेश दिया। कोलंबो राष्ट्रीय अस्पताल ने कहा है कि घायल प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर या संसद के बाहर थे। इस बीच श्रीलंका सेना ने कहा कि बुधवार की शाम को बट्टारामूला में संसद के पास प्रदर्शनकारियों ने दो सैनिकों पर घातक हमला किया था। सेना के मीडिया प्रवक्ता ब्रिगेडियर नीलांथा प्रेमरत्ने ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने दो सैनिकों से दो स्वचालित टी-56 असॉल्ट राइफलें और गोला-बारूद छीन लिया।

पाकिस्तान-आईएमएफ ने 1.17 अरब डॉलर के ऋण की किश्त जारी करने के लिए स्टाफ स्तर पर किया समझौता

इस्लामाबाद। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और पाकिस्तान ने छह अरब डॉलर की ऋण सुविधा के लिए सातवीं और आठवीं संयुक्त समीक्षा कर एक कर्मचारी-स्तरीय समझौता किया है। इस प्रगति से 1.17 अरब डॉलर के बहुप्रतिक्षित ऋण जारी करने का मार्ग प्रशस्त हो जायेगा। आईएमएफ ने गुरुवार को अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, इस समझौते को कार्यकारी बोर्ड के द्वारा अनुमोदित किया जाना शेष है। बयान में कहा गया आईएमएफ की टीम ईएफएफ समर्थित कार्यक्रम की सातवीं और आठ समीक्षाओं के निष्कर्ष के लिए पाकिस्तान के अधिकारियों के साथ एक कर्मचारी-स्तरीय समझौते पर पहुंच गई है। समझौते को आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड द्वारा अनुमोदन किया जाना है। इसमें आगे कहा गया, बोर्ड की मंजूरी के बाद लगभग 117 दशमलव 7 करोड़ डॉलर उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे कार्यक्रम के तहत कुल वितरण लगभग 4.2 अरब डॉलर का हो जाएगा। कर्ज देने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था ने कहा कि पाकिस्तान में आईएमएफ मिशन प्रमुख नाथन पोर्टर के नेतृत्व में एक टीम ने पाकिस्तान के साथ चर्चा को अंतिम रूप दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

आयुर्वेद में लहसुन से किया जाता है कई बीमारियों का इलाज

कोविड पीरियड में लहसुन का प्रयोग काफी किया जा रहा है। सभी लोग इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए इसका सेवन कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके अचार से भी आपको स्वस्थ्य लाभ मिलते हैं। आमतौर पर हम लहसुन का प्रयोग सब्जी और दाल में तड़का लगाने के लिए करते हैं लेकिन आयुर्वेद में लहसुन का इस्तेमाल औषधि के रूप में किया जाता है। इसके सेवन के कई अचूक फायदे होते हैं लेकिन इसे उचित मात्रा में लेना चाहिए। आयुर्वेद में लहसुन का प्रयोग कर कई बीमारियों का इलाज किया जाता है। औषधि और सब्जियों के अलावा आप लहसुन का अचार भी बना सकते हैं। जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत लाभकारी होता है। लहसुन एंटीसेप्टिक, एंटीआक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरियल, एंटी वायरल, और एंटीफंगल गुणों से समृद्ध है। आप इसका प्रयोग कई तरह से कर सकते हैं। यहां हम आपको आयुर्वेदिक डॉक्टर के हवाले से लहसुन और इसके अचार खाने के कई स्वस्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। चूंकि लहसुन एक आयुर्वेदिक औषधि है, इसलिए हमने इसके बारे में अधिक जानकारी के लिए आयुर्वेद के क्षेत्र से जुड़े डॉक्टर से बात की। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र ने बताया कि लहसुन से एक नहीं बल्कि कई फायदे मिलते हैं। आप चाहें तो इसका स्वादिष्ट अचार भी खा सकते हैं। जो खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाता है जिसकी मदद से अपच, फूड पॉइजन, कब्ज, गैस जैसी पेट संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। इसलिए आप इसके अचार को अपने लंच और डिनर में शामिल कर सकते हैं।

कैंसर के जोखिम को कम करने में मददगार

लहसुन में मौजूद ऑर्गेनो-सल्फर सेरेब्रम ट्यूमर में जोखिम भरी कोशिकाओं में से एक को नष्ट करने में मदद करता है। लहसुन को खासतौर पर प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाने वाला फूड माना जाता है। इसकी गंध कैंसर और हृदय रोग के लिए एक सुरक्षा कवच के तौर पर काम करती है।

फेफड़े के सही विकास में सहायक

जो लोग हर हफ्ते लहसुन की कच्ची कलियों का सेवन करते हैं उनके फेफड़े सही तरह से विकसित होते हैं। हालांकि, कई लोग लहसुन को कच्चा या सब्जी में खाना पसंद नहीं करते, इसलिए वे इसे आचार के तौर पर खा सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि फेफड़ों की खराबी के लिए लहसुन एक रसायन-निवारक विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकता है।

जोड़ों के दर्द में राहत

लहसुन के सेवन से जोड़ों के दर्द में काफी आराम मिलता है। विशेषज्ञों का भी कहना है कि लहसुन में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो जोड़ों के दर्द में फायदेमंद होते हैं। रोजाना इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और सूजन की शिकायत होने का जोखिम कम हो सकता है। आप कच्चे लहसुन, नमकीन लहसुन, या लहसुन की गोलियां खाकर जोड़ों की सूजन को कम कर सकते हैं।

सर्दी, खांसी और जुकाम को कम करने में फायदेमंद

सर्दी-जुकाम और अन्य बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आप लहसुन के अचार को भी औषधि के तौर पर खा सकते हैं। यदि आपको सर्दी-जुकाम की समस्या है, तो आपको लहसुन की आवश्यकता हो सकती है! कैंसर की रोकथाम करने वाले एजेंट यानी लहसुन की नमकीन का सेवन कर सर्दी को कम कर सकते हैं। इसमें हीट पैदा करने वाले गुण होते हैं।

आंखों की सेहत ख्याल रखता है इम्यूनिटी बूस्टर लहसुन

लहसुन के सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसके अतिरिक्त ये आपकी आंखों के लिए भी फायदेमंद है। लहसुन के अचार में अधिक मात्रा में बीटा कैरोटीन मौजूद होता है जो आंखों के लिए अच्छा माना जाता है

बारिश में मच्छर फैलाते हैं ये गंभीर बीमारियां

मानसून एक खुशनुमा मौसम है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये मच्छर जनित बीमारियों का भी सीजन है। क्योंकि यह मच्छरों के प्रजनन का भी मौसम है, इसलिए वे अपनी पूरी ताकत के साथ संक्रमण फैलाने के लिए एक्टिव हो जाते हैं। अगर आपने मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से बचाव के लिए कोई तैयारी नहीं की तो सावधानी बतरनी शुरू कर कीजिए। दरअसल, मच्छरों के काटने से जो बीमारियां होती हैं, उनमें से ज्यादातर हमारी जान पर हावी हो जाती हैं।

बता दें कि मच्छर का काटना और उसके बाद होने वाली खुजली होना एक छोटी सी समस्या है लेकिन नजरअंदाज करने पर ये संक्रमण गंभीर लक्षणों को भी बढ़ावा दे सकता है। हर साल लाखों लोग किसी न किसी मच्छर जनित बीमारी से पीड़ित होते हैं। इस आर्टिकल में हमने 5 ऐसी बीमारियों को लिस्टिड किया है जो मानसून में आम हैं।

मलेरिया

मच्छर के काटने से होने वाली सबसे आम और खतरनाक बीमारी है। हर साल लगभग 4 लाख लोग मलेरिया के कारण अपनी जान गंवाते हैं। हालांकि, बढ़ती जागरूकता के साथ, मामलों की संख्या में गिरावट देखी गई है। जब एक संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तो वह व्यक्ति मलेरिया से संक्रमित हो सकता है। बुखार, ठंड लगना और शरीर में दर्द मलेरिया के प्रमुख लक्षण हैं। यदि आप खुद में इस तरह के सिम्टम्स देखते हैं तो बिना देर किए टेस्ट कराना चाहिए। इसके अलावा, मलेरिया के खतरे से बचने के लिए मानसून के मौसम में मच्छरदानी का उपयोग करें। चूंकि मलेरिया के लिए कोई टीका नहीं है, इसलिए रोकथाम सबसे अच्छा इलाज है।

डेंगू बुखार

पिछले कुछ सालों में डेंगू के मामलों में थोड़ी गिरावट देखी गई है, लेकिन अब भी ये पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। साथ ही, भारत डेंगू बुखार के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में से एक है। समस्या यह है कि अब तक डेंगू का कोई इलाज नहीं है और खराब मैनेजमेंट से रोगी की मृत्यु हो सकती है। लिहाजा हमें इससे बहुत अधिक सावधान रहने की जरूरत है। डेंगू पैदा करने वाला मच्छर अलग होता है और इसके लक्षण घंटों में देखे जा सकते हैं। जैसे ही आपको संक्रमित मच्छर के काटने का संदेह हो, अपना परीक्षण करवाएं और आवश्यक चिकित्सा सहायता लें।

येलो बुखार

येलो फीवर फ्लेविवायरस के कारण होता है। इसमें वायरस से संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह येलो फीवर की चपेट में आ जाता है। यह कैरिबियन, अफ्रीकी और दक्षिण अमेरिकी क्षेत्रों में अधिक आम है। भारतीय तब तक इस बीमारी के संपर्क में नहीं आते जब तक कि वे उच्च जोखिम वाले देशों का दौरा नहीं करते। शुक्र है कि पिछले वर्षों में पीले बुखार के बहुत कम मामले सामने आए हैं लेकिन हमें इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि आप सुरक्षित स्थान पर रहने के लिए किसी उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में जा रहे हैं तो अपने आप को पीले बुखार का टीका लगवाएं। हालांकि, लोगों को सलाह दी जाती है कि वे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की यात्रा करने से पहले पीले बुखार का टीका लगवा लें।

इंसेफेलाइटिस

यह भी एक मच्छर जनित बीमारी है लेकिन बाकी की तुलना में अधिक खतरनाक है क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी के आसपास सूजन का कारण बनती है जो मस्तिष्क तक पहुंच सकती है। समय पर इलाज न मिलने पर यह रोग पूरे शरीर में फैल जाता है। पिछले कुछ सालों में भारत में इंसेफेलाइटिस के मामले धीरे-धीरे बढ़े हैं। जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है उन्हें इंसेफेलाइटिस होने का खतरा ज्यादा होता है। शुरुआती लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान और दौरे शामिल हैं।

चिकनगुनिया

चिकिनगुनिया भी बारिश के सीजन में होने वाला रोग है। ये भारत और एशिया के अन्य हिस्सों में आम है। चिकनगुनिया के लगभग 1 लाख मामले हर साल सामने आते हैं। चिकनगुनिया बुखार फैलाने वाला मच्छर 29 डिग्री तापमान से ऊपर पैदा होता है जो मानसून के मौसम की शुरुआत में कहर ढहाता है। शुरुआती लक्षणों में सिरदर्द, बुखार, जी मिचलाना और जोड़ों में दर्द है। इस प्रकार, हमें सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि मानसून इस बीमारी से बचाव के लिए शुरू होता है।

वैक्सीनेशन के बाद डाइट में शामिल करें ये खास चीजें

कोरोना वायरस से बचाव के लिए वर्तमान में वैक्सीनेशन ही एकमात्र उपाय है। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का एक ही दावा है वैक्सीन से डरे नहीं और वैक्सीनेशन कराएं। लेकिन कोरोना वैक्सीनेशन के दौरान भी कुछ बातें हैं जिन्हें ध्यान में जरूर रखें। इससे आपका इम्युनिटी लेवल भी बढ़ेगा और साइड इफेक्ट से दर्द में राहत मिलेगी। जानते हैं अपने खाने में कौन-सी चीजें जरूर शामिल करें

लहसुन और प्याज- इन दोनों को खाने में खूब इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इम्युनिटी बूस्टर के तौर यह बेहद लाभदायक है। लहसुन में विटामिन बी6, सी, फाइबर, सेलेनियम, मैंगनीज, कॉपर, पोटेशियम, फास्फोरस पाया जाता है। वहीं प्याज में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है।

अनाज- मुख्य रूप से साबुत अनाज अधिक फायदेमंद है। इसमें मौजूद तत्व साइड इफेक्ट को कम करने में मदद मिलती है। साबुत अनाज के अलावा ब्राउन राइस, ज्वार, ओट्स, रागी, सत्तू और पॉपकॉर्न भी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

पानी- विशेषज्ञों के अनुसार वैक्सीन से एक दिन पहले और वैक्सीन लगने के कुछ दिनों बाद तक खूब सारा पानी पिएं। इससे आपकी बॉडी हाइड्रेट रहेगी और साइड इफेक्ट का ज्यादा असर पता नहीं चलेगा।

हल्दी- हल्दी एक आयुर्वेदिक औषधि है। यह एक रामबाण दवा के रूप में काम करती है। वैक्सीनेशन के बाद आप रात को हल्दी का दूध भी पी सकते हैं।

ताजे फल- वैक्सीनेशन के बाद आपकी बॉडी में पानी की कमी नहीं होना चाहिए इसलिए अधिक से अधिक फल खाएं। गर्मी के मौसम में ऐसे कई सारे फल है जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है। तरबूज, खरबूजा, चीकू, आम इसके अलावा केले, अनार का भी सेवन कर सकते हैं। इन फलों से शरीर को ताकत भी मिलती है और पानी की कमी भी नहीं होती है।

हरी सब्जियां- हरी सब्जियों में मौजूद पोषक तत्व इम्युनिटी बूस्टर का काम ही करते हैं। वैक्सीनेशन के बाद हरी सब्जियों की मात्रा बढ़ा दें। इससे आपको ताकत भी मिलेगी और वैक्सीन का दर्द भी कम होगा।

मोटापे से दिलाएगा छुटकारा खाली पेट मेथी बीज के पानी का सेवन

बढ़ता वजन या मोटापा अगर आपके लिए भी परेशानी का कारण बना हुआ है तो इसका इलाज आपकी किचन में ही मौजूद है। जी हां, आपकी रसोई में मौजूद मेथी दाना न सिर्फ आपके बढ़ते वजन बल्कि आपके कई रोगों को ठीक करने में आपकी मदद कर सकता है। औषधीय गुणों से भरपूर मेथी में ढेर सारे न्यूट्रिएंट्स, एंटी ऑक्सीडेंट्स और सूजन रोधी गुण पाए जाते हैं। इतना ही नहीं खाली पेट मेथी के बीज का पानी पीने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं मोटापा कम करने के लिए कैसे बनाएं मेथी के बीज का पानी।

कैसे बनाएं मेथी के बीज का पानी

- मेथी के बीज का पानी बनाने के लिए सबसे पहले 1 बड़ा बाउल लेकर उसमें पानी डालें और 2 चम्मच मेथी दाने को उस पानी में डालकर रात भर भिगोने के लिए रख दें। सुबह उठकर पानी को छान लें और खाली पेट सबसे पहले इस पानी का सेवन करें।
- इसके अलावा आप यह उपाय भी अपना सकती हैं। इस उपाय में आप 1 चम्मच मेथी दाने को पैन में बिना तेल के हल्का सा फ्राई कर लें और फिर ब्लेंडर में डालकर उसका पाउडर बना लें। 1 गिलास गर्म पानी में 1 चम्मच मेथी का पाउडर डालें, मिक्स करें और हर सुबह खाली पेट इस पानी को पिएं।

सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीने के फायदे

मोटापा कम करने में मदद

मेथी में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसके पानी का सेवन सुबह खाली पेट करने से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और भूख जल्दी नहीं लगती। जिसकी वजह से वेट लॉस में काफी मदद मिलती है। इसके अलावा मेथी के पानी का सेवन करने से पेट फूलने की दिक्कत (ब्लोटिंग) भी नहीं होती है।

डायबिटीज

मेथी में 4-हाइड्रॉक्सिसिलुसीन नाम का एक एमिनो एसिड होता है। जो डायबिटीज को कम करने में मदद करता है।

पाचन तंत्र को रखें सेहतमंद

मेथी का पानी एसिडिटी, कब्ज और पेट से जुड़ी समस्याओं दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आपको रोज सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीना होगा।

दर्द को दूर करती है मेथी

मेथी का सेवन करने से शरीर में होने वाले दर्द से राहत मिलती है। एंटीऑक्सीडेंट और ऐंटि-इन्फ्लेमेट्री प्रॉपर्टीज से भरपूर मेथी शरीर के लिए बेहद फायदेमंद है। शरीर के दर्द को दूर करने के लिए मेथी का पाउडर, मेथी की चाय बनाकर भी उपयोग में लाया जा सकता है। मेथी दाना का पूरा फायदा उठाना है तो हर रोज मेथी का पानी पीना चाहिए।

नशे की बजाए औषधि के रूप में करें भांग का प्रयोग

आमतौर पर भांग के बीजों का इस्तेमाल नशे के रूप में किया जाता है लेकिन बहुत कम लोगों को मालूम है इसका प्रयोग कई दवाओं में भी किया जाता है। इसके बीजों के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

कई लोगों द्वारा भांग के बीज को एक सुपर फूड माना जाता है क्योंकि उनमें अधिक मात्रा में पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ होते हैं। ये बीज कैनबिस सतीव पौधे से आते हैं, जिसका प्सैकोएक्टिव ड्रग या औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कैनबिस को मारिजुआना, गांजा और भांग के नामों से भी जाना जाता है। आपको बता दें कि भांग एक आयुर्वेदिक औषधि है, लेकिन लोग इसका सेवन सिर्फ नशा के तौर पर करते हैं। वहीं अगर सीमित मात्रा में कई दूसरी औषधियों के साथ मिलाकर इसका प्रयोग करें तो तमाम बीमारियों से राहत मिल सकती है। ये छोटे भूरे बीज बेहद स्वस्थ होते हैं क्योंकि इनमें फाइबर, प्रोटीन और अन्य स्वस्थ फैटी एसिड होते हैं। यहां हम आपको भांग के सभी स्वास्थ्य लाभों के बारे में बता रहे हैं।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता

भांग के बीज अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बनाए रखते हुए आपके दिल को स्वस्थ रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यह वास्तव में एकमात्र पौधा है जिसमें संतृप्त वसा एक सही अनुपात में पाया जाता है। इसी के चलते इसके बीज एथेरोस्क्लेरोसिस, दिल के दौरे और स्ट्रोक को रोकने में मदद करते हैं। सैचुरेटेड फैट के अलावा ये बीज अमीनो एसिड, गामा-लिनोलिक एसिड और आर्जिनिन की उपस्थिति सूजन को कम करने में मदद करते हैं जिससे दिल की सेहत सही रहती है और रक्तचाप भी नियंत्रित होता है।

पाचन स्वास्थ्य में सुधार करता है

भांग फाइबर से भरपूर होती है और यह घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर का एक बड़ा स्रोत है। इसके बीजों में मौजूद फाइबर बाउल फंक्शन को स्टिम्युलेट यानी प्रोत्साहित करता है, इस तरह से ये कब्ज को रोकता है। इसके अलावा, फाइबर से पेट भरा हुआ महसूस कराता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर कंट्रोल में रहता है। साथ ही ये ग्लूकोज के अवशोषण को भी धीमा करता है।

अनिद्रा से राहत

बहुत से लोग विभिन्न कारणों से नींद की बीमारी से पीड़ित होते हैं। रात में एक अच्छी नींद पाने के लिए, आपको बस मुट्ठी भर भांग के बीज लेने की जरूरत है क्योंकि वे मैग्नीशियम से भरे होते हैं जो शरीर को आराम देने के लिए जाने जाते हैं। भांग के बीजों में डेली के लिए जरूरी मैग्जीनियम की 50% मात्रा पाई जाती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

भांग के बीज आपकी स्किन के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसमें मुंहासे, लालिमा, एक्जिमा, शुष्क और सुस्त त्वचा, जलन को कम करने के गुण पाए जाते हैं। ऐसा बीजों में मौजूद फैटी एसिड के कारण होता है। अगर आपको स्किन संबंधी समस्या है तो शुद्ध भांग के बीज के तेल को त्वचा पर लगाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इन बीजों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, फैटी एसिड और विटामिन के कारण त्वचा और बालों के उत्पादों में एक महत्वपूर्ण घटक है।

वजन कम करने में सहायक

भांग के बीज प्रोटीन और फाइबर का स्रोत होने के साथ-साथ कैलोरी में कम होते हैं और इनमें सोडियम की अधिक मात्रा पाई जाती है। इसलिए वजन कम करने वाले लोगों के लिए भी मददगार है। ये भूख को कम करने में मदद करते हैं। इसके साथ ही इन बीजों में मौजूद फाइबर सभी पोषक तत्वों को अवशोषित कर लेता है, जिससे शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मिल जाते हैं।

एनीमिया लोगों के लिए अच्छा

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जो शरीर में आयरन की कमी के कारण होती है और इसके कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं जिनमें सुस्ती, सीने में दर्द और चक्कर आना शामिल हैं। आप भांग के बीजों का सीमित मात्रा में सेवन करके इस स्थिति को रोक सकते हैं क्योंकि इनमें आयरन की मात्रा अधिक होती है।

CMYK CMYK CMYK CMYK